Vol.18, Issue 9 | Annual Subscription ₹ 420

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

July 2019

रोटरी समाचार

Rotary

नए रो ई अध्यक्ष
मार्क मलोनी
और उनकी पत्नी
गे से मिलिए।

नया नेतृत्व

रशीदा भगत

ऊपर : (बाएं से) RIDE भरत पांड्या और माधवी, RIDE कमल संघवी और सोनल का हैम्बर्ग कन्वेंशन में परिचय।

दाएं : चेंज-ओवर समारोह : RID सी भास्कर निर्वाचित निदेशक कमल संघवी और भरत पांड्या के साथ।

नीचे : TRF ट्रस्टीयों का परिचय - PRIP के आर रवींद्रन और वानती, गुलाम वाहनवती चित्र में शामिल हैं।

सौजन्य: भरत पांड्या

रशीदा भगत

विषयसूची

12 अतीत से बनी भूमिका
अपने नए रोटरी नेतृत्वकर्ता से मिलिए।

22 रोटरी ग्रुप स्टडी एक्सचेंज कार्यक्रम एक जीवन परिवर्तक अनुभव था: गुलाम वाहनवटी
टीआरएफ़ न्यासी गुलाम वाहनवटी के बारे में और अधिक जानिए।

30 दक्षिण एशिया क्षेत्र रोटरी दुनिया का आदर्श हैं: बेरी रेसिन
हैमबर्ग में दक्षिण एशिया अभिग्रहण का एक वर्णन।

42 हैमबर्ग से यादगार पल
हैमबर्ग में हुआ 110वां रोटरी सम्मेलन से कुछ पल।

58 कर्नाटक के रोटेरियन पृथ्वी को हरा-भरा बनाने का समर्थन करते है
रोटरी क्लब बेंगलुर आर्चर्ड़ज़ कि एक महत्वाकांक्षी एक करोड़ पौधारोपण कार्यक्रम का लोकार्पण।

64 आपके गवर्नरों से मिलें
अपने गवर्नर और आपके मंडल के लिए उनकी योजनाओं के बारे में जानिए।

72 शब्दों के खेल अच्छी दवा होते है
वर्ग-पहेली, सूडोकू और शब्द खोज - खेल जो दिमाग को तेज एवं सक्रिय रखते है।

78 कसरत में शरीर और मन का संबंध
दिमाग शरीर को प्रभावी रूप से कसरत करने के लिए उत्तेजित करता है और बदले में कसरत दिमागी कार्यों में सुधार करती है।

कवर पर : रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और उनकी पत्नी गे।

चित्र: केरी नॉर्टन, द रोटेरियन

आपके पत्र

हमारे नए रा ई निदेशकों को जानना

संपादक का लेख *सुंदरा को स्कूल भेजना* उपयुक्त, सामयिक और रोचक है क्योंकि शैक्षणिक वर्ष अभी शुरू ही हुआ है और जो मदद एवं प्रोत्साहन उसे मिला वह प्रशंसनीय है।

साथ ही, नवनिर्वाचित रोई निदेशकों के साक्षात्कार को पढ़कर ख़ुशी हुई। रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन का विदाई सन्देश संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली और उपयोगी है क्योंकि यह रोटेरियनों और रोटरी शांति निर्माताओं द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी देता है। रोई निदेशक सी. भास्कर का विदाई सन्देश उनके कार्यकाल के दौरान रोटरी की सेवा करने में उनकी संतुष्टि को दर्शाता है।

मानव जीवन के तीन चरणों पर RIDE भरत पंड्या के विचार - सीखों, कमाओं और लौटाओं - अनुकरणीय है।

हमें यह जानकर ख़ुशी हुई कि अब भारत में दो ऐसे रोई निदेशक है जो ज़ोनों के मुद्दों को अधिक प्रभावी रूप से संभाल सकते है। RIDE कमल संघवी का साक्षात्कार शानदार है। 54 वर्षों के एक लम्बे समय तक रोटरी क्लब मद्रास में रोटेरियन रहे क्रिस चितले को मेरी तरफ से श्रद्धांजलि। अन्य सभी लेख उत्कृष्ट है और रंगबिरंगी तस्वीरों के साथ क्लब की गतिविधि रिपोर्ट (क्लब गतिविधियाँ) अनुकरणीय है।

पत्रिका की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बधाई।

एम टी फिलिप,
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
रो ई मंडल 3211

एक और पढ़ने योग्य अंक और रशीदा की तरफ से एक और रोचक सम्पादकीय।

जिस तरह दोनों नवनिर्वाचित निदेशक रोटरी में उनकी भूमिका को ''सत्ता के पदों के रूप में नहीं बल्कि जिम्मेदारियों के रूप में'' देखते है, मैं कामना करता हूँ कि ''प्रत्येक क्लब अध्यक्ष और मंडल गवर्नर ऐसा ही करें।'' शासक ''अध्यक्ष या शासक गवर्नर कहलाने के बजाए, उन्हें सेवक अध्यक्ष और गवर्नर के रूप में कार्य करना चाहिए।'' उनके चारों ओर किये जा रहे प्रचार के बावजूद भी उनकी मानसिकता विनम्र होनी चाहिए।

राजधानी में केवल शीर्ष स्तर पर ही नहीं बल्कि राज्यों और नगरपालिकाओं में भी हमारे रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करना चाहिए और उनका समर्थन प्राप्त करना चाहिए। रशीदा की सम्पादकीय लगातार परिवर्तन ला रही है।

नन नारायणन,
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट
रो ई मंडल 3000

नई पीढ़ी के रोटेरियनों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत रोटेरियन क्रिस चितले को मेरी तरफ से श्रद्धांजलि। यह केवल यथोचित है कि उनके सम्मान में *रोटरी न्यूज़* में उन्हें ऐसी उपयुक्त श्रद्धांजलि दी जा रही है। व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करने जैसी सेवाओं के अलावा पोलियो उन्मूलन में दिए गए उनके योगदान के लिए संपूर्ण रोटरी जगत उन्हें याद करेगा। सबसे अधिक महत्वपूर्ण, जिसने दिल छू लिया वह यह जानना था कि मंडल गवर्नर के पद के लिए चुनाव लड़ने से उन्होंने विनम्रता पूर्वक मना कर दिया था, जैसा कि हमें राजेंद्र साबू ने बताया है। हमें अपने बीच ऐसे रोटेरियन बमुश्किल ही मिलेंगे जो वास्तव में रोटरी को ङ्कस्वयं से ऊपर सेवाफ के रूप में लेते है और सत्ता के पदों का त्याग करते है।

डॉ एनआरयूके करथा
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
रो ई मंडल 3211

रोटरी न्यूज़ ने पिछले साल हर माह प्रेरक लेखों और सामग्री के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जून अंक में, रोई निदेशक सी. भास्कर का सन्देश आपका बहुत-बहुत धन्यवाद शानदार था। रशीदा द्वारा लिया गया RIDE भरत पंड्या का साक्षात्कार जिसका शीर्षक था रोटरी निरंतर मेरी दृष्टि का विस्तार करती है असाधारण था। वी मुत्तुकुमारण द्वारा लिखित लेख *एक रोटेरियन*

आपके पत्र

का सपना तमिलनाडू में इरुलाओं के लिए एक ₹8 करोड़ की आवासीय परियोजना का निर्माण करता है सभी रोटेरियनों के लिए प्रेरणादायक था। लेख *एक गाँव जीवंत हो उठा* बढ़िया तरीके से लिखा गया था।

डेनियल चित्तीलापिल्ली
रोटरी क्लब कलूर
रो ई मंडल 3201

अप्रैल, मई अंक के पत्र

मई अंक में हमारी लोकतान्त्रिक प्रक्रिया के उत्सव पर सम्पादकीय एक सजीव रूप से पेश की गई सच्चाई है। इस बार भारत के नागरिकों ने वास्तव में लोकतंत्र की सुन्दरता को महसूस किया है। चुनाव लड़ने और जीतने वाले रोटेरियन उम्मीदवार उनकी नीतियों के निष्पादन में 4-मार्ग परीक्षण का इस्तेमाल करेंगे। मतदाताओं के लिए मत पेटी ज्ञान समय की मांग है और उन्होंने वास्तव में एक स्थिर सरकार का चयन करने में स्वयं को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ साबित किया है।

अपमानजनक भाषा और निंदा का समय खत्म हो गया है।

अरुण कुमार दास,
रोटरी क्लब बारीपदा
रो ई मंडल 3262

मई अंक के कवर पेज पर RIPE मार्क मलोनी और उनकी पत्नी गे की तस्वीर प्रभावशाली थी। रशीदा भगत द्वारा लिखित लेख आनंदित रोटेरियन से एक गंभीर व्यक्ति तक का सफ़र हमें बताता है कि रोटरी कैसे एक आम आदमी के जीवन को बदल देती है जैसा कि RID सी भास्कर ने बताया।

यह जानकर ख़ुशी हो रही है कि कैसे भारतीय डॉक्टरों ने मडागास्कर में जरूरतमंद मरीज़ों की सेवा की, उनके जीवन को बदल दिया और सीमाओं से परे सेवा प्रदान की। यह पढ़कर अच्छा लगा कि रोई अध्यक्ष बैरी रेसिन ने भी इस चिकित्सीय मिशन में एक स्वयंसेवक के रूप में सेवा दी।

नवीन आर गर्ग
रोटरी क्लब सुनाम
रो ई मंडल 3090

एक सामयिक लेख

मई अंक में जयश्री द्वारा लिखित लेख रोटरी में महिलाओं के 31 वर्षों का उत्सव सामयिक था। मैं 1990 में रोटरी क्लब रोउरकेला से उसकी प्रथम महिला सदस्य के रूप में जुड़ी। तब हमारे मंडल में बहुत ही कम महिला रोटेरियन थी। तीसरी पीढ़ी की पूर्व अध्यक्ष होने के नाते (मेरे दादा और पिता दोनों ही पूर्व अध्यक्ष थे) मैंने रोटरी को जल्द ही समझ लिया। अपनी 29-वर्षीय-रोटरी सेवा के दौरान, मैंने देखा है कि महिलाऐं उत्कृष्ट रोटेरियन बनती है क्योंकि वे परियोजनाओं में सहानुभूति, करुणा, नवीन विचार और धैर्य लाती है। अब रोटरी अंतर्राष्ट्रीय द्वारा लिंग विविधता को उचित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।अगर मुझे हाल ही में कोची में हुए इंस्पायर 2k19 कॉन्क्लेव के बारे में पता होता, तो मैं इसमें जरूर शामिल होती। मेरे वर्तमान क्लब में, महिलाऐं बहुमत में है और हम मिलकर रोई दिशा-निर्देशों के अनुसार कई परियोजनाएं करते है। एक RLI स्नातक होने के नाते, जब भी मैं रोटरी नेतृत्व पर सत्र लेती हूँ, मैं हमेशा महिला सदस्यता को बढ़ाने पर ज़ोर देती हूँ।

अंजना मैत्र
रोटरी क्लब रोउरकेला स्टील सिटी
रोई मंडल 3261

लेखों के एक बढ़िया संग्रहण के साथ अप्रैल का अंक पढ़ना दिलचस्प है। महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और उनके सामान्य कल्याण से संबंधित मुद्दों के लिए विशेषरूप से मुझे यह पत्रिका बहुत उपयोगी लगी। सभी लेख और तस्वीरें उल्लेखनीय है और रोटेरियनों के मध्य एक प्रभाव को उत्पन्न करती है।

सुधीर कुमार गर्ग
रोटरी क्लब मुज़फ्फरनगर
रोई मंडल 3100

आपके संपादक का सन्देश *लड़की को शिक्षित करना स्कूल खोलने के समान है* (फ़रवरी अंक) बिल्कुल सही है। बच्चे की पहली शिक्षक माँ होती है और यदि हम एक महिला को शक्षित कर सकें तो वह उसके परिवार को शिक्षित कर सकती है। एक देश की तरक्की वहाँ की महिलाओं की साक्षरता दर पर निर्भर होती है। हमें अपनी बच्चियों को शिक्षित करना होगा और लिंग आधारित शौचालय, बैठने एवं पढ़ने के लिए डेस्क और बेंच, पुस्तकालय और स्वच्छ पीने योग्य पानी प्रदान करके स्कूलों के वातावरण को उनकी शिक्षा के लिए अनुकूल बनाना होगा। बच्चियों को शिक्षित करने के लिए हमें अभिभावकों को भी शिक्षित करने एवं उन्हें जागरूक करने की आवश्यकता है।

अश्विनी कार
रोटरी क्लब भुवनेश्वर मीडोस
रो ई मंडल 3262

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

रोटरी सब को करीब लाता हैं

ROTARY CONNECTS THE WORLD

प्रिय रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों,

मुझे यात्रा करना पसंद है! मुझे यहाँ से वहाँ जाने की नीरस प्रक्रिया में भी मज़ा आता है। परंतु पिछले वर्ष, मेरी पत्नी, गे, और मुझे एक ऐसा तजुर्बा मिला जो कि सबसे उल्लासित यात्री के आशावाद को भी चोटिल कर देगा। हमने एक ऐसे हवाई अड्डे पर छह घंटे तक इंतज़ार किया, जहाँ पर हमारा होना नियत नहीं था, एक ऐसे दिन जिसमें अभी तक यात्रा करने की हमारी कोई योजना नहीं थी, सुबह एक ऐसी होटल में जागकर जिसकी जानकारी एक रात पूर्व तक हमें नहीं थी। वह उन दिनों में से ही एक था।

जब हम न्यू यॉर्क सिटि के जॉन एफ. केनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर प्रतीक्षा कर रहे थे, गे और मैं लोगों को देखने के लिए सैर पर निकले। हम टर्मिनल के एक छोर से दूसरे छोर तक आ-जा रहे थे, हर एक गेट, हर एक गंतव्य, अपनी फ्लाइटों की प्रतीक्षा करते हुये लोगों के प्रत्येक समूह को देखते हुये।

हर एक गेट मानवता का अपना स्वयं का द्वीप था। जब हम उस जमावड़े के बीच में पहुंचे, हम न्यू यॉर्क में थे, सभी के साथ एक नदी में आगे बहते हुये। लेकिन जब आप दिशा बदलकर उन सीटों की तरफ आगे बढ़ते है, तो आप उस धारा को छोड़कर एक द्वीप पर उतरते है। आप पहले ही दिल्ली या पेरिस या तेल अविव पहुँच जाते है।

जैसे ही हम सैर पर निकले, मैंने सोचा: ये सभी अलग-अलग लोग, ये सभी अलग-अलग देश, सभी एक स्थान पर। यह रोटरी जैसा है! लेकिन जैसे-जैसे हम एक गेट के बाद दूसरे गेट पर गए, मुझे किसी चीज़ का एहसास हुआ। यह रोटरी जैसा बिलकुल नहीं था। क्योंकि उस नदी में हर कोई एक द्वीप की तरफ जा रहा था। और हर एक द्वीप बस एक द्वीप बना हुआ था। ताइपे जा रहे लोग शायद एक दूसरे से बात कर रहे थे, लेकिन वे काइरो या लेगोस जा रहे लोगों से बात नहीं कर रहे थे।

रोटरी के साथ इसकी तुलना कीजिये। रोटरी हमें हमारी भिन्नताओं से परे जाकर गहराई और अर्थपूर्ण तरीकों से एक दूसरे से जुड़ने का अवसर देती है। यह हमें उन लोगों से जोड़ती है जिनसे हम शायद कभी नहीं मिल पाते, जो हमारे जैसे ही है और यह बात हम कभी नहीं जान सकते थे। यह हमें हमारे समुदायों से, पेशेवर अवसरों से, और जिन लोगों को हमारी मदद की जरूरत है उनसे जोड़ता है।

संपर्क ही है जो रोटरी के अनुभव को JFK हवाईअड्डे पर उस जमावड़े के साथ आगे बढ़ने से अलग बनाता है। रोटरी में, हम में से कोई भी एक द्वीप नहीं है। हम सभी रोटरी में एक साथ है, चाहे हम जो भी हो, जहाँ कहीं से भी हो, जो भी भाषा बोलते हो या जिस भी परंपरा का पालन करते हो। हम सभी एक दूसरे से जुड़े हुये है - हमारे समुदायों के हिस्से के रूप में और केवल हमारे क्लबों के सदस्यों के रूप में ही नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के हिस्से के रूप में भी जिससे हम सभी सम्बद्ध है।

यह संबंध ही है जो रोटरी अनुभव के दिल में बसता है। यही है जो हमें रोटरी के करीब लाता है। इसलिए हम रुकते है। कृपया इस यात्रा पर अपने साथी रोटेरियनों के साथ जुड़िये क्योंकि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है।*

मार्क डैनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

हैम्बर्ग कन्वेन्शन में युवा नेतृत्व और आपके कार्य को सम्मान मिला

यदि किसी प्रमाण की आवश्यकता हो कि रोटरी इंटरनेशनल युवाओं की शक्ति, उत्साह और नेतृत्व को वास्तव में अपना रही है और हाल ही CoL संशोधन के माध्यम से रोटरेक्ट को रो ई का सदस्य बनाने के प्रस्ताव पर क़ायम है, तो हैम्बर्ग रोटरी कन्वेन्शन में इसके साक्ष्य स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे थे। प्रत्येक वरिष्ठ रो ई नेता, जिसमें रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, आगामी अध्यक्ष मार्क मलोनी और ट्रस्टी चेयर ब्रेंडा क्रेसी सहित सभी ने, अपने अपने भाषणों में बार बार कहा कि हमारी दुनिया को लोगों के लिए बेहतर स्थान बनाने के प्रयास में रोटरेक्टर्स कितने महत्वपूर्ण थे ... अध्यक्ष रेसिन और कन्वेन्शन की आयोजन समिति ने सुनिश्चित किया था , न केवल उद्घाटन सत्र में , बल्कि सभी प्लेनरी सत्र के साथ अन्य कई ब्रेकआउट सत्र में भी युवाओं द्वारा किए गए दृष्टान्त के योग्य कार्य शामिल किये जाएँ। चाहे वह युवा कलाकार जमाल रोले हों जिन्होंने बच्चे को 'पोलियो ड्रॉप्स देते हुए' सबके सामने एक अद्भुत पेंटिंग बनाई थी, जिसे बाद में नीलाम कर दिया गया या फिर डॉ पिया स्क्रेबि क्राफि, एक रोटेरियन और चिकित्सक जिन्होंने सीरियाई संघर्ष के बाद सीरिया छोड़ कर बर्लिन आये हजारों शरणार्थियों की मदद के लिए स्वयंसेवी डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ एक अद्भुत नेटवर्क का निर्माण कर बीमार शरणार्थियों का इलाज किया था, विशेष रूप से बच्चों का। इस कन्वेन्शन ने युवा नेतृत्व का शानदार जश्न मनाया।

यह कि भारत ने रोटरी विश्व की मशाल थाम रखी है जिसे किसी और ने नहीं बल्कि स्वयं अध्यक्ष रेसिन ने दोहराया जो हैम्बर्ग कन्वेन्शन में दक्षिण एशिया रिसेप्शन को संबोधित कर रहे थे जहां भारत, श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आये रोटेरियन प्रतिनिधि उपस्थित थे। रो ई को दक्षिण एशिया क्षेत्र से बहुत अधिक अपेक्षाएं और आकांक्षाएं है, इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता था कि रिसेप्शन ने वर्तमान और पूर्व रो ई अध्यक्षों, निदेशकों और ट्रस्टी सहित रो ई के प्रभावशाली और महत्त्वपूर्ण वरिष्ठ नेताओं को आकर्षित किया था।

दक्षिण एशियाई रोटेरियनों के लिए यह एक गर्व का क्षण था जब शानदार सेवा परियोजनाओं के लिए रेसिन ने उन्हें बधाई दी और कहा: ''आप जितना कर रहे हैं उस का आभार प्रकट करने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं। दक्षिण एशिया ने न सिर्फ रोटरी की दुनिया में सदस्यता क्षेत्र में सबसे तीव्र गति से वृद्धि की है,बल्कि मेरा तो यह भी मानना है कि यह क्षेत्र हमारे फाउंडेशन को देने में नंबर 1 हो सकता है। निश्चय ही आप ऐसा कर सकते हैं ... आप उदार हैं, आपके पास भावना है, और तो और आपके पास वो चीजें करने की क्षमता है जिससे बाकी दुनिया प्रेरणा ले सकती है।'' लेकिन, ज़रुरत है पोलियो उन्मूलन के अंतिम छोर तक पहुँचने की, एक ओर जहां नाइजीरिया पोलियो मुक्त घोषित होने के कगार पर है, वहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान अभी भी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। और जब तक यह क्षेत्र पोलियो मुक्त नहीं हो जाता, तब तक दुनिया भर के रोटेरियन दुनिया से पोलियो उन्मूलन के अपने लक्ष्य से नज़र हटाने का खतरा मोल नहीं ले सकते। उन्होंने कहा, ''रोटरी ने दुनिया के बच्चों से एक वादा किया है और मफ जो निभाना होगा और इस वादे को हम निभाएंगे।''

PRIP राजेंद्र साबू और उषा द्वारा किए गए दीर्घस्थायी, प्रेरक, समर्पित कार्यों का सिर्फ इस रिसेप्शन में ही नहीं बल्कि एक प्लेनरी सत्र में भी विशेष रूप से उल्लेख किया गया, जिस में रो ई अध्यक्ष ने निरंतर अद्भुत कार्य करने के लिए साबू और उषा को ''विशेष रूप से धन्यवाद'' दिया ।

नये रोटरी वर्ष के प्रारम्भ के साथ ही अपने भीतर आत्मविश्वास बढ़ाने और नई ऊर्जा भरने के लिए आप को इस से अधिक प्रोत्साहन क्या चाहिए, उस समाज पर और अधिक प्रभाव डालने के लिए जिस में आप रहते हैं। हर मोर्चे पर चुनौतियां केवल बढ़ती जा रही हैं, लेकिन आपके द्वारा की गई प्रत्येक मानवीय परियोजना उन चुनौतियों का करारा जवाब है।

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

Message from

एक-से-एक

एक मशालची वह होता है जो मशाल लिए रहता है, जो रास्ते में आगे चलता है, जो दूसरों को एक सामान्य, मूल्यवान लक्ष्यों के प्रति काम करने के लिए प्रेरित करता है। 2019-20 में हम रोटेरियन पथप्रदर्शक होंगे। आज, दुनिया को रोटरी की आवश्यकता सबसे अधिक है। जरूरतें बड़ी है रोटेरियन के रूप में, हम उन जरूरतों की पूर्ति के लिए रास्ता दिखा सकते है। हम अपनी ग्रो रोटरी पहल के साथ दुनिया से जुड़ सकते है और हमें अपने परिवार पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना है कि रोटरी हमारे परिवार की कीमत पर नहीं बल्कि उसके साथ बढ़े।

हमारे क्लब ही है जहाँ रोटरी का अच्छा काम होता है। रोटरी की सच्ची ताकत वे रोटेरियन है जो उनके क्लबों एवं समुदायों में ईमानदारी से काम करते है। मैं हमारे ज़ोन के रोटेरियनों को उनके द्वारा किए जाने वाले अच्छे कामों के लिए सलाम करता हूँ। मुझे विश्वास है कि 2019-20।

कार्य करने की शक्ति आपके अंदर है। इसका इस्तेमाल कीजिये। कार्य करते समय दो चीज़ें याद रखिए

❊ **प्रेम से कार्य करें:** मुझे उस वृद्ध महिला की चीख याद है, जिनकी दृष्टि रोटरी द्वारा प्रायोजित मोतियाबिंद की सर्जरी से बहाल हो गई थी, जब उन्होंने पहली बार अपनी पोती को देखा था। यहाँ पर प्यार काम करता है। अपनी रोटरी सेवा के माध्यम से अपने प्यार को चमकने दें।

❊ **अखंडता के साथ कार्य करें:** हमारे शास्त्रों में लिखा है एक चीज़ जो आदमी के साथ दफ़न नहीं होती और वापस आ जाती है वह है उसका चरित्र; एक आदमी क्या है, उसका चरित्र उससे अधिक जीता है, उसे कभी दफ़नाया नहीं जा सकता।

मैं सेवामुक्त रोई निदेशक सी भास्कर की उनके नेतृत्व और 2017-19 में हमारे ज़ोनों में रोटरी की सेवा के लिए उनकी प्रशंसा करता हूँ। और 2019-21 के दौरान मैं आरआईडी कमल संघवी के साथ करीब से काम करने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

हमारे ज़ोनों में सभी रोटरी परिवारों को शुभकामनाएँ देने में माधवी मेरे साथ है और इस नई यात्रा में आपको सफलता मिले।

पथप्रदर्शक बने क्योंकि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है।*

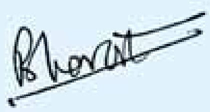

डॉ भरत पांडया

रो ई निदेशक, जोन 4 और 7

RI Directors

वर्ष का मानचित्र

मेरे प्यारे रोटेरियनों,

मुझे हमारे सदस्यों पर बहुत अधिक गर्व है जो समुदायों में वास्तविक, स्थायी समाधान लाने के लिए डटे रहते है। 110 वर्षों से, शांति स्थापित करने, निरक्षरता एवं गरीबी से लड़ने, साफ़ पानी एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने, और बीमारियों से लड़ने के लिए हमने संस्कृतियों के मध्य अंतरों को मिटाया है और महाद्वीपों को जोड़ा है।

हम दुनिया को पोलियो मुक्त बनाने के लिए दृढ़-संकल्पित है। एक पोलियो मुक्त दुनिया बनाने के अंतिम प्रयास से जुड़ने के लिए मैं आपसे आग्रह करता हूँ।

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी अभिनव सदस्यता नमूनों का लाभ उठाने और नए रोटरी एवं रोटरेक्ट क्लबों को स्थापित करने हेतु नेतृत्वकर्ताओं से अनुरोध कर रहे है। हमारी सदस्यता ''ताकि हम अधिक हासिल कर सकें,'' अंतर्राष्ट्रीय सभा में उन्होंने कहा।

इस वर्ष हम रोटरी की रणनीतिक योजना का विमोचन करते है जो सुनिश्चित करता है कि हमारा भविष्य हमारे अतीत जितना ही मजबूत हो, और हम एक ऐसे सम्मानित, सक्रिय संगठन के रूप में जाने जाते रहे जो दुनियाभर में समुदायों को आगे बढ़ाता है। यह योजना रोई और टीआरएफ़ की दिशा को एक करती है और 16 लक्ष्यों से समर्थित तीन रणनीतिक प्राथमिकताओं की पहचान करती है - मंडल स्तर पर क्लबों का समर्थन एवं सशक्तिकरण; मानवीय सेवाओं पर ध्यान एवं वृद्धि; और सार्वजनिक छवि एवं जागरूकता में वृद्धि।

इस साल हम भारत में रोटरी के 100 सालों का उत्सव मनाते है हमें बड़े सपने देखने चाहिए और हमारे लक्ष्यों को ऊंचा रखना चाहिए और इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अथक प्रयास करने चाहिए।

मंडल गवर्नरों ने पहले से ही बहुत ऊंचे लक्ष्य निर्धारित किए है, लेकिन दोस्तों, असली काम क्लब स्तर पर होगा। आप में से प्रत्येक व्यक्ति भारत में रोटरी के 100वें वर्ष को उत्कृष्ट बनाएगा। यह हमारा साल है रोटरी जगत को दिखाने का कि भारत एक चमकता सितारा है।

कमल संघवी
रो ई निदेशक, जोन 5 और 6

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website :www.rotarynewsonline.org

District Wise TRF Contributions as on May 2019

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
			India				
2981	80,533	20,461	0	18,000	118,993	314	6.91
2982	56,729	7,294	1,661	243	65,927	312	10.84
3000	22,571	4,133	292,516	49,995	369,215	30	0.61
3011	150,296	5,958	240,240	47,930	444,423	173	5.21
3012	173,003	1,490	341,795	8,800	525,088	245	7.26
3020	25,021	82,669	2,625	9,250	119,565	87	2.29
3030	31,082	29	0	5,000	36,111	12	0.26
3040	2,880	0	51,276	0	54,156	6	0.29
3053	131,890	1,979	12,167	0	146,035	122	4.43
3054	(14,100)	510	136,010	0	122,420	44	0.76
3060	94,123	78,433	209,141	210,895	592,592	1,124	27.31
3070	123,764	315	15,073	0	139,152	517	17.94
3080	87,617	20,334	45,671	5,000	158,622	124	3.95
3090	50,894	29	0	0	50,922	149	7.39
3100	22,510	475	0	0	22,985	84	5.05
3110	45,340	3,127	34,863	0	83,331	98	2.56
3120	66,021	0	234,697	0	300,718	79	2.50
3131	416,691	26,582	375,619	83,203	902,095	1,220	23.86
3132	35,701	310	17,129	80,000	133,140	139	3.84
3141	636,922	24,060	1,323,266	83,208	2,067,457	909	18.10
3142	341,491	475	501,324	0	843,290	688	21.78
3150	106,156	5,549	88,978	381,867	582,550	641	18.47
3160	82,910	1,644	0	9,277	93,831	173	7.20
3170	117,838	4,050	210,867	0	332,754	322	6.09
3181	159,928	938	0	103	160,969	684	22.73
3182	95,455	100	11,367	0	106,922	477	15.19
3190	133,221	19,669	117,641	1,871,889	2,142,420	907	18.97
3201	158,248	34,172	290,772	0	483,192	329	6.31
3202	47,579	35,367	35,563	0	118,510	63	1.32
3211	79,318	3,656	73,900	1,515	158,388	279	6.33
3212	112,491	14,045	9,450	45,501	181,487	151	3.82
3231	30,865	3,009	13,944	6,528	54,347	253	8.47
3232	207,193	3,707	343,636	12,475	567,012	356	8.31
3240	66,226	621	7,374	0	74,221	216	7.43
3250	40,070	1,834	13,273	0	55,177	80	2.17
3261	25,369	1,100	9,458	3,000	38,928	58	2.26
3262	32,775	1,000	4,886	5,413	44,073	169	5.16
3291	181,604	437	107,548	51,860	341,449	440	12.10
India Total	**4,258,223**	**409,561**	**5,173,731**	**2,990,952**	**12,832,468**	**12,074**	**8.65**
3220 **Sri Lanka**	83,508	4,533	14,676	8,000	110,717	191	10.62
3271 **Pakistan**	39,173	33,431	2,275	0	74,878	28	1.99
3272 **Pakistan**	26,615	2,166	0	0	28,780	58	2.04
3281 **Bangladesh**	170,827	5,137	123,567	17,190	316,720	347	6.36
3282 **Bangladesh**	70,106	5,995	2,050	3,000	81,151	304	7.59
3292 **Nepal**	205,039	29,419	129,108	25,000	388,566	453	10.39
South Asia Total	**4,853,491**	**490,241**	**5,445,407**	**3,044,142**	**13,833,282**	**13,455**	**8.44**
World Total	**105,265,464**	**26,213,616**	**18,363,685**	**24,192,582**	**174,035,347**		

Source: RI South Asia Office

NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI

GROW YOUR WEALTH

NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.

- FDGuru® — FIXED DEPOSIT
- KshetraGuru® — PROPERTY
- SwarnaGuru® — GOLD
- VyaparGuru® — STOCK BROKING
- ShuruGuru™ — IPO
- YojanaGuru® — GOVERNMENT BONDS
- NidhiGuru™ — MUTUAL FUND
- AmulyaGuru™ — PRECIOUS STONES

Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021

+91 22 2288 0808 | info@niveshguru.in | www.niveshguru.in

अतीत से बनी भूमिका

जेफ्री जॉनसन

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ब्लैकबर्न में, उनके ससुर द्वारा शुरू की गई लॉ फर्म मलोनी एंड़ शूपर्ट में।

करीब 40 वर्षों तक, मार्क डैनियल मलोनी और उनके परिवार ने साबित किया है कि रोटरी दुनिया को आपस में जोड़ती है। अब खुद को 'मनमौजी मुसाफिर' कहने वाला ये शख्स अपनी ज़िंदगी की अगली पायदान पर कदम रख रहा है: रोटरी इंटरनेशनल के नए अध्यक्ष के रूप में।

उत्तरी अलबामा में क्रिसमस आने में अभी दो हफ्ते बाकी हैं और रोटरी क्लब ऑफ़ डीकेटर पूरी सरगर्मी से क्रिसमस की तैयारियों में जुटा है। पिछले शनिवार स्टोन रिवर चर्च के सदस्यों के साथ, क्लब के सदस्यों ने 70 से अधिक बच्चों को पैनकेक नाश्ता करवाया और खरीदारी के लिए 'टारगेट' गए। अब क्लब की इस सोमवार की बैठक में, ऑस्टिन जूनियर हाई जैज़ बैंड क्रिसमस के गाने बजा रहा है : ''सांता बेबी,'' ''फेलिज नाविडाड,'' ''बेबी, इट्स कोल्ड आउटसाइड''- हालांकि तापमान 40 डिग्री फ़ारेनहाइट छू रहा है पर दिसंबर के हिसाब से, मौसम सुहावना है।

बैंड के समाप्त करने के बाद, क्लब के अध्यक्ष लैरी पेने ने घोषणा की, ''अब, अलोकप्रिय मांग से वापस : आखिर मार्क कहां है?'' भीड़ जोश में भर जाती है और खुशी से चिल्लाती है। और वो व्यक्ति कमरे के सामने की तरफ लंबे कदम चलता हुआ आता है और गर्व से घोषणा करता है, ''मार्क मलोनी डिकेटर, अलबामा में है!'' करीब 120 लोग बेताबी से जय जयकार करते हैं। हेल टू द चीफ।

रोटरी द्वारा प्रायोजित शॉपिंग ट्रिप की कवरेज में, मडिकेटर डेलीफ ने मलोनी का परिचय एक क्लब सदस्य लिख कर उन्हें कम आंका था हालांकि ये गलत नहीं होने के बावजूद, यह उन की ढेर सारी उपलब्धियोंके समक्ष अपर्याप्त था और उनके व्यक्तित्व को परिलक्षित करने में विफल रहा था। 1980 में रोटरी में शामिल होने के बाद, मलोनी मंडल अध्यक्ष, रो ई निदेशक, अध्यक्ष के सहयोगी, रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टी, और विधान परिषद (Council on Legislation) और 2014 में सिडनी कन्वेंशन कमेटी के अध्यक्ष रहे हैं - और ये उनके तहत रहे कार्यालयों में कुछ का ही ज़िक्र हैं, ये सभी नवीन नेतृत्व की प्रस्तावना है: रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष।

''रो ई अध्यक्ष बनने के लिहाज से वह बिलकुल योग्य व्यक्ति हैं,'' बिल वायकर कहते हैं, जो मलोनी को लगभग 40 वर्षों से जानते हैं। ''वह अत्यंत वाक्पटु हैं और अत्यंत प्रतिभाशाली हैं; वह दयालु हैं लोगों की परवाह करता है। मेरा मतलब है पूरा पैकेज, आप को सबकुछ मिल गया है। उसे शीर्ष पर देख कर हमारे क्लब में कोई भी हैरान नहीं है।''

वर्ष 1986 में मलोनी के बाद डिकेटर क्लब के अध्यक्ष बने वायकर ने क्लब में अपने पूर्ववर्ती अधिकारी को खेल खेल में छेड़ने की परंपरा की शुरुआत करने का दावा किया। वे कहते हैं, ''मूल रूप से अपने क्लब के भीतर 'गिव

मार्क अपने आप में अलग है, सब से प्रभावशाली लोगों में से एक, जिन्हें मैं जानता हूं। मैं बेहद खुश हूँ कि वो रोटरी के आगामी अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। वह अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

बिल वायकर
रोटरी क्लब डिकेटर के पूर्व अध्यक्ष और मलोनी के अच्छे मित्र।

मार्क ए हार्ड टाइम' संस्कृति मैंने ही शुरू की थी, जो आज भी ज़िंदा है और फलफूल रही है। और मार्क ने भी उसे अपनाया ; इसे प्रोत्साहित किया। यह उनके संचालन का तरीका बन गया। क्लब इसे पसंद करता है - और निश्चित ही आप ऐसी शख्सियत से ऐसा परिहास तब तक नहीं करते जब तक कि उसे चाहते ना हों सम्मान ना करते हों।''

दिसंबर की उस बैठक में मंच से बोलते हुए, मलोनी, जिन्होंने खुद को सबसे ''मस्तमौला मुसाफिर'' कहा था, बताते हैं कि हाल ही में वे कहाँ कहाँ घूमे। वह अपनी विश्व भ्रमण के बारे में बताते हैं जो शुरू हुई पूर्व की ओर नेवादा और कैलिफोर्निया होते हुए - और इस के बाद इंग्लैंड, भारत, सिंगापुर, इंडोनेशिया और डिकेटर के लिए वापस उड़ान भरने से पहले अंततः ताइवान। लेकिन मलोनी की इस स्थान और समय विशेष पर पहुँचने के लिए लंबी यात्रा की शुरुआत वास्तव में बहुत पहले हो चुकी थी, एक अन्य देश में, यहां से बहुत दूर, पैसेंजर जेट्स से भी एक सदी पहले।

छोटे छोटे तीन बच्चों के पालन पोषण की ज़िम्मेदारी और अटलांटिक के उस पार खेती की अपार संभावनाओं के चलते आर्थर और कैथरीन मलोनी ने 1849 में उस भयंकर अकाल के बीच आयरलैंड छोड़ दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए रवाना हो गए। (अपने दो बड़े बच्चों को पीछे छोड़ गए, जिनमें से एक को फिर कभी नहीं देख सके।) न्यू ऑरलियन्स में उतरने के बाद, उन्होंने दक्षिणी इलिनुआ में गैलैटिन काउंटी की यात्रा की । वे पॉन्ड सेटलमेंट नामक स्थान पर उतरे, जहाँ उन्होंने अन्य आयरिश कैथोलिक प्रवासियों के साथ अपना घर बसाया।

इसके करीब 106 साल बाद, 14 मई 1955 को मार्क डेनियल मलोनी का जन्म हुआ था। तब तक, छोटे से शहर रिजवे के बाहर स्थित पारिवारिक फार्म 1,200 एकड़ में विकसित हो चुका था। कई दशकों तक परिवार ने मवेशियों का पालन-पोषण किया और मवेशियों का चारा उगाया, लेकिन पैट्रिक मलोनी (मार्क के पिता) और उनके दो भाइयों ने मकई, गेहूं और सोयाबीन की खेती पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने केंटकी में ओहियो नदी के पार 1,500 एकड़ जमीन खरीद कर खेती दोगुनी कर ली ।

मार्क मलोनी इसी माहौल में पले बढ़े, हालांकि यह जल्द ही साफ़ हो गया था कि वह कृषि के लिए नहीं बने हैं। भविष्य के किसानों के लिए आयोजित 4-एच प्रतियोगिताओं में उन्होंने पब्लिक स्पीकिंग में हमेशा शीर्ष सम्मान प्राप्त किया। इलिनुआ स्टेट फेयर में उनके 1966 के भाषण, ''ए ड्रीम बिकम्स ए गोल,'' ने ब्लू रिबन जीता। दो साल बाद, उन्होंने bludgeon स्पेलिंग ठीक से लिख कर मकाउंटी स्पेलिंग बीफ़ प्रतियोगिताजीती; इसके दो साल बाद, वह गैलटिन काउंटी 4-एच फेडरेशन के अध्यक्ष बने। फिर मिली एक ऐसी उपलब्धि थी जिसके सामने बाकी सभी फीकी पढ़ गईं : 1962 में, मलोनी और उनकी पांच वर्षीय बहन क्रिस्टी ने रिड़जवे के वार्षिक 'पॉपकॉर्न डे' में हवाई-थीम पोशाक प्रतियोगिता जीत ली।

दुनिया की स्व-घोषित पॉपकॉर्न राजधानी रिड़जवे में, पॉपकॉर्न डे से बड़ा कोई आयोजन नहीं था, यह हर साल के सितंबर में दूसरे शनिवार को आयोजित किया जाता है। पॉपकॉर्न डे शहर का मुख्य वार्षिक आकर्षण था, पूर्व रिड़जवे निवासी रिक रोट्रामेल, रोटरी क्लब ऑफ डेनविले, इलिनुआ के एक सदस्य बताते हैं। ''स्ट्रैंड पर मुफ्त फिल्म और परेड के बाद, बच्चे पॉपकॉर्न-खाने,'' बबलगम-ब्लोइंग और मेंढक-कूद प्रतियोगिताओं के लिए बैंडस्टैंड पर एकत्रित होते हैं। इसके विजेता एक सिल्वर डॉलर घर ले जाते।

दोपहर 1 बजे, विशाल फ्लोट एंड बैंड परेड मुख्य सड़क पर उतरती है ; जिसका वर्णन अख़बारों ने इस तरह किया, ''पॉपकॉर्न क्वीन और उसके दरबारी, बैंड, फ़्लोट्स, ड्रिल टीम, मोटर, गश्ती घोड़े, आधुनिक कृषि उपकरण,'' और कई अन्य उत्कृष्ट एंट्रीज़। ''इस के बाद ITPA नियम लागू होंगे''

मार्क और मैं एक साथ कानून की प्रैक्टिस साथ साथ कर सकते हैं, अपने परिवार की परवरिश भी हम साथ साथ कर सकते हैं।

गे मलोनी

गे और रो ई अध्यक्ष मलोनी, डेकाटुर, अलबामा में अपने घर पर।

(अप्रशिक्षित के लिए, इलिनुआ ट्रेक्टर पुलिंग एसोसिएशन) - बचा हुआ दिन मनोरंजक संगीत को समर्पित था, ग्रैंड ओले ओप्री से लेकर आध्यात्मिक संगीत तक, ''टीन-ए-गो-गो।''

ऐसे समारोह में एक संचालक की आवश्यकता होती है और 1981 में रिजवे ने उस जिम्मेदारी को संभालने के लिए मार्क डैनियल मलोनी का रुख किया। हर साल उन्होंने ये भूमिका निभाई दो साल को छोड़ कर: एक बार तब जब इसकी तारीख उनकी बेटी फिलिस के बपतिस्मा के साथ टकरा रही थी, और दूसरे जब उन्हें एक अंतिम संस्कार में शामिल होना था। ''वो सप्ताहांत पर आयोजित किया जाता है - अब इसे पॉपकॉर्न डेज़ के रूप में जानते हैं'' - ''वह मेरे कैलेंडर पर दर्ज है,'' कहते हैं मलोनी, जिनकी लाइसेंस प्लेट पर PPCRN लिखा है।

''मार्क बढा चढा कर उसे दिखाते हुए मजाक करते रहते हैं,'' रोट्रामेल कहते हैं, जिन्होंने 1990 के दशक के मध्य से परेड में संयोजक की मदद की है। ''वो काफी ज़िंदादिल इंसान हैं। वो काम तो पूरा करवाएंगे, लेकिन साथ में हंसी मजाक भी चलते रहेंगे।''

रोट्रामेल जारी रहते हैं: अपने होमटाउन के बारे में मेरी और मार्क की भावना एक जैसी है। बहुत गर्व है हमें इस पर। हर साल वो फोन कर के पूछते हैं कि क्या इस साल हम इसका संचालन करेंगे। और मेरा जवाब होता है, ''आपको फोन करने की ज़रुरत नहीं है। हम आख़री दम तक करेंगे।''

आज तक मैं उन्हें मिस्टर एम्बेसडर कह कर बुलाता हूं, मार्क का व्यवहार लोगों के साथ बहुत अच्छा था और वे उनकी संस्कृति को समझने का प्रयास कर रहे थे।

माइक कर्ल, एक GSE सदस्य

वर्ष 1968 में, जब वह आठवीं कक्षा से स्नातक होने की तैयारी में थे तो मलोनी ने सेंट लुइ में एक कैथोलिक प्रेप स्कूल चमीनाद में आवेदन किया था। स्कूल ने उन्हें पूरी छात्रवृत्ति देने की पेशकश की, जिसे उनके माता-पिता ने ठुकरा दिया: चमीनाद एक बोर्डिंग स्कूल था और वे अपने बेटे को वहां भेजने के लिए राजी नहीं थे। इसके बजाय उन्होंने उसे, जहां भी मिल सके, सबसे अच्छे कॉलेज में भेजने का वादा किया - मलोनी जैसे बालक को इससे ज़्यादा क्या चाहिए था।

चमीनाद के बजाय, मलोनी ने रिजवे हाई स्कूल में दाखिला लिया, जहाँ उनकी माँ, डोरेन अंग्रेजी पढ़ाती थीं। ''वह एक मजेदार और बहुत अच्छी शिक्षिका थीं,'' रोटरेल याद करते हैं, जो मलोनी से एक साल आगे थे। ''उन्हें हर कोई पसंद करता था।''

सदैव की भाँती, मलोनी ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा, सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं बल्कि इसके साथ उन्होंने छात्र परिषद के अध्यक्ष और छात्र-संकाय समिति के सदस्य सहित कई कार्यभार संभाल रखे थे। 4-क में प्रमुख भूमिका निभाने के साथ साथ वह बैंड, कोरस, अखबार, ईयरबुक, स्पेनिश क्लब, और नेशनल बीटा क्लब में भी सक्रिय थे - अच्छे और नैतिक व्यवहार को बढ़ावा देने वाली एक शैक्षिक सम्मान समिति के - वह एक स्टेट ऑफिसर थे। स्नातक स्तर पर उन्होंने अपनी कक्षा का विदाई भाषण पढ़ा था। उनके सहपाठियों ने एक मत होकर उन्हें वोट दिया ''सफलता के लिए सबसे संभावित।'' 1972 में, जिस साल उन्होंने रिजवे हाई से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, मलोनी को उनके 28-काउंटी प्रदेश में म आउटस्टैंडिंग कैथोलिक यूथ ऑफ द ईयरफ के रूप में मान्यता दी गई।

उस पतझड़ में, मलोनी कॉलेज शिक्षा के लिए निकल गए। उनके माता-पिता ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्कूल में भेजने का अपना वादा निभाया था: हार्वर्ड। अपने फ्रेशमैन वसंत सेमेस्टर में, मलोनी ने, जिन्होंने आगे चल कर इतिहास में डिग्री और प्रशंसा दोनों अर्जित की, अपने पाठ्यक्रम के अलावा एक लघु अवधि कोर्स में दाखिला लिया, जो राज्य सरकार की कार्यप्रणाली की जांच करता था। उनके प्रशिक्षक इलिनुआ के राजनीतिज्ञ पॉल साइमन थे, जो उस साल हार्वर्ड के जॉन एफ कैनेडी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में राजनीति संस्थान में एक फेलो थे। जल्द ही दोनों मित्र बन गए।

1974 में, साइमन ने अमरीका का चुनाव जीता था। (गैलाटिन

डेमोक्रेट में चुनाव पूर्व फोटो में मलोनी दिखते हैं, जिन्होंने इस अभियान पर काम किया था, उम्मीदवार के साथ चमड़े की काली जैकेट पहने गर्व से मुस्कुरा रहे थे।) गर्मियों में ग्रेजुएशन के बाद, मलोनी ने हाउस के डझग इंटर्नशिप प्रोग्राम में प्रवेश लिया और वाशिंगटन में साइमन के कार्यालय में दो महीने तक काम किया। नियुक्ति की घोषणा करते हुए, डेमोक्रेट साइमन ने पाया कि हार्वर्ड में, मलोनी ''हार्वर्ड मेमोरियल सोसाइटी, के अध्यक्ष थे सॉकर, फुटबॉल और लैक्रोस टीमों के प्रबंधक, पूर्वस्नातक प्रबंधक परिषद के अध्यक्ष, और एथलेटिक्स पर हार्वर्ड प्राध्यापक समिति के एक सदस्य।''

1977 की शरद् ऋतु में, गे ब्लैकबर्न ने वेंडरबिल्ट लॉ स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय कानून के अपने दूसरे वर्ष में एक सेमिनार में प्रवेश लिया। एग्नेस स्कॉट कॉलेज की स्नातक, ब्लैकबर्न डिकेटर अलबामा से है, जहां उनके पिता एक प्रसिद्ध वकील और एक बार मेयर रह चुके थे। सेमिनार के दूसरे सप्ताह में कक्षा के दौरान, कई छात्रों ने पॉपकॉर्न के छोटे बैग निकाले। उन्होंने सप्ताहांत में नैशविले से दक्षिणी इलिनुआ तक की यात्रा की थी और किसी पॉपकॉर्न डे नामक कार्यक्रम में भाग लिया था। उस अभियान का नेता उसके अन्य सहपाठियों में से एक, मार्क मलोनी नाम का युवक था।

गृहनगर के आकर्षक स्थलों से शुरू हुई बातचीत की परिणीति यूँ हुई : मलोनी और ब्लैकबर्न ने पूरे सत्र के दौरान नियमित रूप से डेटिंग की। क्रिसमस की छुट्टीयों के दौरान, ब्लैकबर्न अलबामा से नैशविले के हार्वर्ड क्लब में एक

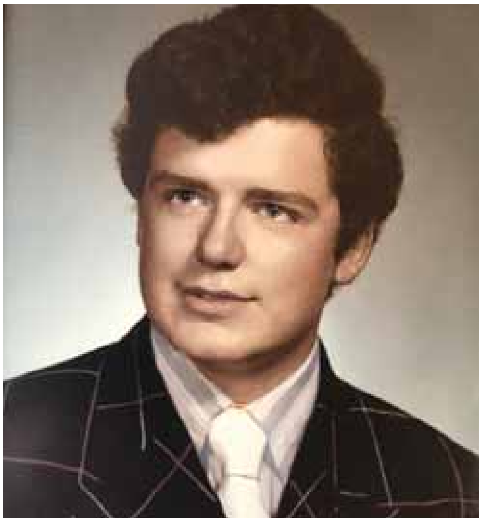

दक्षिणावर्त : 1960 दशक के मध्य में परिवार के खेत पर रो ई अध्यक्ष मलोनी, अपनी माँ डोरिन, पिता पेट्रिक और दो बहनें क्रिस्टी (बाएँ) और एरिन के साथ, गे और मलोनी 1980 में जब वह रोटरी में शामिल हुए, द रिड़जवे हाई वेलेडिक्टोरियन, 1972, 2019 में मुस्कुराते हुए मार्क और गे; मलोनी परिवार - बेटियाँ मार्गरेट (बाएं) और फिलिस के साथ, 1990 में डलास के इंटरनेशनल असेंबली में।

पार्टी में शिरकत करने आई थी और मलोनी भी 1977 के अंतिम दिनों में डिकेटर आये हुए थे। उस वर्ष की समाप्ति उन्होंने डिज्नी फिल्म देखकर की। ''हमें लगा जैसे हम एक दूसरे के अनुकूल थे,'' गे याद करती हैं, ''नव वर्ष की पूर्व संध्या पर मपीट्स ड्रैगनफ फिल्म देख कर दोनों प्रसन्न थे।''

जैसा कि मलोनी कहते हैं, ''गे की मेरे परिवार में पहली भाग्यशाली यात्रा फरवरी की शुरुआत में हुई।'' ''गैलाटिन काउंटी में लगभग 8,000 लोग रहते थे, और उनमें से काफी ज़्यादा मलोनी के सम्बन्धी थे,'' गे याद करती हैं। ''मार्क और उसकी माँ ने मुझे परेशानी से बचाने के लिए पूरी कोशिश की और फलस्वरूप, मैं केवल 22 रिश्तेदारों से मिल पाई।'' उन्होंने कार से रिड़जवे के खेत से केंटकी के खेत तक सैर की, मरेड जेरेनियमम में फैंसी डिनर के लिए न्यू हार्मनी, इंडियाना गए। 500 नामक एक कार्ड गेम खेला। फोटोग्राफी फिल्म लेने के लिए वे एक दुकान पर रुके और आगे चल कर गे ने मार्क के माता-पिता की तस्वीरें लीं।

रविवार की सुबह, युगल ने नज़दीकी शॉनीटाउन में मास में भाग लिया और वापस नैशविले चले गए। लेकिन पहले मार्क गे को पॉन्ड सेटलमेंट स्थित पुराना सेंट पैट्रिक कैथोलिक चर्च दिखाना चाहते थे, जिसकी स्थापना में 1850 के दशक में मलोनीयों ने मदद की थी। बर्फ बहुत अधिक पड़ रही थी, लेकिन मार्क ने वादा किया कि अपनी अगली यात्रा पर वे कब्रिस्तान होते हुए चलेंगे। शहर से बाहर जाते समय, वे मलोनी के खेत में रुके ताकि गे घर की एक तस्वीर खींच सके। मार्क के माता-पिता पोर्च से बाहर आए और और विदा ली।

दस दिन बाद, मार्क को वेंडरबिल्ट लाइब्रेरी में गे मिली । उस शाम, उन्होंने बताया कि उसके माता-पिता रिड़जवे स्पर पर गाड़ी चला रहे थे, जब एक अन्य कार उनसे टकरा गई। पैट, 48, और 46 वर्षीय डोरेन की मृत्यु हो गई। गे द्वारा ली गई तस्वीरें उनकी आखिरी तस्वीरें थीं। दुर्घटना मार्क की बहन क्रिस्टी के 21 वें जन्मदिन पर हुई थी, जो न्यूयॉर्क में स्कूल में पढ़ रही थी। उनकी छोटी बहन, एरिन, जो कार की पिछली सीट पर थी, दुर्घटना में बच गई, हालांकि वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

कुछ ही हफ्तों में, मार्क ने रिड़जवे हाई पर पैट और डोरेन मलोनी मेमोरियल स्कॉलरशिप फंड की स्थापना की। लगभग उसी समय, *गैलाटिन डेमोक्रेट* में एक नोटिस नज़र आया । इसमें उन सभी का दिल की गहराई और ईमानदारी से आभार व्यक्त किया गया था जो उनके संकट में हालिया नुकसान के बाद परिवार के साथ खड़े रहे, सम्बल दिया। इस कष्टदायक घड़ी में, गैलैटिन काउंटी के निवासियों से हमें भरपूर प्यार, करुणा और समर्थन मिला है। हमारा विश्वास मनुष्य की अच्छाई में फिर से स्थापित हुआ है।

कार दुर्घटना के बाद, गे ने परिवार के घर आने वाले शोकाकुल व्यक्तियों को - उनमें पॉल साइमन भी थे - अपना परिचय ''मार्क की प्रेमिका'' के रूप में दिया, वास्तव में, जल्दी ही वह इस से कहीं अधिक घनिष्ठ हो गई थी, और अप्रैल की शुरुआत तक उनका विवाह निश्चित हो गया था। ''आज मुझे लगता है कि हम जिस दिशा में चल रहे थे, पहुँचते तो उसी स्थान पर, लेकिन उस दुर्घटना ने घटना क्रम की गति और तेज कर दी,'' गे कहती हैं।

लॉ स्कूल के अपने तीसरे और अंतिम वर्ष में, दंपति ने सोचा कि वे आगे कहाँ जाएँगे। ''जब मैं कॉलेज गई, तो मैं ऑबर्न या अलबामा नहीं गई थी,'' गे कहती हैं। मैं ऐसी जगह जाना चाहती थी जो मेरी सोच से भी परे हो इसलिए मैं अटलांटा में एग्नेस स्कॉट कॉलेज गई थी ।उनकी भावनाओं में कोई परिवर्तन नहीं

हुआ। वह अभी भी कुछ और दुनिया देखना चाहती थी।

लेकिन एक सप्ताहांत पर, गे के पिता, जे गिल्मर ब्लैकबर्न, मार्क को अपने साथ ड्राइव पर ले गए। ''गिल्मर ने छोटे शहर में रहने और एक परिवार के कानून के पेशे में होने के फायदे बताये, मलोनी बताते हैं।'' नव दंपति के लिए एक नई संभावना खुल गई: डिकेटर में अपना घर बनाने और ब्लैकबर्न की लॉ फर्म में शामिल होने की। गे और मार्क ने संभावनाओं पर चर्चा की, हालांकि, वे कहते हैं, ''हम इसके खिलाफ नहीं थे।''

वह कहते हैं, जब हम डिकेटर पहुंच गए, तो हमारा ख़याल था कि हम गे के माता-पिता का भला कर रहे हैं - एक भावुक गे, अलग से हुई बातचीत में, लगभग यही शब्द प्रतिध्वनित होते हैं। उन्होंने बस कहा ही नहीं कि वास्तव में भला तो विपरीत दिशा में हो रहा था। ''मेरे पिता का दृष्टिकोण था कि डिकेटर में हम बहुत बढ़िया ज़िंदगी गुजार सकते हैं,'' गे कहती हैं। ''पर शायद उस समय हम इसे ढंग से समझ नहीं पाए थे।''

''गिल्मर शानदार आदमी थे'' केन शूपर्ट कहते हैं, जो अपनी पत्नी लिन के साथ, गिल्मर द्वारा शुरू की गई लॉ फर्म में एक भागीदार व सदस्य हैं जिसका नाम ब्लैकबर्न, मलोनी और शूपर्ट है। (दोनों मलोनी की तरह, ये दोनों दोनों शूपर्ट भी रोटेरियन हैं - और वर्तमान में केन 'द रोटरी फाउंडेशन' ट्रस्टीज़ के वाइस चेयरमैन हैं।) ''जीवन बीमा कराधान में उनकी विशेषज्ञता कहीं बेहतर है, इसमें उनको महारथ हासिल है। 1950 के आस पास वह अलबामा के पहले टैक्स वकील बने थे। लेकिन समाज में घुलना मिलना, शामिल होना और अपने नागरिक होने का शुल्क अदा करना: ये सभी चीजें हम सब ने गिल्मर से ही सीखी थी।''

''मुझे लगता है कि मार्क के जीवन में गिल्मर वास्तव में बहुत प्रभावशाली पिता रहे,'' डिकेटर रोटरी क्लब के बिल वाइकर बताते हैं। ''उन दोनों के सम्बन्ध अत्यंत प्रगाढ़ थे।''

वायकर के ज़ेहन में गे की माँ की यादें भी ताज़ा हैं। ''फिलिस एक पिस्तौल जैसा थी,'' वे कहते हैं। ''वो गिल्मर का समर्थन करती थी, लेकिन विचार, गतिविधियाँ, लक्ष्य और शौक उसके अपने थे और वो बिलकुल निडर थी। अगर फिलिस कुछ करना या मनवाना चाहती, तो बेहतर था कि आप अपनी जुबान को ताला लगा लें, चुपचाप बैठ जाएँ।''

जून 1979 में उनकी शादी के उपरान्त और मार्क के न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय से टैक्सेशन में मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल करने के बाद मलोनी डिकेटर में बस गए। खेती-बाड़ी में अपनी पृष्ठभूमि के कारण मार्क अपने नए पड़ोसियों के साथ जल्द ही घुल मिल गए। वायकर कहते हैं, ''मार्क एक उत्कृष्ट व्यक्तित्व का सटीक संयोजन था, और उस तरह का लड़का भी जिसे आप हाथ मिलाते ही पसंद करने लगते हैं।''

''मेरे परिचितों में मार्क सबसे अधिक सम्मानित, प्रतिष्ठित और औपचारिक व्यक्तियों में से एक है, डिकेटर क्लब के सदस्य एलेन डिडियर कहते हैं। यह आश्चर्य की बात है कि वह कितना स्नेही है साथ में मजाकिया भी। उनके दिल में, उनकी विनम्रता में, उनकी हाज़िरजवाबी में एक सीधी सादी सरलता है, सच्चाई है - यहां तक कि स्वयं की आत्म निंदा में भी।''

बाएं से : बेटियाँ फीलिस और सुज़ाना; पोता पीटर; दामाद ब्लेक; बेटी मागरिट; गे; पोता पेट्रिक; और रो ई अध्यक्ष मलोनी।

रोटरी में शामिल होने के पांच साल बाद, 1980 में मलोनी 30 वर्ष की उम्र में डिकेटर क्लब के अध्यक्ष बने। जब उन्हें पता चला कि नाइजीरिया से रोटरी द्वारा प्रायोजित एक ग्रुप स्टडी एक्सचेंज टीम, अलबामा आ रही है पर उनके कार्यक्रम में डिकेटर शामिल नहीं है, उन्होंने कुछ कॉल किए और अंततः अफ्रीकी अतिथियों ने दो दिन डिकेटर में भी बिताए। ''हमने पूरी जान लगा दी थी,'' गे याद करती हैं। ''मैंने और मार्क ने अपने घर एक पार्टी रखी और ध्यान रखा कि उनकी मेहमान नवाज़ी में कोई कसर ना रह जाए । टीम लीडर ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि यह युवक अगले साल नाइजीरिया आने वाली टीम का नेतृत्व करे।' इसलिए जब हमारी बेटियां, फीलिस चार और मागरिट दो साल की थीं, उस वक़्त मार्क 40 दिन और 40 रात के लिए

मार्क की सबसे बड़ी ताकत: वह बहुत ध्यान रखता है। उसका दिल बहुत बड़ा है – वो अत्यंत उदार और दयालु है – और गे भी उसके साथ है।

नाइजीरिया गए थे,'' बीज रोपित करने अपनी प्रेसिडेंशियल थीम के: *रोटरी कनेक्ट्स द वर्ल्ड*।

''हमें बताया गया था कि हम सद्भावना राजदूत थे, और आज तक मैं उन्हें मिस्टर एम्बेसडर कह कर बुलाता हूं,'' नाइजीरिया का दौरा करने गई जीएसई टीम के छह सदस्यों में से एक, माइक कर्ल कहते हैं, ''मार्क का व्यवहार लोगों के साथ बहुत अच्छा था और वे उनकी संस्कृति को समझने का प्रयास कर रहे थे।''

जुलाई 1990 में, मार्क वापस नाइजीरिया लौटे, और इस बार गे भी उनके साथ थी, अफ्रीकी कला पर अपनी पाठ्यपुस्तक के साथ। मार्क पहले जोनाथन माजियाबे से मिले थे, जिन्होंने हाल ही में रोटरी के पहले अश्वेत अफ्रीकी निदेशक के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया था। इस यात्रा पर, मार्क और गे, कानो शहर में माजियाबे और उनकी पत्नी एडे के साथ, उनके घर पर रहे। माजियाबे कहते हैं, ''मार्क मुझे बहुत ही हँसमुख इंसान लगा। वह बहुत मेहनती था। मैं उसे एक मोबाइल कंप्यूटर कहता हूं: वह सब कुछ विस्तार से बताता है।'' दोनों दंपतियों के बीच घनिष्ठ मित्रता कायम हो गई, और जब माजियाबे को 2003-04 के रो इ अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया, तो उन्होंने और एड ने मार्क और गे को अपना सहयोगी चुना।

2003 में माजियाबे ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में थे, अध्यक्ष का कार्यभार संभालने में एक महीने से भी कम समय रह गया था, जब अप्रत्याशित रूप से इंग्लैंड के लीड्स में एडे की मृत्यु हो गई थी। माजियाबे याद करते हैं, ''मुझे नहीं मालूम कि मार्क मलोनी के बिना मैं क्या करता। उन्होंने ना सिर्फ मेरे लिए लीड्स के टिकट की व्यवस्था की बल्कि मार्क और गे अपने खर्च पर मेरे साथ वहां तक आये। हमारी प्रगाढ़ता और बढ़ गई, डिकटेर में वो मेरा परिवार है।''

रोटरी के माध्यम से बने एक और पुराने दोस्त लैरी लनस्फोर्ड मलोनी के अध्यक्षीय सहायक हैं। रोटरी क्लब ऑफ कैनसस सिटी-प्लाज़ा, मिसूरी के सदस्य, रो ई मंडल 6040 के पूर्व गवर्नर और पूर्व रो ई निदेशक, लनस्फ़ोर्ड का रोटरी रिज्यूम काफी प्रभावशाली है, फिर भी यह स्वीकार करने वाले वो पहले व्यक्ति हैं ''रोटरी में मार्क मलोनी के समान अनुभवी व्यक्ति मिलना मुश्किल है। वो अपने और रोटरी के लक्ष्यों की पूर्ती के लिए उसकी प्रक्रिया को परिभाषित करने और उसकी व्याख्या कर विस्तार से बताने में उत्कृष्ट हैं, और वह रोटरी को और भी बेहतर बनाने के लिए अपने संगठनात्मक और प्रशासनिक कौशल का उपयोग करेंगे।''

लन्सफ़ोर्ड ने रोटरी सदस्यता बढ़ाने पर मलोनी के ''रणनीतिक फोकस'' को स्पष्ट किया - सदस्यों को आकर्षित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए ''हमारे दृष्टिकोण में अधिक विविधिता की आवश्यकता पर जोर देने के साथ-साथ मार्क ने संयुक्त राष्ट्र के साथ हमारी साझेदारी को और ऊँचाइओं पर ले जाने को प्राथमिकता दी है, जो दुनिया में रोटरी की प्रतिष्ठा बढ़ाने का एक और तरीका है।'' उन्होंने यह भी देखा कि ''मार्क रोटरी और रोटरेक्टर्स के बीच और ज़्यादा तालमेल चाहते हैं। रोटरी के साथ बेहतर सम्बन्धों की संभावना को ले कर रोटरेक्टर्स पहले से अधिक आशान्वित हैं। ये वो हवाएं हैं जिनके बहने की हम उम्मीद करते हैं।''

लन्सफ़ोर्ड ने विषय बदला, ''मार्क की सबसे बड़ी ताकत: वह बहुत ध्यान रखता है। उसका दिल बहुत बड़ा है - वो अत्यंत उदार और दयालु है - और गे भी उसके साथ है। वो दोनों मिल कर एक सर्वोत्कृष्ट टीम हैं, और मार्क को उसका फ़ायदा मिलता है।''

प्रत्येक की भाँती, भावी यात्री गे, संभवतः उसने जितना सोचा था उस से अधिक दुनिया देख ली है, वह अपने घर के मुख्य द्वार से अपने हाई स्कूल देख सकने की विडंबना की प्रशंसा करती है। ''मुझे याद है जब हम डिकेटर आए थे, तो हमने सोचा था कि हम दुनिया देखने का मौका खो रहे थे,'' वह कहती हैं।

परन्तु उसकी ये धारणा गलत निकली। मलोनी के अतिथि कक्ष में, गे द्वारा बनाई गई रंगीन पेंटिंग्स के साथ दीवारों पर फ्रेम किए गए फोटो, उनकी 39 साल की रोटरी यात्रा के व्यापक क्षेत्र के प्रमाण हैं, उसी तरह अलमारियों में ठसाठस भरे हुए स्मृति चिन्ह भी। 1996 में गे आधिकारिक रूप से रोटरी परिवार की सदस्य बन गई, जब वह नए चार्टर्ड रोटरी क्लब डिकेटर डेब्रेक में शामिल हो हुई। ''मार्क और मैं एक साथ कानून की प्रैक्टिस साथ साथ कर सकते हैं, अपने परिवार की परवरिश भी हम साथ साथ कर सकते हैं,'' वह स्वीकार करती है। ''लेकिन दुनिया में कोई भी रोटरी क्लब इतना बड़ा नहीं है जिसमें हम दोनों समा सकें।''

मलोनी की बेटियां भी अपने माता-पिता की तरह उस रोटरी यात्रा का एक हिस्सा रही थीं। ''जैसे जैसे हम एक रोटरी परिवार में विकसित हुए, हमारी बेटियां दुनिया

के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण रखते हुए बड़ी हुईं,'' गे कहती हैं। फीलिस और मार्गरेट दोनों ने 30 से अधिक सम्मेलनों में भाग लिया है और बचपन में दुनिया भर के लोगों के साथ उत्साहपूर्ण बातचीत ने उनके जीवन के प्रवाह को प्रभावित किया है। बचपन से ही भूगोल में रुचि के कारण, फिलीस ने येल से कानून की डिग्री हासिल करने से पहले हार्वर्ड और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में ब्रिटिश इतिहास और साहित्य का अध्ययन किया है। एक लड़की की तरह, मार्गरेट, भाषा और शब्दों से आकर्षित थी और वो भाषा विज्ञान का अध्ययन करने के लिए हार्वर्ड चली गई; न्यूयॉर्क में प्रकाशन क्षेत्र में करियर बनाने के बाद, हाल ही में मार्गरेट ने लॉन्ग आइलैंड स्थित स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय में मेडिकल स्कूल का चौथा वर्ष पूरा किया है।

2014 में, मार्क और गे ने सुज़ाना ग्रीर का स्वागत अपने घर में अपनी तीसरी बेटी के रूप में और किया, उसकी माँ की मृत्यु के बाद। ''चूँकि मार्क भी अपनी युवावस्था में ऐसी त्रासदी का सामना कर चुके थे, वह विशेष रूप से सुजाना की स्थिति को ले करसंवेदनशील थे,'' गे याद करती हैं। ''मैंने मार्क से कहा, मैं सोच रही हूँ कि उसे अपने साथ चलने के लिए कहूँ और उन्होंने तुरंत हाँ कर दी।'' फीलिस और उसके पति ब्लेक जॉनसन के अपने बच्चों बच्चे, पैट्रिक, 7, और पीटर 4, के साथ पहले ही दो कन्वेंशन में शिरकत कर चुके हैं।

आप मार्क पर हमेशा भरोसा कर सकते हैं, अगर आपको किसी चीज़ की ज़रुरत है तो वह किसी ना किसी तरह ज़रूर वहाँ पहुँच जायेंगे।

मलोनी की बैठक में लगे चित्रों में पोप के साथ मार्क की दो तस्वीरें देख कर ज़्यादा आश्चर्य नहीं होता है - शायद, कुछ वजह से, मलोनी नाम का उद्गम मगेलिक मॉल्डहोमनेफ है, जिसका अर्थ है चर्च का श्रद्धालु। उन्होंने डिकेटर स्थित लॉर्ड कैथोलिक चर्च (पूर्व में सेंट एन कैथोलिक चर्च) की वित्त परिषद् में लगभग 12 साल बिताए और सेंट ऐन कैथोलिक स्कूल बोर्ड में 16 साल, वे अपने चर्च में दो तरीकों से सक्रिय रहे हैं। ''आप मार्क पर हमेशा भरोसा कर सकते हैं,'' पूर्व में पादरी रहे रेव. रे रेमके कहते हैं, ''अगर आपको किसी चीज़ की ज़रुरत है तो वह किसी ना किसी तरह ज़रूर वहाँ पहुँच जायेंगे। विश्वास स्थापित करने के लिए वो जो कहते हैं कर के दिखाते हैं।''

मलोनी की धार्मिक निष्ठा में एक विश्वव्यापी भावना हैं : वह और गे नियमित रूप से पहले एननसिएशन के संडे मास में जाते हैं फिर फर्स्ट यूनाइटेड मेथोडिस्ट चर्च की सर्विस में शामिल होते हैं, जहां गे और मार्क की शादी हुई थी और जहां मार्क एक अशर है। वह एक बाइबिल अध्ययन समूह में भी हिस्सा लेता है, जो हर सप्ताह सेंट जॉन एपिस्कोपल चर्च में मिलते हैं। डेक्कन क्लब के एक अन्य सदस्य रॉनी ड्यूक्स कहते हैं, ''मेरे पिता ने मुझे अपने चर्च की सेवा, अपने परिवार की सेवा और अपने समाज की सेवा के महत्व के बारे में पढ़ाया है। और जाहिर है कि मार्क इस में माहिर हैं।''

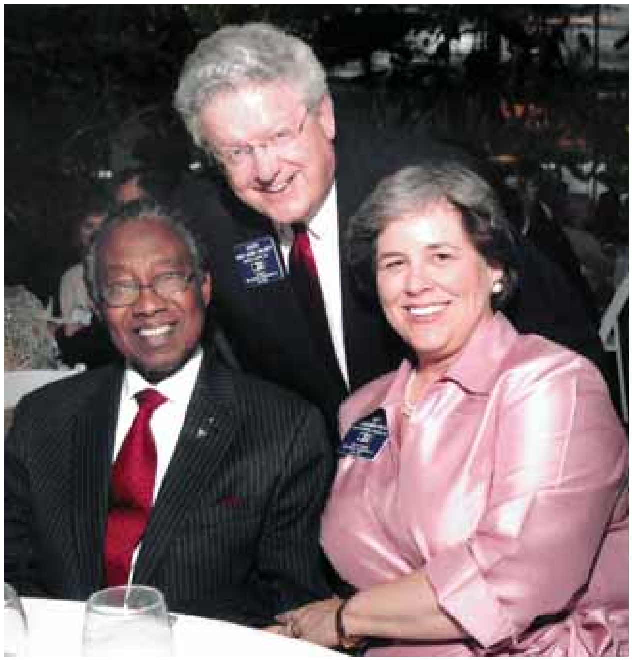

मलोनी और उनकी पत्नी गे, PRIP जोनाथन माजियाबे के साथ।

निस्संदेह, बात जब उनके द्वारा गोद लिए हुए गृहनगर की आती है, तो मलोनी ही एक-सदस्यीय चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स है और वह गर्व से आगंतुकों को डिकेटर की सैर करवाते हैं: ओल्ड स्टेट बैंक, जिसमे गृह युद्ध के दौरान चली गोलियों और मोर्टार के निशान हैं ; डेलानो पार्क जिसका हाल ही में कायाकल्प किया गया है, स्थित रिवरविल्ड खेल का मैदान और स्प्लैश पैड, हरा भरा रमणीय स्थल जिसे रोटेरियन और अन्य नागरिकों द्वारा नया जीवन दिया गया; और मानवता के विकास का स्थान, जहां हर साल हार्वर्ड के छात्र अपने वसंत की छुटियों के दौरान काम करते हैं - 2002 में फिलीस द्वारा एक परंपरा शुरू हुई थी जब वह हार्वर्ड की छात्रा थी और डिकेटर डेब्रेक क्लब के तत्वावधान में आज भी जारी है।

डिकेटर के निवासियों को अपने गृहनगर के नायक पर उतना ही गर्व है। ''यह तथ्य कि डिकेटर, अलबामा, अब रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष का निवास बनेगा हैरत में हैं डेविड ब्रीलेंड, मॉर्गन काउंटी के एक पूर्व न्यायाधीश,'' जो अब डिकेटर के रेजिडेंट हिस्टोरियन और डायरेक्टर ऑफ हिस्टोरिक रिसोर्सेज एंड इवेंट्स हैं। ''हम अत्यंत प्रसन्न हैं।''

''मार्क अपने आप में अलग है, सब से प्रभावशाली लोगों में से एक, जिन्हें मैं जानता हूं,'' वायकर कहते हैं। ''मैं बेहद खुश हूँ कि वो रोटरी के आगामी अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। वह अपनी अलग पहचान बनाएंगे।''

© The Rotarian

ADVT

Excel GROUP INSTITUTIONS

Approved by AICTE, CoA, NCTE, PCI, Govt. of TN, New Delhi & Affiliated with Anna University & DoTE, The TN Dr. M.G.R. Medical University, DPH, TNTEU, Periyar University, Salem, Chennai

- ENGINEERING COLLEGES
- ARCHITECTURE COLLEGE
- BUSINESS SCHOOL
- POLYTECHNIC COLLEGE
- EDUCATION - B.ED., M.ED.,
- PHARMACY COLLEGE
- PHYSIOTHERAPY COLLEGE
- HEALTH SCIENCE
- NATUROPATHY & YOGA
- COMMERCE & SCIENCE
- HOMOEOPATHY MEDICAL COLLEGE*
- SIDDHA MEDICAL COLLEGE & RESEARCH CENTRE*
- HOMOEOPATHY, SIDDHA, NATUROPATHY & PHYSIOTHERAPY HOSPITALS

* FROM 2019 ONWARDS

NAAC (A)

NBA NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION B.E - AERO, MECH, CSE, ECE

Rtn. Prof. Dr. A.K. Natesan
Hon.Chairman, Excel & The Kavery Group Institutions,
District Governor 2019-2020 - Rotary District - 2982

B.E.

AGRI | AERO | BIO-MEDICAL
CIVIL | CSE | ECE | EEE | MECH
SAFETY & FIRE ENGINEERING

B.Tech.

CHEMICAL ENGINEERING
FOOD TECHNOLOGY
IT | PETROCHEMICAL

1128 Students Placed 2018-19

M.E.

Aeronautical Engg. | Environmental Engg.
Structural Engg. | Computer Science Engg.
Thermal Engg. | Industrial Safety Engg.
Engineering Design | Power Electronics & Drive
Embedded System | Applied Electronics

B.N.Y.S NEET Not Necessary

B.S.M.S* / B.H.M.S*

(4½ years + 1 year internship)

B. Pharm

(4 years)

B.P.T.

(4 years + ½ year Internship)

D. Pharm

2 years (After +2)

B.Sc., RIT, MLT

Diploma in Health Inspector

2 Years (After +2)

B.Arch. / M.Arch.

COMMERCE & SCIENCE

B.A. English | B.C.A. | B.Com.
B.Com-CA | B.B.A.
B.Com (Accounting & Commerce)
B.Sc.,
Computer Science | Microbiology
Visual Communication
Textile & Fashion Designing

Poly Diploma

AUTO | MECH | CIVIL | DECE | DEEE

MBA (2 years) | MCA (2 years) | MBA (5 years - after +2)

NH - 544, Salem Main Road, Komarapalayam, Near Erode, Namakkal District - 637 303, TamilNadu.
Tool free call @ 1800 212 567 999. Web: www.excelinstitutions.com

THE KAVERY

22nd Batch Since 1998

- ENGINEERING COLLEGES
- POLYTECHNIC COLLEGES
- ARTS AND SCIENCE COLLEGE FOR WOMEN
- COLLEGES OF EDUCATION
- INSTITUTE OF HEALTH SCIENCE

Advanced Laboratories

Various on-campus and off-campus opportunities to the students

Separate Hostel for Boys and Girls with Excellent Facilities

Transportation to all Parts of City

CORPORATE / PROFESSIONAL SOCIETY & ASSOCIATIONS

CII | IAENG | IEEE

CENTRE OF EXCELLENCE

Infosys | amazon | CADD | STAAD.Pro | yantra

Engineering Colleges Courses

B.E - Biomedical Engineering

UG Courses **B.E.**

- Civil
- Mechanical
- Electrical
- Electronics
- Computer
- Automobile
- Agriculture
- Mechatronics
- Chemical Engineering

M.E. - M.B.A. - M.C.A.

(Infosys Advanced Partner Institute | Permanent Affiliation by Anna University)

Polytechnic Colleges Courses

- Civil Engg.
- Mechanical Engg.
- Electrical & Electronics Engg.
- Electronics & Commu. Engg.
- Computer Science & Engg.
- Automobile Engg.
- Mechanical (T&D) Engg.
- Chemical Engg.

Counseling Code 2625 2666

1522 STUDENTS PLACED (2018-19)

Dip. - Health Inspector 2 Years Male Only

NAAC B.Ed., & M.Ed.,

Engg. 43 UNIVERSITY RANK

Poly. 100 State Rank Holders

Arts and Science College for Women Courses

- B.A. - English
- B.Sc. - Maths
- B.Sc. - Physics
- B.Sc. - Chemistry
- B.Sc. - Comp. Science
- B.Sc. - Microbiology
- B.Sc. - Nutrition and Dietetics
- B.Sc. - Textile and Fashion Designing*
- B.Com (CA)
- B.Com
- B.A. - Tamil*
- BCA*

Free value added courses along with regular courses | Free Bus for all Routes

Mecheri, Salem - 636 453. : www.kavery.org.in f : kaveryinstitutions.
Cell : 95249 28156, 16156, 82156, 36156.

रोटरी ग्रुप स्टडी एक्सचेंज कार्यक्रम एक जीवन परिवर्तक अनुभव था: गुलाम वाहनवटी

रशीदा भगत

टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी कहते है कि रोटरी संस्थान ने एक पूर्णतः नई व्यवस्था पर काम किया है यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत सरकार ज्यादा-लाभ कमाने वाली कंपनियों से जिस सीएसआर कोष को अनिवार्य रूप से कल्याणकारी गतिविधियों में निवेश करने के लिए कहती है, उसका एक बड़ा हिस्सा टीआरएफ में आए।

रोटरी न्यूज़ को दिए गए एक साक्षात्कार में जब उनसे रोटरी को भारत से सीएसआर कोष का अच्छा और स्थिर प्रवाह मिलने, जिसकी उम्मीद ज़ोन के वरिष्ठ रोटरी नेतृत्व ने पिछले वर्ष की थी, में आ रही अड़चनों को विस्तार से बताने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि इस पर न्यासी पहले से ही काम कर रहे है।

वाहनवटी समझाते है कि न्यासियों ने यह तय किया है कि टीआरएफ को भारत से मिलने वाले सीएसआर कोष को संस्थान में आने देना चाहिए क्योंकि ''बहुत सी कंपनियों ने कहा है कि हमारे धन को प्राप्त करने के लिए हमें सुरक्षा एवं टीआरएफ का नाम चाहिए। उस कोष को प्राप्त करके हम बहुत प्रसन्न थे। लेकिन न्यासियों ने कहा कि पैसा सीधे तौर पर परियोजनाओं के लिए नहीं मिलेगा, बल्कि वैश्विक अनुदानों के माध्यम से आएगा।''

लेकिन कॉर्पोरेट जिस चीज़ में उनका पैसा लगते हुए देखना चाहते है और 'सामुदायिक आवश्यकता आंकलन' जिसकी आवश्यकता रोटरी को है, के मध्य तालमेल ना होने की वजह से बहुत से वैश्विक अनुदान आवेदन अस्वीकार हो गए। ''इसका समाधान निकालने के लिए हम एक व्यवस्था पर काम कर रहे है; लेकिन आपके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए, हाँ, भारत से सीएसआर कोष को प्राप्त करने में हम उतना सफल नहीं रहे जितना हमने सोचा था।''

रोई और टीआरएफ के बीच संबंध को परिभाषित करने के लिए पूछने पर, वाहनवटी कहते है, ''वे करीब से जुड़े हुए है। वे एक ही संस्थान के दो हिस्से है या कह सकते है कि एक ही सिक्के के दो पहलू है। रोई क्लबों, प्रशासनिक मामलों और आवश्यक धन के मामलों से संबंधित मुद्दों को देखता है। टीआरएफ का मकसद दुनिया में अच्छा करने का है इसलिए

इसके बाद मैंने उनसे पूछा कि टीआरएफ में ऐसी क्या ख़ास बात है कि बिल गेट्स, राजश्री बिड़ला, और हाल ही में, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष डी रविशंकर जैसे लोग उनकी दौलत का इतना बड़ा हिस्सा इसे सौंपते है।

वाहनवटी मुस्कुराते है। ''सिर्फ विश्वास। वह विश्वास जो सालों में बना है। इस बात पर गौर करें: कौन तय करता है कि पैसा देने के लिए टीआरएफ सही स्थान है? मैं पहाड़ी की चोटी से चिल्ला कर कह सकता हूँ कि यह आपका पैसा देने की सबसे अच्छी जगह है, लेकिन चूंकि मैं एक रोटेरियन हूँ इसलिए मैं पक्षपात कर सकता हूँ। दानकर्ता स्वतंत्र आंकलन करने वालों की विभिन्न रिपोर्टों को पढ़ते है और फिर एक निर्णय लेते है।''

आंकलन करने वाली एजेंसियों में सबसे मशहूर है चैरिटी नेविगेटर, जो एक यूएस आधारित एजेंसी है और केवल यूएस के गैर-सरकारी संगठनों का मूल्यांकन करती है। ''यह प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में मापदंडों के आधार पर लगभग 8,000 से 9,000 गैर सरकारी संगठनों का मूल्यांकन करती है जिसके पश्चात वे आपका आंकलन करके 1-सितारा, सबसे कम, से लेकर 4-सितारा, सबसे अधिक, देती है। 11 वर्षों से, हमें 4 सितारा श्रेणी में रखा जा रहा है, जो हमारी सत्यनिष्ठा, प्रबंधन और इस तथ्य को दर्शाता है कि हम हमारा अधिकांश पैसा हमारी परियोजनाओं के लिए उपयोग

वह दानकर्ताओं या हितकारियों से पैसा इकट्ठा करता है और सुनिश्चित करता है कि पैसा रोटरी के छह ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में से किसी एक या अधिक को सम्मिलित करने वाली परियोजनाओं को दिया जाए और उस पर खर्च हो। इनमें से कुछ क्षेत्र दूसरों के मुकाबले अधिक प्रचलित है, लेकिन हम सभी छह ध्यानाकर्षण क्षेत्रों के साथ आगे बढ़ रहे है। नीति दस्तावेजों के वास्तविक शब्दों में हमने बहुत से फेरबदल किये है जिसके कारण अब वह अत्यंत स्पष्ट है और उसमें कोई भी चीज़ अपरिभाषित या संदेहास्पद नहीं है। लेकिन, आपके सवाल का जवाब देते हुए, रोई और टीआरएफ को वाकई में एक साथ मिलकर नजदीक से काम करना चाहिए।''

एक उदाहरण देते हुए, वह कहते है, ''निदेशक भास्कर और मैंने बहुत करीब से एक साथ मिलकर काम किया है, हमारे बीच उत्तम संबंध थे और मैं उतने ही करीब से दोनों नवनिर्वाचित निदेशक भारत पंड्या और कमल संघवी के साथ भी काम करने की उम्मीद करता हूँ।''

मेरी प्रसन्नता की कल्पना कीजिए जब मैं हवाईअड्डे पहुँचा तो मैं उस पहले परिवार से मिला जिनके साथ मैं यूएस में रुका था। और उस यात्रा के दौरान, मैं उसी घर के उसी कमरे में रुका जिसमें 22 वर्ष पूर्व में ठहरा था! ऐसा चमत्कार केवल रोटरी में हो सकता है!

एक नज़र में

बाएं से: ज़मीर(बेटा), खतीजा (बहू), गुलाम वाहनवटी, हसीना, ज़हाबिया (बेटी); सत्पाल ब्रैंच (दामात)
पहली पंक्ति : सुमेहरा वाहनवटी; रिशान और जैयान ब्रैंच।

आराम: मुझे घुड़सवारी... उसका विशुद्ध रोमांच पसंद है। आठ वर्ष की उम्र से घुड़सवारी सीखने के कारण, मैं बहुत अच्छा घुड़सवार था। मैंने जिमखाना की दौड़ों में भी घुड़सवारी की है, कुछ दौड़ जीती है, और पोलो खेलना शुरू किया, लेकिन फिर छोड़ दिया।

तंदरुस्ती: मैं हफ्ते में तीन बार जिम जाता हूँ और 60 से लेकर 75 मिनट तक कसरत करता हूँ।

पाठन: मुझे पढ़ना पसंद है। मेरे द्वारा पढ़ी गई सबसे अच्छी किताबों में से एक है स्टीफ़न हािकंग की अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ़ टाइम। यह एक उत्कृष्ट किताब है मैंने इसका बखूबी आनंद लिया।

संगीत: मुझे हिंदी फ़िल्मी संगीत, 1970 एवं 80 के दशक के गाने पसंद है। मुझे पश्चिमी देशों का संगीत पसंद हुआ करता था लेकिन अब यह अतीत की बात हो चुकी है।

भोजन: मैं खाने का शौकीन हूँ। मैं सभी प्रकार के भोजन खाता हूँ। मुझे एशियाई भोजन पसंद है, मेरा सबसे पसंदीदा है चाईनीज़। मुझे जापानी खाना भी पसंद है, लेकिन मेरी बेटी, जो अब यूएस में रहती है, को मेरे साथ रहना चाहिए क्योंकि वह मुझे बताती है कि क्या बहुत कच्चा है और क्या कम कच्चा है!

फिल्में: मैं कुछ हलके टीवी कार्यक्रम देखता हूँ... पूर्णतः आराम करने के लिए कुछ बुद्धिहीन धारावाहिक, कुछ ऐसे जो आपके दिमाग पर ज़ोर डाले बिना शांति से सोने देते है!

रोटरी का उपहार: सबसे पहले, दोस्त; केवल भारत के ही नहीं बल्कि दुनिया भर के; उद्देश्य की एक भावना और एक मंच जिसके माध्यम से मैं ना केवल दूसरों के लिए अच्छा कर सकता हूँ बल्कि व्यक्तिगत विकास भी कर सकता हूँ, जो मैंने रोटरी से जुड़ने के बाद किया है। आज, मेरे निजी जीवन में, मेरी पत्नी हसीना के ना होने पर, रोटरी ने एक बड़े खालीपन को भरा है। उसे पित्ताशय का कैंसर था, अगस्त 2014 में हमें इसका पता चला, और 1 जनवरी 2015 को वह गुज़र गई। लेकिन सौभाग्य से, मैं अकेला नहीं रहता हूँ और मुझे एक खाली घर में नहीं लौटना पड़ता है। मैं मेरे बेटे और बहू के साथ रहता हूँ।

करते है, और एक बहुत ही छोटा हिस्सा प्रबंधन एवं प्रचार पर खर्च करने के लिए उपयोग किया जा रहा है।''

वाहनवटी का परिवार गुजरात के एक छोटे से कस्बे, बगसरा, का रहने वाला है, जो राजकोट से लगभग 100 किमी दूर है। लेकिन वह मुंबई में ही पैदा हुए और वहीं पले-बड़े और उनके बचपन के दौरान ''मेरी माँ का मुझ पर बहुत प्रभाव था। मेरे माता-पिता दोनों ही ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन मेरी माँ हमेशा से ही उनके बच्चों को उनके द्वारा वहन किये जा सकने वाले सबसे अच्छे स्कूल में पढ़ाने को लेकर स्पष्ट थी। इसलिए मैं पहले सैंट मेरी हाई स्कूल गया, सैंट ज़ेवियर कॉलेज से स्नातक किया और फिर मैं आईआईएम कलकत्ता गया। मुझे एक अमेरीकी यूनिवर्सिटी में दाखिला मिल गया था लेकिन साथ ही मेरा चयन आईआईएम कलकत्ता के लिए भी हो गया था, मेरे पिता ने कहा

हसीना और वाहनवटी।

मेरे अध्यक्षों की पत्नियों के साथ उसने जो संबंध स्थापित किये थे वे बहुत खास थे और आगामी वर्षों में उसका अनुसरण किया गया।

कि अमेरीकी यूनिवर्सिटी को भूल जाओ, मैंने डैड की बात का सम्मान किया और भारत में ही रहा।''

आईआईएम कलकत्ता में कैंपस भर्ती के माध्यम से, उनके स्नातक स्तर की पढ़ाई पूर्ण करने से पूर्व ही उनका चयन 1970 में टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के लिए किया गया। उनके प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद, उन्हें टाटा आयल मिल्स (जो कि बाद में बेच दी गई) में नियुक्त किया गया जहाँ चार वर्षों तक उन्होंने विपणन विभाग में कार्य किया। लेकिन 1974 में, चूंकि उनके पिता की तबियत ज्यादा खराब थी, उन्होंने अपना त्यागपत्र सौंप दिया। ''और यहाँ पर टाटा ने उसका बड़प्पन दिखाया। उन्होंने

कहा आप क्यों जा रहे है? जब मैंने उन्हें समझाया कि मैं मेरे पिता का सबसे बड़ा लड़का हूँ और मुझे हमारे लोहा और इस्पात स्क्रैप प्रसंस्करण के अपने पर्याप्त बड़े व्यापार को संभालना पड़ेगा, तो उन्होंने मुझे एक वर्ष का पुनर्ग्रहणाधिकार दे दिया।''

लेकिन छह महीनों के भीतर ही उनके पिता चल बसे; ''वे लोग शोक प्रकट करने आए और उन्होंने मेरे पुनर्ग्रहणाधिकार को एक वर्ष के लिए और बढ़ा दिया। मेरे पास दो वर्ष का समय था यह तय करने के लिए कि मैं लौटना चाहता हूँ या नहीं। लेकिन जब आप आपका स्वयं का व्यापार करते है, तो उसे छोड़ना बहुत कठिन होता है। इसलिए मैं रुका रहा; हम जहाज तोड़ते थे और लोहा एवं इस्पात का प्रसंस्करण करते थे। बहुत बाद में, हमने कोची में जहाज तोड़ने का एक यार्ड खरीदा, जिसने दुर्भाग्य से एक समस्या खड़ी कर दी थी और उसे बंद करना पड़ा,'' वाहनवटी कहते है। अब वह एक अलग व्यापार में है; रेमंड के साथ साझेदारी में वह मुंबई में 'मेड टू मेज़र' नामक एक शोरूम चलाते है और एक अन्य शोरूम ओरा ज़ूलरी का विक्रय करता है और साथ ही उनकी कैशे नामक एक आर्ट एंड क्राफ्ट्स गैलरी भी है।

उनकी रोटरी यात्रा की बात करें तो, वाहनवटी को 1978 के

हैम्बर्ग कन्वेंशन में वाहनवटी को ढठ्क्र ट्रस्टी के रूप में पेश किया गया।

रविवार की सुबह ''स्पष्ट रूप से'' याद है जब उन्होंने *टाइम्स ऑफ़ इंडिया* में एक विज्ञापन देखा था जिसमें इंडिआना, ''यूएस, में होने वाले एक विनिमय कार्यक्रम के लिए 25 से 35 वर्ष के युवाओं - ध्यान दें कि उन दिनों यह केवल पुरुषों के लिए ही था! - से आवेदन आमंत्रित किये गए थे। तब तक मेरी शादी हो चुकी थी और मैंने मेरी पत्नी हसीना से पूछा कि क्या मैं आवेदन करूं, और उसने कहा कि सबसे बुरा क्या हो सकता है; तुम्हारा चयन नहीं होगा।''

उन्होंने आवेदन किया और वह चयनित हो गए! ''उस समय, मुझे रोटरी के बारे में बहुत कम जानकारी थी, सिवाय इस बात के कि अमीर पुरुषों का एक क्लब (रोटरी क्लब बॉम्बे) है जो हर सप्ताह ताज महल होटल में मिलते है और बढ़िया खाना खाते है! मैं बस इतना ही जानता था लेकिन जब मैं कार्यक्रम में गया, तो इसने रोटरी के प्रति मेरा पूरा नज़रिया ही बदल दिया; वह जीवन-परिवर्तित करने वाली यात्रा थी!''

वह आगे कहते है कि साक्षात्कार के अनेक दौरों के बाद

बेटे की शादी (बाएं से) गुलाम वाहनवटी, माँ फतीमा, ज़मीर, खतीज़ा, हसीना और बेटी ज़हाबिया चित्र में शामिल हैं।

लगभग 100 आवेदकों में से केवल पाँच व्यक्तियों का चयन किया गया था ''और मैं स्वयं को बहुत ही भाग्यशाली समझता हूँ कि मेरा चयन हुआ।''

टीआरएफ न्यासी जिस तरह से उनके रोटरी ग्रुप स्टडी एक्सचेंज कार्यक्रम के अनुभव को याद करते है उसमें विस्मय की कोई कमी नहीं थी। छह-हफ्ते के विनिमय कार्यक्रम के दौरान, युवा 13 अलग-अलग परिवारों के साथ रहे। और ''जब मैं 'जीवन-परिवर्तक' शब्द का प्रयोग करता हूँ तो वास्तव में मेरे लिए उसके मायने है। इस कार्यक्रम को इतनी खूबसूरती के साथ बनाया गया था कि कुछ परिवार अभी भी मेरे संपर्क में है।''

वह इस कार्यक्रम में 1978 में गए थे, और अगले वर्ष, नवम्बर 1979 में, वह रोटरी क्लब बॉम्बे मिडटाउन से जुड़े। वर्ष 2000 में, जब वह DGN के लिए मनोनीत हुए, तो यूएस में एक रोटेरियन जो डीजी का पदभार ग्रहण कर रहे थे, ने उन्हें उनके मंडल सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया, यह कहते हुए कि आपको बस टिकट का पैसा देना है और बाकि सब आयोजक संभाल लेंगे।

''मैं गया और मेरी प्रसन्नता की कल्पना कीजिए जब मैं हवाईअड्डे पहुँचा तो मैं उस पहले परिवार से मिला जिनके साथ मैं यूएस में रुका था। और उस यात्रा के दौरान, मैं उसी घर के उसी कमरे में रुका जिसमें 22 वर्ष पूर्व में ठहरा था! ऐसा चमत्कार केवल रोटरी में हो सकता है!''

इस सवाल के जवाब में कि क्या गवर्नर के पद तक पहुँचने की उनकी यात्रा कठिन थी, वह कंधे उचकाते है और कहते है: मुझे नहीं पता; यह एक कठिन प्रश्न है। डीजी बनने में मुझे बहुत साल लगे। मैं 1985-86 में क्लब अध्यक्ष था और फिर मैं दो बार ऋछए के लिए वैकल्पिक दल नेतृत्वकर्ता के लिए चयनित हुआ, लेकिन कभी दल नेतृत्वकर्ता नहीं बन सका! लेकिन मैं खुश हूँ कि अंततः मेरा चयन डीजी के लिए हुआ; वह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया था, और मैं 2002-03 में गवर्नर बना, और टीआरएफ में हमारा संग्रहण अद्भुत था, जो किसी भी मंडल में अब तक हुए संग्रहण में सर्वोच्च था और यह कीर्तिमान 2006-07 तक तब

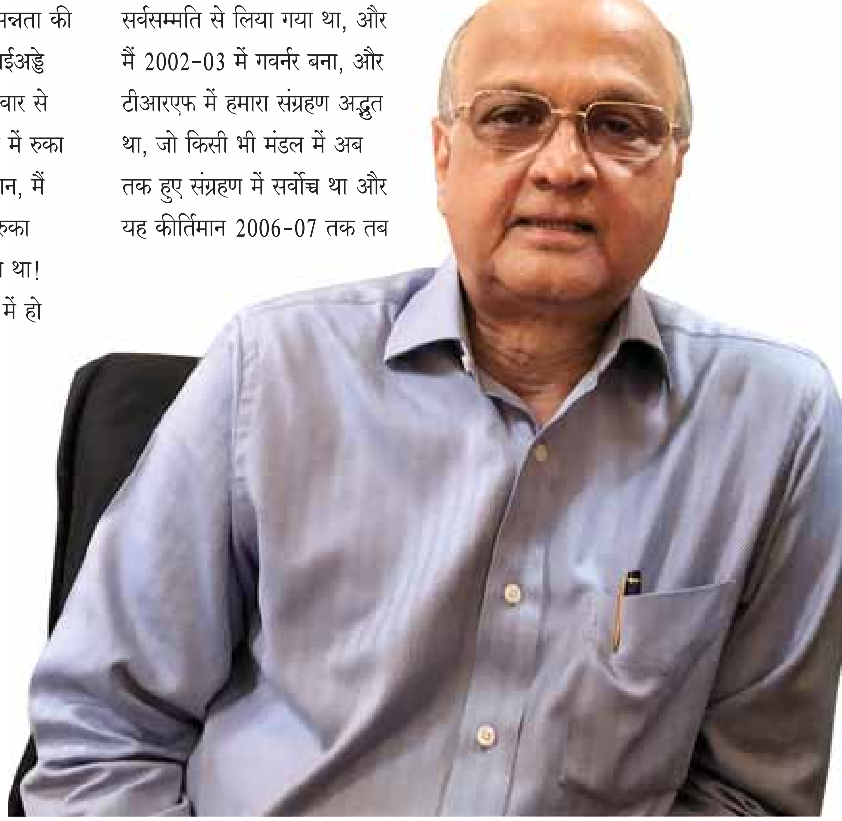

हमें शुद्ध दानकर्ता बनना चाहिए ना कि शुद्ध प्राप्तकर्ता। पिछले वर्ष हमने 19 मिलियन डॉलर दिए और हमें 18 मिलियन डॉलर वापस मिले।

तक कायम रहा, जब निदेशक भरत पंड्या ने डीजी के रूप में इस आंकड़े को पार नहीं कर लिया। पंड्या मेरे सहायक गवर्नरों में से एक थे, साथ ही राजू सुब्रमण्यम भी थे।

फिर, 2004 में, वह एक RRFC (रीजनल रोटरी फाउंडेशन कोऑर्डिनेटर) बने; ''केवल एक वर्ष के लिए मैं निष्क्रिय रहा। रोटरी मेरे प्रति बहुत उदार रही है।''

उन्होंने रोई के निदेशक के पद के लिए भी अपना नाम दिया था। निदेशक के पद के लिए नहीं चुना जाना कितना निराशाजनक रहा? ''अत्यंत निराशाजनक; इसे बयां करने के लिए कोई अन्य शब्द नहीं है। मुझे एक विकल्प के रूप में चुना गया... मैं क्या कह सकता हूँ?''

परन्तु फिर शीघ्र ही उन्हें टीआरएफ न्यासी के रूप में चुना गया... जिसकी उम्मीदवारी थोड़ी अनेपक्षित थी, मैं कहने की गुस्ताखी करूंगी!

जवाब में वाहनवटी मुस्कुराते है, और 'घोड़े' शब्द से जुड़ी एक याद ताजी होने के बाद, वह कहते है:

उनकी रोटरी की यात्रा में हसीना की भूमिका

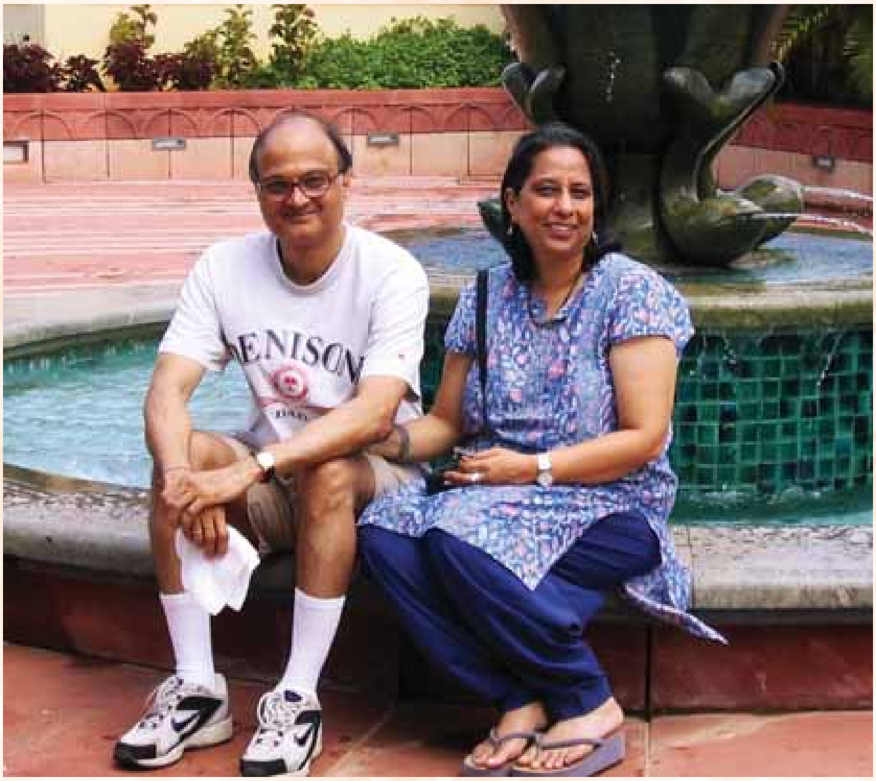

गोआ में हसीना के साथ।

हसीना और मैं 1962 में कश्मीर के एक दौरे पर मिले थे, जब मैं 14 वर्ष का था। 1969 में हमारी सगाई हुई और 1970 में शादी।

एक रोटेरियन की पत्नी होने के नाते, वह अत्यधिक सम्मिलित थी और वह मुंबई मिडटाउन के इनर व्हील क्लब की चार्टर अध्यक्ष बनी। यह 1985-86 की बात है, उसी वर्ष मैं रोटरी क्लब मुंबई डाउनटाउन का अध्यक्ष बना था। वह मेरे रोटरी के कैरियर के हर पड़ाव में शामिल थी, विशेषरूप से तब जब मैं डीजी था। मेरे अध्यक्षों की पत्नियों के साथ उसने जो संबंध स्थापित किये थे वे बहुत खास थे और आगामी वर्षों में उसका अनुसरण किया गया। वह मेरे भाषणों में मेरी मदद करती थी; इस बात का ध्यान रखती थी कि मैं अच्छी तरह एवं उचित ढंग से कपड़े पहनूं और मेरी सबसे बड़ी समीक्षक थी। मैंने उसकी रचनात्मक समीक्षाओं को महत्व दिया क्योंकि उससे मुझे बेहतर होने में मदद मिली। उसने दुनिया भर में मित्र बनाए थे और भारत, ऑस्ट्रेलिया और यूएस के रोटेरियन अभी भी उसकी कमी महसूस करते है।

चलिए विषय से थोड़ा हटते है। मुझे घुड़सवारी का बहुत शौक है। कई सालों से मेरा परिवार घुड़सवारी में लिप्त है, और मैंने आठ वर्ष की उम्र से घुड़सवारी शुरू की थी, और टाटा से जुड़ने तक करता रहा। लगभग 10 वर्ष पूर्व मैं रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब (RWITC) का प्रबंधक बना। प्रबंधक वे होते है जो दौड़ को नियंत्रित एवं संचालित करते है; उनका उद्देश्य निष्पक्ष घुड़दौड़ सुनिश्चित करना होता है। इसके पश्चात् समिति में मेरा चुनाव हो गया, और मैं प्रबंधकों का अध्यक्ष बन गया, जिसका कार्यकाल तीन-वर्षों का होता है।

RWITC में एक महत्वपूर्ण चुनाव 11 सितम्बर, 2017 को

हुआ, और 18 नवम्बर को रोई निदेशक नामांकन समिति का चयन हुआ। मैं हार गया था और निराश था और मैंने सोचा कि मैं प्रबंधक समिति का अध्यक्ष ही बना रहूँगा। 24 सितम्बर को, मुझे ठखझए बैरी रेसिन का फ़ोन आया कि वह मुझे न्यासी के रूप में नियुक्त कर रहे है और मंडल ने उस पर तीन दिन बाद 27 सितम्बर को मतदान किया। ''मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ, लेकिन इस पद की प्राप्ति पर मैं बहुत आभारी एवं गौरवान्वित हूँ। बहुत ही कम ऐसा होता है कि कोई व्यक्ति जो रो ई निदेशक ना रहा हो वह न्यासी बन जाए। हमारे क्षेत्र में ऐसे केवल दो लोग है, हालाँकि दुनिया भर में ऐसे कई है - PRIP के आर रविन्द्रन और ओ पी वैश; दोनों ही न्यासियों के रूप में सेवा देने के पश्चात् ही निदेशक बने। टीआरएफ की उपाध्यक्ष (30 जून, 2019 तक की टीआरएफ प्रमुख) ब्रेंडा क्रेस निदेशक नहीं है।''

हमारे क्षेत्र में ऐसे केवल दो लोग है, PRIP के आर रविन्द्रन और ओ पी वैश; दोनों ही न्यासियों के रूप में सेवा देने के पश्चात् ही निदेशक बने।

वाहनवटी से अगला सवाल मैं टीआरएफ में देने के मामले में भारत के शानदार प्रदर्शन के बारे में पूछती हूँ, जो कि पिछले वर्ष रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस के अध्यक्ष डी रविशंकर द्वारा 100 करोड़ (14.7 मिलियन डॉलर) दान करने से और भी अधिक मजबूत हुआ था। लेकिन उनकी भी काफी सारी शंकाएं एवं भ्रांतियां थी, जिसकी व्याख्या उन्होंने *रोटरी न्यूज़* को दिए गए एक साक्षात्कार में की थी। और उन्हें संबोधित करने के लिए वाहनवटी बैंगलुरु गए थे। वह बैठक कैसी रही?

वह मुस्कुराते है और कहते है, ''बहुत बढ़िया, बातचीत मैत्रीपूर्ण थी; वहाँ परस्पर आदर एवं समझ थी और बहुत सा लेन-देन हुआ। उनकी बहुत सी शंकाएं थी और मैं संस्थान का आभारी हूँ क्योंकि हमने उनके लिए बहुत से अनुमोदन किये थे।''

किस प्रकार से?

''खैर, अक्षयनिधि... क्योंकि यह इतनी बड़ी राशी थी, सामान्य तौर पर न्यासियों ने कह दिया होता कि नैतिकता के मार्ग पर डटे रहो, लेकिन उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमने बहुत से समायोजन किये और इस फैसले को लेने में न्यासी बहुत अग्रसक्रिय थे।''

वैश्विक अनुदानों के निष्पादन के दौरान भारत में पाए गए प्रबंधन मुद्दों पर, वाहनवटी कहते है: ''हमारे ज़ोनों में 150,000 रोटेरियन है। जिन लोगों ने टीआरएफ के सिद्धांतों का पालन नहीं किया उनकी संख्या बहुत कम है... यह एक निरर्थक प्रतिशत है। और फिर भी, ये इतने कम लोग वैसे ही है जैसे पानी की एक बड़ी बोतल में एक बूँद स्याही; जिससे पूरा पानी रंगीन हो जाता है। जो बात शर्मनाक है वह यह है कि पिछले कुछ महीनों से, जब मैं एक बैकबेन्चर था और PRID सुशील गुप्ता न्यासी थे, हर बार कार्यसूची में भारत से संबंधित कोई ना कोई मुद्दा होता था और वे सभी प्रबंधन से ही संबंधित होते थे।

प्रेरणास्त्रोत

मेरे माता-पिता: मेरे पिता एक बहुत ही कम उम्र में गुज़र गए थे परन्तु फिर भी उन्होंने मेरे मन में सत्यनिष्ठा एवं विनम्रता के मूल्यों को बैठाया जिन्हें मैंने संजोय रखा। मेरी माँ, बेशक, बहुत विशिष्ट थी और उनकी प्रार्थनाओं एवं सतत आशीर्वाद, जो केवल एक माँ ही दे सकती है, के कारण ही आज मैं जो कुछ भी हूँ बन पाया हूँ। वह मेरे बहुत करीब थी और यद्यपि वह ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थी, वह इस बात के लिए सुनिश्चित थी कि उनके बच्चों को सर्वोत्तम संभव शिक्षा मिलनी चाहिए। उन दिनों, एक मुसलमान महिला, जो ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थी, का इस बात पर ज़ोर देना कि उसके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा मिले, यह किसी चमत्कार से कम नहीं था।

कल्याण बेनर्जी: जिस बात के लिए मैं उनकी सबसे अधिक प्रशंसा करता हूँ वह यह है कि वह सुनते है। काश मेरे पास सुनने, आत्मसात करने और फिर बोलने की योग्यता होती। वह बहुत कम बोलते है, लेकिन जब वह बोलते है, उसमें सार होता है।

युवा वाहनवटी घुड़सवारी के लिए तैयार होते हुए।

उनके कॉलेज के दिनों में वाहनवटी बाएं से चौथे (बैठे हुए)।

इसलिए मैं इस बात पर ज़ोर देता हूँ कि इन मुट्ठी भर लोगों को हमारे पूरे ज़ोन की छवि को खराब ना करने दें। सन्देश अब प्रसारित हो रहा है और लोग अधिक से अधिक जागरूक हो रहे है कि टीआरएफ अनुदानों के निष्पादन के लिए हमें प्रबंधन में उच्चतम मानकों का पालन करना होगा।''

वाहनवटी यह बताने के लिए आंकड़े प्रस्तुत करते है कि कैसे भारत को सबसे अधिक धनराशी के एवं सर्वाधिक संख्या में वैश्विक अनुदान मिलते है। ''2017-18 में, वैश्विक अनुदानों के लिए दुनिया भर में दी गई कुल धनराशी में से, 18 मिलियन डॉलर सर्वाधिक अनुदानों की संख्या के माध्यम से भारत में आए। दूसरे स्थान पर 4 मिलियन डॉलर के साथ थाईलैंड था! इसलिए हमें अधिक सचेत रहने की आवश्यकता है क्योंकि हमें टीआरएफ से इतना अधिक पैसा मिल रहा है। मैं प्रसन्न हूँ कि यह सन्देश लोगों की समझ में आ रहा है।''

एक अन्य कारक है कि सबसे अधिक पैसा यूएस से आता है; पिछले वर्ष यूएस ने 138 मिलियन डॉलर दिए थे, और ''वे संस्थान से पैसा प्राप्त करने वाले शीर्ष 10 देशों में भी शामिल नहीं है। संस्थान की महानता यह है कि लोग इस बात को सोचे बिना देते है कि क्या उन्हें वह पैसा वापस मिलेगा या नहीं। और भारत के सभी वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं का उद्देश्य है कि हमें शुद्ध दानकर्ता बनना चाहिए ना कि शुद्ध प्राप्तकर्ता। पिछले वर्ष हमने 19 मिलियन डॉलर दिए और हमें 18 मिलियन डॉलर वापस मिले। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष हम और अधिक देंगे।''

PRID सुशील गुप्ता के साथ।

चित्र: रशीदा भगत

चित्र सौजन्य : गुलाम वाहनवटी

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

दक्षिण एशिया क्षेत्र रोटरी दुनिया का आदर्श हैं: रेसिन

रशीदा भगत

बाएं से: TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, वानती, PRIP के आर रवींद्रन और RID सी भास्कर।

दक्षिण एशिया में रोटेरियनों द्वारा की गई सेवा और सदस्यता वृद्धि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और रोटरी फाउंडेशन में उनके द्वारा दिए गए दान को ''असाधारण'' बताते हुए, रो ई अध्यक्ष बैरी रेसिन ने हैम्बर्ग कन्वेन्शन में मदक्षिण एशिया रिसेप्शनफ में कहा: ''आप रोटरी की दुनिया में आदर्श क्षेत्र हैं।''

वे रो ई और भारत से आये प्रतिष्ठित एवं वरिष्ठ रोटेरियनों से खचाखच भरे हॉल को संबोधित कर रहे थे जिसमें एस्थर, RIPE मार्क और गे मैलोनी, RIPN होल्गर नैक और सूसन, PRIPs राजेंद्र और उषा साबू, कल्याण बेनर्जी, गैरी हुआंग और कोरिना, जॉन और जूडी जर्म, के आर रवींद्रन और वनती, रो ई महासचिव जॉन ह्यूको, रो ई निदेशक सी भास्कर, आगामी निदेशक भरत पांड्या और कमल संघवी, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, अनेक सेवारत और निवृत्त रो ई निदेशक और ट्रस्टी व उनके साझीदार शामिल थे।

रो ई अध्यक्ष ने कहा कि वह रोटरेक्ट प्री कन्वेन्शन से आ रहे थे और उन्होंने देखा कि ''हमारे रोटारेक्टर्स ऊर्जा से ओतप्रोत हैं, आगे बढ़ रहे हैं और परिवर्तन ला रहे हैं जिस के बारे में हम इस सप्ताह बात करेंगे। 1 जुलाई के बाद से 1,064 नए रोटारेक्ट क्लब खुल गए हैं और उन में से 577 क्लब आपके क्षेत्र में हैं! आप के द्वारा किये जा रहे कार्यों पर मुझे बहुत गर्व है।''

आप जितना कर रहे हैं उस का आभार प्रकट करने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं, उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया ने न केवल रोटरी की दुनिया में सदस्यता क्षेत्र में सबसे तीव्र गति से वृद्धि की है,बल्कि मेरा तो यह भी मानना है कि यह क्षेत्र हमारे फाउंडेशन को देने में नंबर 1 हो सकता है। निश्चय ही आप ऐसा कर सकते हैं ... आप उदार हैं, आपके पास भावना है और तो और आपके पास वो चीजें करने की क्षमता है जिससे बाकी दुनिया को प्रेरणा मिल सकती है।''

उन्होंने साबू और उषा का ''विशेष रूप से धन्यवाद'' किया और कहा, ''वो लगातार अद्भुत काम कर रहे हैं। 1991-92 में वो मेरे अध्यक्ष थे और हमेशा रहेंगे और वो उसी ऊर्जा और भावना के साथ दुनिया में लोगों की मदद कर रहे हैं जब वह रो ई अध्यक्ष रहते हुए करते थे।''

रेसिन ने कहा कि मेडागास्कर के दो अस्पतालों में काम करने के लिए उन्हें साबू के साथ जाने का ''सौभाग्य'' प्राप्त हुआ था, 19 शल्य चिकित्सकों और भारत से 15 स्वयंसेवकों के साथ VTT मेडिकल मिशन पर, जहां उन्होंने आठ दिनों में 3,500 ऑपरेशन किये थे, वो अपने आप में एक अद्भुत कार्य था और ये कमाल उन्होंने ज़रूरी सामग्री के बिना पहले वैश्विक अस्पताल में किया और उस समाज को बदल दिया। दुनिया भर में हमें अपने VTT को और अधिक श्रेय देने की आवश्यकता है क्योंकि वे परिवर्तनकारी हैं, वे लोगों का जीवन बदल रहे हैं। आपको अध्यक्ष राजा के साथ जाना चाहिए और उन्हें ऑपरेटिंग रूम में देखना चाहिए। सर्जनों को लगता है कि वह एक सर्जन है पर जब वह स्केलपेल उठा रहे थे, मुझे डर लग रहा था!

रोटरी को अब किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, रेसिन ने कहा कि रोटरी संविधान में और उप-कानूनों में रोटरेक्ट रो ई का सदस्य बन गया है, ''हमारे युवा पेशेवरों के लिए एक बड़ा सम्मान हम रोटेरियनों को उन्हें मार्गदर्शन और सलाह दोनों देनी होगी ताकि वे अपनी रोटरेक्ट यात्रा की समाप्ति के पश्चात रोटरी क्लब में प्रवेश करें। मैं दुनिया भर के रोटरी क्लबों का आव्हान करता हूं कि वे परिवर्तन के राजहंस बनें, क्योंकि आज की दुनिया में प्रासंगिक बने रहने के लिए हमें अलग तरह से सोचने की जरूरत है। अगर हमने ऐसा कर लिया तो हम बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।''

हालांकि दुनिया के मानवतावादी संगठनों में रोटरी का पहला स्थान है पर रेसिन ने इस को स्थान बनाए रखने, इसे मजबूत करने और यह भी सुनिश्चित

RID सी भास्कर के साथ PDG सेम पतिबंडला, RIDE भरत पांड्या, PDG राजा श्रीनिवासन और जयन्ती श्रीनिवासन।

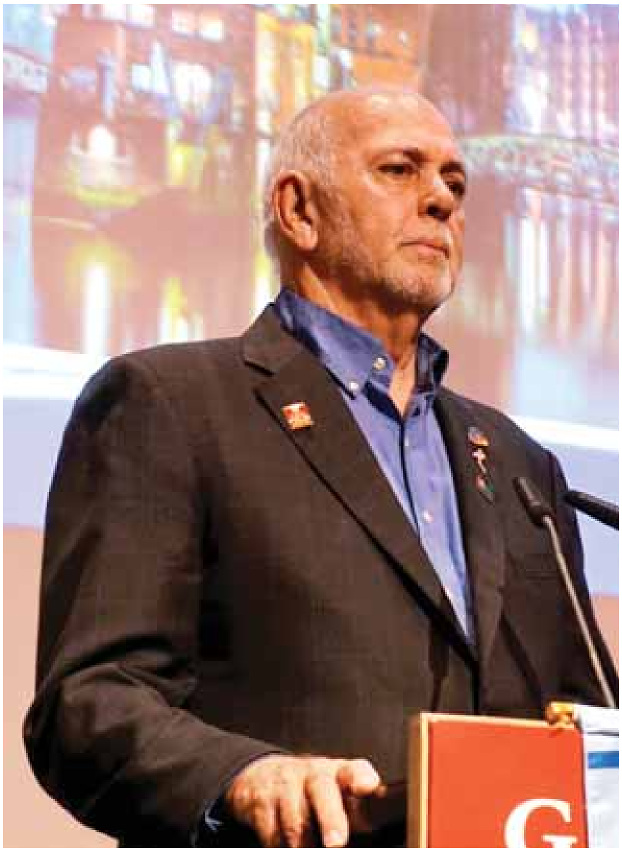

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन।

करने का आग्रह किया कि समाज को रोटरी द्वारा किये गए कार्यों की भी जानकारी रहे ताकि वह साझेदारों और भागीदारों को संगठन की ओर आकर्षित कर सके। और अंत में, रोटेरियन दुनिया से पोलियो उन्मूलन के अपने लक्ष्य से नज़र हटाने का खतरा मोल नहीं ले सकते। रिसेप्शन में पाकिस्तान से आए पीडीजी अजीज मेनन की तारीफ करते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ साथ अफगानिस्तान से भी पोलियो उन्मूलन का काम जारी रखने में पाकिस्तान में रोटेरियन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और उन्हें इस क्षेत्र के साथ-साथ सम्पूर्ण रोटरी विश्व का समर्थन चाहिए। ''हमने दुनिया के बच्चों से पोलियो को समाप्त करने का वादा किया है और इसे पूरा करना होगा और हम करेंगे, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल और स्वच्छता, आजीविका में सुधार के साथ रोटरी के सभी फोकस क्षेत्रों पर काम जारी रखते हुए।''

दक्षिण एशिया में रोटरी को ''अभूतपूर्व'' बताते हुए RIPE मार्क मलोनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, भारत में सदस्यता में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; भारत अब TRF के लिए दूसरा सबसे अधिक योगदान करने वाला देश था और ''मेरी दृष्टि में भारतीय रोटरी क्लबों की सेवा का स्तर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है और ये रोटरी सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। पिछले कई वर्षों से, दक्षिण एशिया में रोटेरियन और रोटरी क्लब प्रेरणा का स्रोत रहे हैं और हम सब मिल कर 2019-20 में दुनिया को जोड़ने का काम करेंगे।''

PRIP साबू ने याद दिलाया कि पहली बार जब 'दक्षिण एशिया रिसेप्शन' शुरू किया गया था तब मुश्किल से उसमें 50-60 प्रतिभागी रहे होंगे और उनमें से 75 प्रतिशत ही आमंत्रित थे और दक्षिण एशिया से तो बहुत कम। यह ब्रेकफास्ट मीट के रूप में शुरू हुआ जो यहाँ की परम्परा है। ''लेकिन हमने महसूस किया कि

बाएं से: *शोभा कुडाले, PDG गण अरुण कुडाले, विनय कुल्कर्णी, DGN रश्मी कुल्कर्णी, रोटेरियनों महेश भागवत, चारु श्रोत्री, PDG अभय गड्गिल और रोटेरियन पंकज शाह रो ई मंडल 3131 से।*

सुशील गुप्ता की कमी महसूस हुई

हैम्बर्ग सत्र के दौरान सुशील गुप्ता की कमी अखरी, जिन्होंने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों के चलते अपने पद RIPN से हटने का फैसला किया था। प्लेनरी सेशन और साउथ एशिया रिसेप्शन दोनों में ही RIPN होल्गर नेक ने कहा कि रो ई अध्यक्ष नामित होने पर उनकी खुशी धूमिल हो गई क्योंकि यह गुप्ता की तबीयत खराब होने की वजह से संभव हुआ है। नेक ने उनके शीघ्र ही स्वस्थ होने की कामना की।

दक्षिण एशिया रिसेप्शन में, PRIP कल्याण बेनर्जी ने कहा कि इस विशेष आयोजन का हिस्सा बनना हमेशा अद्भुत और शानदार रहता है, पर उस शाम जिस व्यक्ति की कमी महसूस हो रही थी, वह हैं ''मेरे पुराने मित्र सुशील गुप्ता, ईश्वर की कृपा से, मैं कहना चाहूंगा कि सुशील ठीक होने की पूरी कोशिश कर रहा है। यह उनका कठिन समय है, लेकिन हम सभी आशावान हैं और प्रार्थना करते हैं कि वह जल्दी से जल्दी ठीक हो जाएं।''

दक्षिण एशिया सदस्यता क्षेत्र में वृद्धि कर रहा है और टीआरएफ में दूसरे सबसे बड़े योगदान कर्ता के रूप में उभरा है और सेवा में हम किसी भी देश से पीछे नहीं हैं। ''सभी दक्षिण एशियाई देशों में हमारे क्लबों द्वारा की जा रही सेवा परियोजनाएं अविश्वसनीय हैं और सोच से परे हैं।

और भरत पंड्या, कमल संघवी और ट्रस्टी गुलाम के साथ आगामी नेतृत्व में, मुझे यकीन है कि हम एक महान भविष्य की ओर अग्रसर हैं, बेनर्जी ने कहा।''

दक्षिण एशियाई लोग इतनी जल्दी उठने के दीवाने नहीं हैं, इसलिए बाद में ये कार्यक्रम शाम को आयोजित होने लगा। और आप देख रहे हैं कि यह बड़ा हॉल आज पूरा भरा हुआ है।''

उन्होंने ''शानदार नेतृत्व'' प्रदान करने के लिए भास्कर की सराहना की और कहा कि ट्रस्टी गुलामवती के साथ उन्होंने, ''हमारी कुछ कमजोरियों की तरफ ध्यान खींचा बावजूद इसके कि हम सबसे तेजी से बढ़ता क्षेत्र हैं।'' पिछली शाम की गई आतिशबाजी का ज़िक्र करते हुए साबू ने कहा कि जर्मनी से पहली बार रो ई अध्यक्ष के रूप में नैक के नामांकन का जश्न मनाने के उपलक्ष्य में आतिशबाजी की गई थी। बधाई देते हुए उन्होंने कहा: ''यहाँ आने के दौरान, मैंने सुशील (गुप्ता) से बात की थी और उन्होंने कहा कि 1920-21 में होल्गर रो ई अध्यक्ष बनने जा रहे हैं, मैं बेहद खुश हूँ।''

बेनर्जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उस शाम को वह लगभग पूरी रोटरी दुनिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों को देखकर आश्चर्यचकित थे। पिछले कन्वेन्शन में आने से वह चूक गए थे क्योंकि उनकी पत्नी बिनोता का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। लेकिन इस बार, कन्वेंशन की तारीख को करीब आते देख कर जब उसने मुझे थोड़ा बेचैन होते देखा, तो कहा, कल्याण, तुम कन्वेन्शन में ज़रूर जाओ। मैं तुम्हें घर पर नहीं देखना चाहती!'' और उन्होंने कहा, ''एक व्यक्ति की तरह जो हमेशा अपनी पत्नी की सुनता है, मैंने कहा, मठीक है, जा रहा हूँफ और यहाँ आपके सामने हूँ!''

गे और RIPE मार्क मलोनी

उन्होंने भारत और इस क्षेत्र को अद्भुत नेतृत्व प्रदान करने और बहुत ही रचनात्मक, सृजनात्मक और सक्रिय रूप से आगे ले जाने के लिए निदेशक भास्कर को बधाई दी। ''यदि आपने राजा (साबू) को ध्यान से देखा है, तो गौर किया होगा कि वह दिन-पर दिन जवान होता जा रहा है, और वो ये कैसे कर पाते हैं उनसे मैं वो सब सीखना चाहूंगा। रवि (के आर रविन्द्रन), हमारे इस क्षेत्र के दूसरे दिग्गज, वास्तव में चलते नहीं, दौड़ते है; और हम सबको भी दौड़ाते है। रोटरी विश्व के इस हिस्से में हमें ज़बरदस्त नेतृत्व मिला है।''

बेनर्जी ने भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश से आये रोटेरियनों की प्रशंसा की ''दक्षिण एशिया में रोटरी में आप जबरदस्त परिवर्तन ला रहे हैं। नेपाल जैसा छोटा देश हमारे क्षेत्र में TRF के सर्वोच्च सहयोगियों में से एक बन गया है यह अद्भुत बात है।''

RIPN नेक ने कहा कि हैम्बर्ग में कन्वेन्शन की सफलता के लिए काम करते हुए वह और उनकी पत्नी सूसन 2020-21 के लिए रो ई अध्यक्ष के रूप में अपना नामांकन अभी भी पचा रहे हैं। ''सबसे पहले मैं अपने बेहतरीन दोस्त सुशील को याद करना चाहूंगा और आशा करता हूं कि उन्हें अपनी बीमारी

बाएं सेः *RIDE कमल संघवी, रोटेरियन संतोष कुमार साहु, नयन पटेल और सोनल संघवी।*

एक अध्यक्ष का 'विशेषाधिकार'

यह कहते हुए कि वह थोड़ी देर के लिए ''अध्यक्ष के विशेषाधिकार'' का इस्तेमाल करने जा रहे थे, उस शाम को RIPN मलोनी ने एक ''विशेष अतिथि'' से परिचय कराया - उनका पोता पैट्रिक, ''वो हमारे कमरे में आया था और जब हमने पूछा कि क्या वो यहां आना चाहेगा और उसने हां कहाफ। आप तो जानते हैं कि मैं हमेशा रोटरी को परिवार के मित्रवत बनाने का बहुत उत्सुक रहता हूं इसलिए मुझे लगा कि शुरुआत घर से करना बेहतर है!''

उन्होंने कहा कि ''पिछले कुछ महीनों में उनको सुशील गुप्ता के साथ काम करने के कई अवसर मिले पर अफ़सोस कि यह आगे जारी नहीं रहेगा । हमारे बीच एक रिश्ता कायम हुआ था और एक साथ काम कर रहे थे और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।''

उन्हें रो ई बोर्ड में निदेशक भास्कर के साथ एक साल काम करने का लाभ भी मिला है और ''साउथ एशिया रोटरी में ज्ञान के भण्डार PRIPs साबू, बनर्जी और रविन्द्रन के साथ काम किया है; उन्होंने मुझे कई वर्षों तक मार्गदर्शन और सलाह प्रदान की है और मैं उनका आभार प्रकट करता हूँ। मैं दो निदेशकों पंड्या और साघवी के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं और मेरे बहुत अच्छे दोस्त गुलाम (वाहनवटी) के साथ भी जो टीआरएफ में प्रभाव छोड़ रहे हैं।''

रोटरी जगत में ''भारत के महत्त्व को वे कितनी अहमियत और सम्मान देते हैं'' इसका संकेत देते हुए मलोनी ने कहा कि आने वाले दो वर्षों में, आगामी अध्यक्ष और रो ई अध्यक्ष के रूप में वे चार बार भारत जाएंगे। ''केवल एक ही स्थान और है जहां मैं चार से अधिक बार जाऊंगा और वह है इवान्स्टन!''

से लड़ने की ताकत मिले। उन्होंने अगले साल मलोनी के साथ काम करने की उत्सुकता जताई और पंड्या और संघवी दोनों के साथ अपने अध्यक्ष कार्यकाल के दौरान।

उनके समर्पण के लिए निदेशक भास्कर ने इस क्षेत्र के रोटेरियनों की प्रशंसा की और एक क़िस्से के हवाले से बताया कि कैसे एक नया विचार किसी उद्यम या परियोजना को विकसित कर सकता है, उन्होंने नवाचारों के बारे में सोचने और नए नए अवसरों का सृजन करने की कोशिश जारी रखने का आग्रह किया। ''अगर हम नकारने के बजाये विचार करने की पद्धति अपनाएँ, तो हम हमेशा अधिक मूल्यों का सृजन कर रोटरी में सार्थक योगदान कर सकते हैं, बशर्ते हम एक टीम के रूप में काम करें, उत्साही बनें और जोश और जज़्बा कायम रखें।''

उन्होंने दक्षिण एशिया के रोटेरियनों से आग्रह किया कि वे रोटरी कन्वेन्शन द्वारा मिले अवसर को हाथ से ना जाने दें जो दुनिया भर के लोगों से मिलने, सेवा परियोजनाओं की संभावनाओं पर चर्चा करने और साझेदारी के अवसर प्रदान करता है।

रिसेप्शन के अध्यक्ष ई के सगादेवन ने सभा का अभिनंदन किया और RIDE पांड्या ने इस आयोजन को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए सभी वरिष्ठ नेताओं और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चित्र: रशीदा भगत

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

ADVT

With best compliments from

Rtn Prof Dr A Zameer Pasha

M.S., FRCS (Eng)., FACS (USA)., FICS., FAIS., FRCS., FACS., FIAMS., Dip. MAS., FIAGES., FALS.,

District Governor 2019–20, RID 3000
President – IAGES - Indian Association of GE Surgeons (2017–18)
President – International College of Surgeons, India (2015–17)
Founder Chairman, Hospital Board of India – IMA, New Delhi
All India Chairman, IMA – AMS, New Delhi (2010–11)

Dr (Mrs) Shakila Zameer, MBBS., D.G.O., FIAMS.,
Dr Z Shakir Tabrez, M.S., M.Ch (Urology), Dip.M.I.S., (Urology)., FICS., FIAGES.,
Dr Z Rubina Shanawaz, M.S., (Obs. & Gyn.) FICS.,

SHANAWAZ HOSPITAL

(ISO 9001-2000 CERTIFIED)

● Pioneer Laparoscopic Centre ● Shakir Images
● A.G.Laser Institute ● Ruby Stone Clinic

First to introduce:

1. Laparoscopic Surgery
2. Laser Surgery
3. Lithotripsy
4. 3D Laparoscopy

In south Tamil Nadu

Specialized Centre for
Advanced Laparoscopic Surgery Laser Surgery
Lithotripsy — ESWL for Calculi

Post Box No. 941, A-20, Main Road, Thillainagar, Thiruchirappalli – 620 018.
Phone No. 0431-2740290, 2741565, 2740575 Fax No. 0431-2741131, e-mail: drzameer2k@gmail.com

2019 HAMBURG

हैम्बर्ग में भारतीय मेहमान नवाज़ी

गे और RIPE मार्क मलोनी उनके पोते पैट्रिक के साथ।

PRIP जॉन जेर्म और जुडी, PRIP राजेन्द्र साबू के साथ।

उषा साबू और TRF ट्रस्टी जूलिया फेल्पस। चित्र में, PRIP कल्याण बेनर्जी भी शामिल हैं।

RIDE भरत पांड्या और माधवी। PRIP के आर रवींद्रन और PDG गणेश चित्र में शामिल हैं।

दाएं से : पाकिस्तान पोलियोप्लस कमिटी चेयरमेन अजीज़ मेमन, कन्वेंशन चेयर जॉन ब्लौंट, पाट्रिका, PRID शेखर मेहता और RIDE कमल संघवी।

PRIP कल्याण बेनर्जी के साथ वरिष्ठ रो ई नेता।

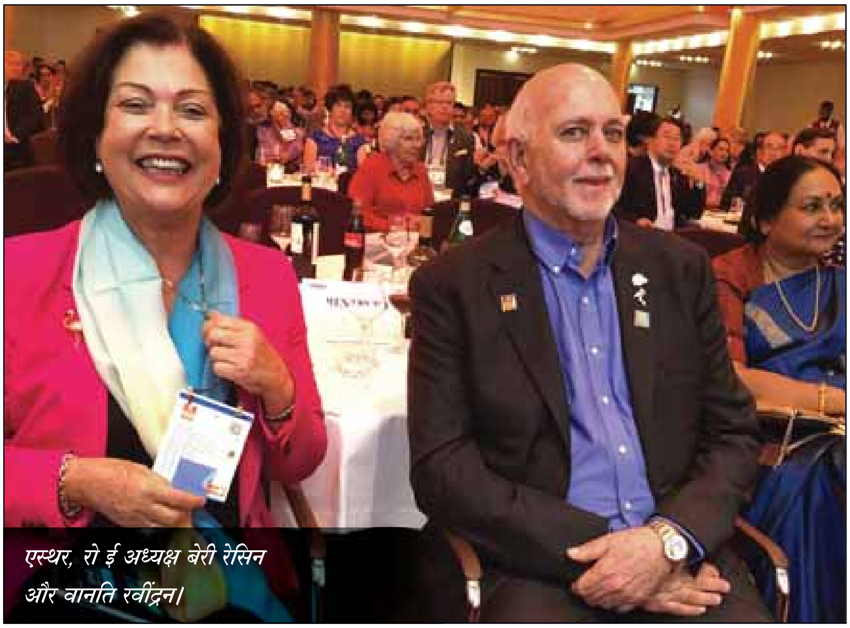

एस्थर, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और वानति रवींद्रन।

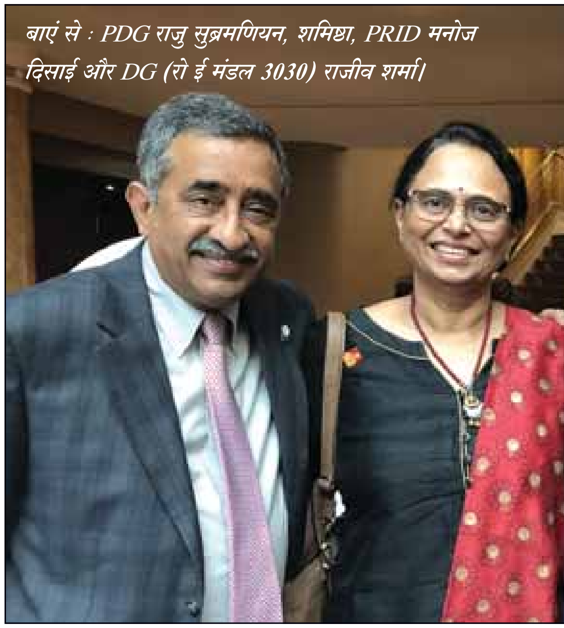

बाएं से : PDG राजु सुब्रमणियन, शमिष्ठा, PRID मनोज दिसाई और DG (रो ई मंडल 3030) राजीव शर्मा।

TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी और SA रिसेप्शन चेयर ई के सगादेवन।
नीचे : PRID शेखर मेहता और PDG राजु सुब्रमणियन, चित्र में शशि मेहता भी शामिल हैं।

सोनल संघवी और माधवी पांड्या।

दाएं से : RID सी भास्कर, माला, माधवी, RIDE भरत पांड्या, PDG सेम पतिबंडला और PRIP के आर रवींद्रन।

PDG गण बासु देव गोल्यान, सेम पतिबंडला, RIDE कमल संघवी और PDG सुभाष साहु।

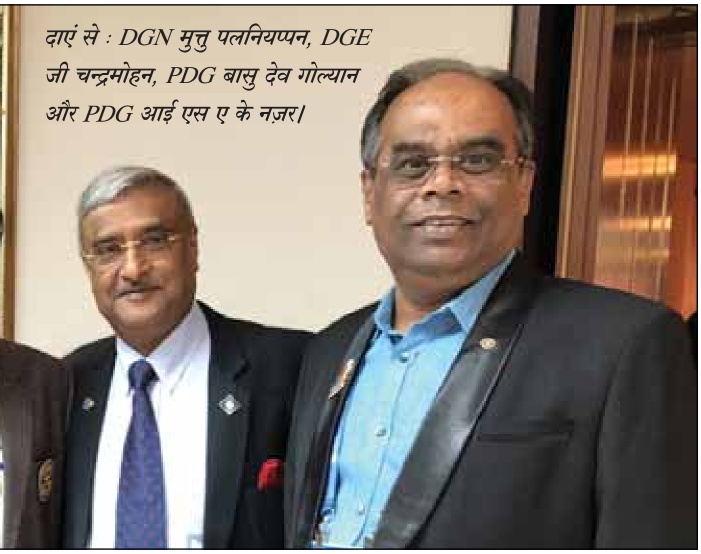

दाएं से : DGN मुत्तु पलनियप्पन, DGE जी चन्द्रमोहन, PDG बासु देव गोल्यान और PDG आई एस ए के नज़र।

RIPN होल्गर नेक और सूसन। चित्र में PRID शेखर मेहता, PRIP राजेन्द्र साबू, राशि और माधवी शामिल हैं।

चित्र: रशीदा भगत; रूपरेखा एस कृष्णप्रतीश

2020-21 रो ई बोर्ड में

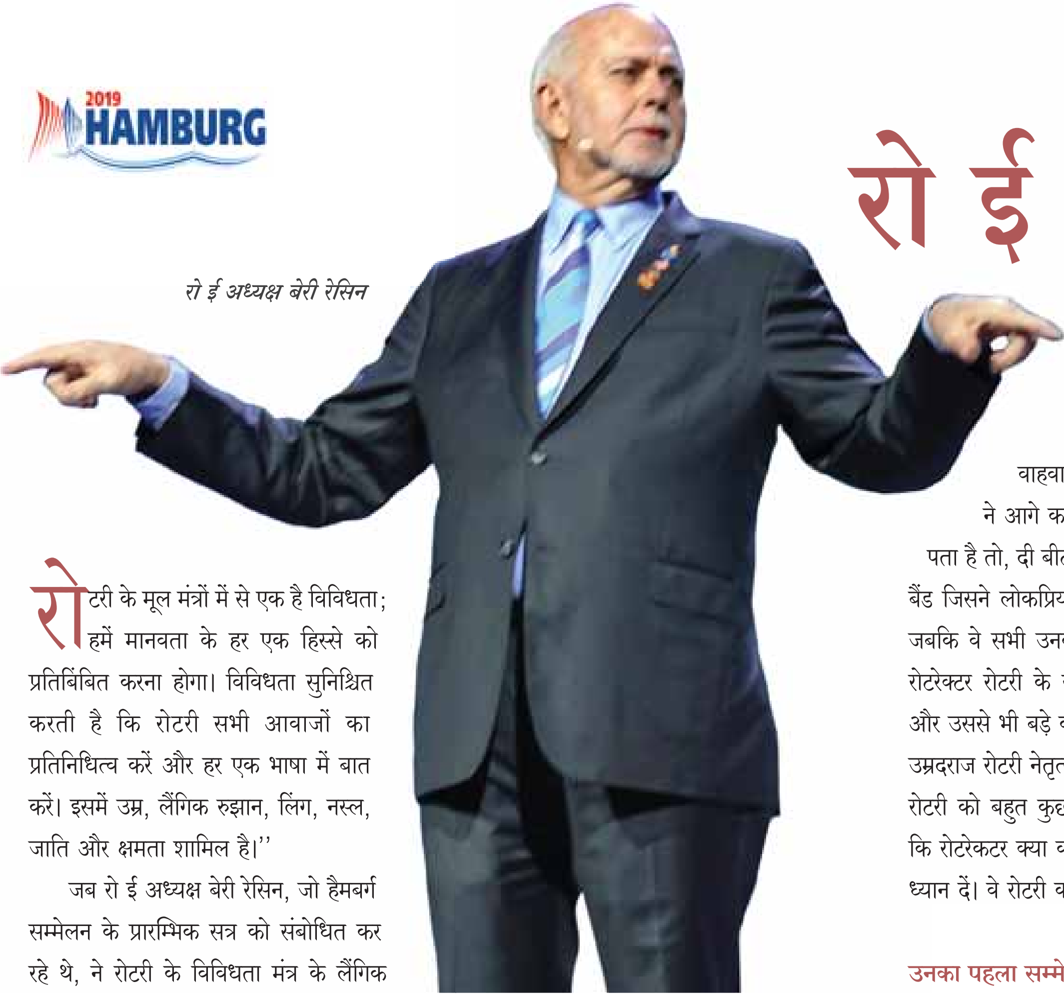

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन

रोटरी के मूल मंत्रों में से एक है विविधता; हमें मानवता के हर एक हिस्से को प्रतिबिंबित करना होगा। विविधता सुनिश्चित करती है कि रोटरी सभी आवाजों का प्रतिनिधित्व करें और हर एक भाषा में बात करें। इसमें उम्र, लैंगिक रुझान, लिंग, नस्ल, जाति और क्षमता शामिल है।''

जब रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, जो हैमबर्ग सम्मेलन के प्रारम्भिक सत्र को संबोधित कर रहे थे, ने रोटरी के विविधता मंत्र के लैंगिक भाग पर बात करना शुरू किया, तो विशेष रूप से महिलाओं की तरफ से बजाई गई तालियों की गड़गड़ाहट से आयोजन स्थल, हैमबर्ग मेसे, का विशाल, खचाखच भरा हुआ हाल गूंज उठा। प्रतिनिधियों ने तालियाँ बजाना और वाहवाही करना जारी रखा जब उन्होंने कहा कि यह अत्यावश्यक है कि ''अधिक महिलाएं रोटरी से जुड़े और नेतृत्व की भूमिका अदा करें। इसलिए, इस वर्ष, रोटरी बोर्ड ने रोटरी में एवं नेतृत्व के पदों पर महिलाओं की संख्या को बढ़ाकर जून 2023 तक 30 प्रतिशत करने का एक लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने हेतु हम कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, और मुझे आशा है कि हम इसे जल्द प्राप्त कर लेंगे।''

और इस बात को साबित करने के लिए कि यह कोरी कल्पना नहीं है, रेसिन ने आगे कहा कि रोटरी वर्ष 2020-21 के दौरान, पहली बार छह महिलाएं रोई बोर्ड में सेवा देंगी। इसका अर्थ है ''बोर्ड के 31 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व। और अभी, हमारे पास रोटरी संस्थान की पहली महिला अध्यक्ष (ब्रेंडा क्रेसी) भी है।''

सम्मेलन में 170 देशों के लगभग 27,000 लोगों ने हिस्सा लिया था।

नेतृत्व

रोटरी के मूल मंत्रों में से एक अन्य मंत्र था नेतृत्व, और यह ज़िम्मेदारी के पद तक पहुँचने से कई अधिक था। मानवीय सेवा में नेतृत्वकर्ताओं के रूप में, रोटेरियनों को सलाह के माध्यम से उनके अनुभवों को साझा करना चाहिए। ''इस पिछले वर्ष में, दुनिया भर के रोटरेकटरों द्वारा दिखाए गए अतुलनीय नेतृत्व से मैं प्रेरित हुआ हूँ।''

जैसा कि उन्होंने उनके निर्दिष्ट क्षेत्र में रोटरेकटरों को - प्रेरणा लाउंज - कहकर पुकारा और एक के बाद एक वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं ने आगामी दिनों में रोटरेकटरों को सहायता के लिए बुलाया, ''मेरे पीछे 'बैठे एक सहभागी ने चिल्लाकर कहा: यह वास्तव में रोटरेकटरों का एक सम्मेलन प्रतीत हो रहा है!' ''

युवाओं द्वारा तालियों एवं वाहवाही से जवाब देने के बाद, रेसिन ने आगे कहा: ''हैमबर्ग, यदि आपको नहीं पता है तो, दी बीटल्स की सच्ची जन्मस्थली है, वह बैंड जिसने लोकप्रिय संगीत का चेहरा बदल दिया, जबकि वे सभी उनकी उम्र के तीसरे दशक में थे। रोटरेक्टर रोटरी के रॉकस्टार है। वे हमें बड़े सपनों और उससे भी बड़े कार्यों से प्रेरित करते है। मैं सभी उम्रदराज रोटरी नेतृत्वकर्ताओं, जिन्होंने इतने वर्षों से रोटरी को बहुत कुछ दिया है, से अपील करता हूँ कि रोटरेकटर क्या कहते है और करते है वे उस पर ध्यान दें। वे रोटरी का भविष्य है।''

उनका पहला सम्मेलन

इस बात पर आश्चर्य प्रकट करते हुये कि इतने सारे रोटेरियन पहली बार सम्मेलन में शामिल हो रहे है, रेसिन ने कहा: ''मैं मेरा पहला सम्मेलन कभी नहीं भूलूँगा। रोटरी सम्मेलन लास वेगास में हो रहा था, तो मैंने सोचा कि क्यों न लास वेगास में मज़े किए जाए? इसके बजाय जो मैंने अनुभव किया वह जीवन-परिवर्तक था। उस सम्मेलन से पहले मेरे लिए रोटरी का मतलब केवल मेरा क्लब और मंडल और हमारे द्वारा किए गए महान काम ही थे। लेकिन उसने मुझे रोटरी द्वारा हर दिन दुनिया भर में की जाने वाली अतुलनीय सेवा, और करोड़ों लोगों की ज़िंदगियों पर पड़ने वाले प्रभाव की दास्तानों के लिए तैयार नहीं किया।''

उन्होंने आगे कहा कि लास वेगास का सम्मेलन रोटरी के प्रति उनके ''समर्पण'' की शुरुआत थी और उसने मुझे संगठन के सर्वोच्च पद तक पहुंचाया। यद्यपि मेरे द्वारा वहाँ सुने गए संदेश शक्तिशाली थे, वह वे लोग थे जिनसे मैं मिला... ''और हमारे द्वारा साझा की गई कहानियाँ थी... जिसने मुझे प्रभावित

में पहली बार

छह महिलाएं

रशीदा भगत

किया। जैसा कि पॉल हैरिस ने एक बार कहा था, 'हमारे लिए रोटरी के चाहे जो भी मायने हो, दुनिया के लिए वह इसके द्वारा हासिल किए गए परिणामों से जानी जाएगी।' ''

कोई जादुई फॉर्मूला नहीं

लेकिन उन परिणामों के पीछे कोई 'चमत्कार' नहीं है; ''वे हमारी निरंतर प्रतिबद्धता और मूल्यों से मिले है।'' अगले चार दिन का कार्यक्रम, उन्होंने आगे कहा, ''प्रेरक कहानियों से भरा होगा जो विविधता, नेतृत्व, साहचर्य, अखंडता, और सेवा के रोटरी के स्वभाव को रेखांकित करेगा।''

रो ई अध्यक्ष ने कहा, ये रोटेरियनों के लिए केवल शब्दों से बहुत अधिक है, मार्गदर्शी सिद्धांतों के होने के कारण ''ये हमारी संस्कृति एवं कार्यों को परिभाषित करते है।''

सामूहिक कार्य रोटरी का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है; ''एक साथ काम करके, हम असीमित संभावनाओं को खोलते है। यह हमारा साहचर्य है जो सभी सीमाओं को पार करके दुनियाभर में रोटरी को शांति का एक बल बनाता है।'' लेकिन यदि रोटरी को एक नेतृत्वकर्ता बनना है, तो इसे एक अन्य मूल मंत्र को भी अपनाना होगा - वह है अखंडता का, क्योंकि केवल इससे ही उन समुदायों में भरोसा और विश्वास जागेगा जिसमें रोटेरियन काम करते है। अखंडता बुरे व्यवहार को ना सहने के बारे में है। ''हम हमारे अधिकारियों और दोस्तों से ज़िम्मेदारी की उम्मीद करते है; हम पेशेवर एवं निजी तौर पर उच्च नैतिक मानकों को लागू करते है। दूसरों के साथ व्यव्हार में, हम निष्पक्ष और विनीत है, और हम सचेत होकर पूरी जिम्मेदारी के साथ हमें सौंपे गए संसाधनों का उपयोग करते है।'' ईमानदारी एवं अखंडता से कार्य करने पर ही, रोटेरियन भरोसा कायम करेंगे और उनके सबसे महत्वपूर्ण मिशनों में से एक में सफल हो पाएंगे, जो है समुदाय की सेवा करना।

पोलियो पर ध्यान बनाए रखें

आखिरकार, रोई अध्यक्ष ने प्रतिनिधियों को याद दिलाया कि दुनिया को पोलियो उन्मूलन की कगार पर लाने में सफल होने के बाद, अब, ''हम हमारे वैश्विक पोलियो साझेदारों के साथ, पोलियो को समापन रेखा तक ले जाने और एक पोलियो-मुक्त दुनिया बनाने के लिए एक नई रणनीति का शुभारंभ कर रहे है।'' इस मोर्चे पर प्रभावी प्रगति होने के बावजूद, उन्मूलन के अंतिम चरण सबसे कठिन साबित हुये और सम्मेलन के सत्रों में रोटेरियनों को पोलियो उन्मूलन प्रयासों के लिए बेहतर विचार एवं संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों तक पहुँचने के लिए अंतिम-चरण रणनीतियाँ मिलेंगी।

उन्हें विश्वास था कि ये रणनीतियाँ सफल होंगी लेकिन केवल पर्याप्त संसाधनों एवं कुशल कार्यान्वयन की मदद से। ''आपकी सेवा हमें इतना आगे लेकर आई है - और इस महान रोटरी मिशन को दुनिया के सभी बच्चों के लिए एक सुखद अंत तक पहुँचाने के लिए हमें अब आपकी सबसे अधिक आवश्यकता होगी। हम मैराथन के अंतिम मील पर है। अंतिम मील हमेशा सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन समापन रेखा नज़रों के सामने है। यह रुकने का समय नहीं है। दुनियाभर के बच्चों से किए गए अपने वादे को हम पूरा कर सकते है, और हमें करना ही होगा,'' उन्होंने कहकर समापन किया।

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

हैमबर्ग से यादगार पल

रशीदा भगत

प्रत्येक रोई सम्मेलन के उसके खास पल होते है और वह अपने आप में अनूठा होता है। मेरे लिए हैमबर्ग सम्मेलन का सबसे निर्धारिक और यादगार पल होगा उसका समापन सत्र जब अब्बा के सबसे यादगार गीतों जिनमें *डांसिंग क्वीन* और *मामा मिया* शामिल है को गाने वाले एक बैंड ने श्रोतागणों को उन सदाबहार गीतों पर तालियाँ बजाने, उन पर झूमने एवं नृत्य करने के लिए विवश कर दिया।

एक व्यक्ति जो उनकी अग्रिम पंक्ति की सीट पर बैठकर अपने पैरों को थपथपाने तक ही सीमित नहीं रह सके वह थे नवनिर्वाचित रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी। बड़े से केंद्रीय मंच के निचले भाग के पास रखे रंगबिरंगे झंडों तक नृत्य करने वाले वह पहले व्यक्ति थे और उन्होंने जोशीले संगीत पर थिरकते हुये कुछ डांस मूव्स किए।

विशाल हैमबर्ग मेसे में, आप हर एक बोधगम्य राष्ट्रीयता के लोगों को देख सकते थे और बहुत सी विदेशी भाषाओं एवं बोलियों को सुन सकते थे। जब आप मुख्य हाल में होने वाले पूर्ण सत्रों तक की लंबी यात्रा करते थे या एक ब्रेकआउट सत्र से दूसरे सत्र में या हाउस ऑफ फ्रेंडशिप में जाते थे, तो यह समझना अच्छा मनोविनोद था कि कौन सी भाषा बोली जा रही है।

इस सम्मेलन का प्रत्यक्ष एवं प्रच्छन्न संदेश था युवाओं की ताकत एवं ऊर्जा, विशेष रूप से

निर्वाचित रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी।

बाएं : एक लाइव बैंड, ABBA के यादगार गानों का प्रदर्शन करते हुए।

रोटरेकटरों की। बहुत से युवा इन्सपिरेशन लाउंज में बैठे हुये थे, जिसे एक पृथक हाल में स्थापित किया गया था, जिसमें अल्पाहार के साथ आराम से पूर्ण सत्र एवं ब्रेकआउट सत्रों को देखने के अनेक विकल्प मौजूद थे... ठीक वैसा जैसा आज के युवाओं को पसंद है।

चूंकि बहुत से वरिष्ठ नेतृत्वकर्ता जिनमें रोई अध्यक्ष बैरी रेसिन शामिल है ने बारंबार इन्सपिरेशन लाउंज में बैठे युवाओं/रोटरेकटरों को पुकारा, मेरे पीछे बैठे एक प्रतिनिधि ने व्यंग्यपूर्वक टिप्पणी की: ''ऐसा लग रहा है मानो यह रोटरी के बजाय रोटरेक्ट सम्मेलन है!''

लेकिन उस संगीत, नृत्य और खुशमिज़ाजी के बीच जिसने हैमबर्ग सम्मेलन में धमाल मचा रखा था, एक मायूसी भी थी, विशेषरूप से भारतीय रोटेरियनों के मध्य जिन्हें बड़े मंच पर अध्यक्ष बैरी रेसिन और आरआईपीई मार्क मलोनी के साथ पीआरआईडी सुशील गुप्ता को ना देख पाने की निराशा को हजम करना पड़ रहा था।

अध्यक्ष रेसिन ने सुनिश्चित किया था कि प्रारम्भिक सत्र में युवाओं की ऊर्जा, जोश, नवप्रवर्तन और कौशल का पर्याप्त प्रदर्शन हो। बहामास से युवा कलाकार, जमाल रोले, ने दर्शकों को तब मंत्रमुग्ध कर दिया जब उसने एक खाली कैनवास लिया और उसपर ब्रश

चलाते हुये लाइव चित्रकारी करना शुरू की जिसमें नाटकीय ढंग से पोलियो की खुराक लेता हुआ एक बच्चा दिख रहा था। उस चित्रकारी को बाद में नीलाम किया गया।

एक सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले एक कोरियाई गायक जो अब मशहूर हो गए है के भावपूर्ण प्रदर्शन के बाद, हमारे साथ जूलियन बिलिव के रूप में एक अन्य मनोरंजनकर्ता मौजूद थे जिन्होंने सभी से उनके साथ नृत्य में शामिल होने का आग्रह करते हुये दर्शकों को हर्षित किया। जिन लोगों ने नृत्य में उनका साथ दिया उनमें अध्यक्ष रेसिन और एस्थर शामिल थे।

प्रेरक नेतृत्वकर्ता

टोस्टमास्टर इंटरनेशनल के साथ रोटरी की साझेदारी का टोस्ट किसी और ने नहीं बल्कि उसके अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष लार्क डोली ने किया। सार्वजनिक वादन एवं नेतृत्व कौशलों में प्रशिक्षित करने की उसकी मूल दक्षताओं के साथ टोस्टमास्टर रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की मदद करेगी।

डॉक्टर पिया स्कारबिस-क्रेरफेल्ड, एक चिकित्सक और बर्लिन से एक रोटेरियन ने अपना वृत्तान्त सुनाकर दर्शकों को वशीभूत किया कि कैसे वह चार वर्ष पूर्व बर्लिन में आए सीरियाई शरणार्थियों के साथ सम्मिलित हुई। शुरुआत में वह केवल उनके लिए बहुत से कपड़े देना चाहती थी, लेकिन जब उन्होंने उनकी भयानक दुर्दशा देखी, विशेष रूप से अत्यंत बीमार बच्चों की जो आसानी से मिलने वाली दवाइयों जैसे तत्काल आवश्यक दर्द-निवारक तक को प्राप्त नहीं कर पा रहे थे,

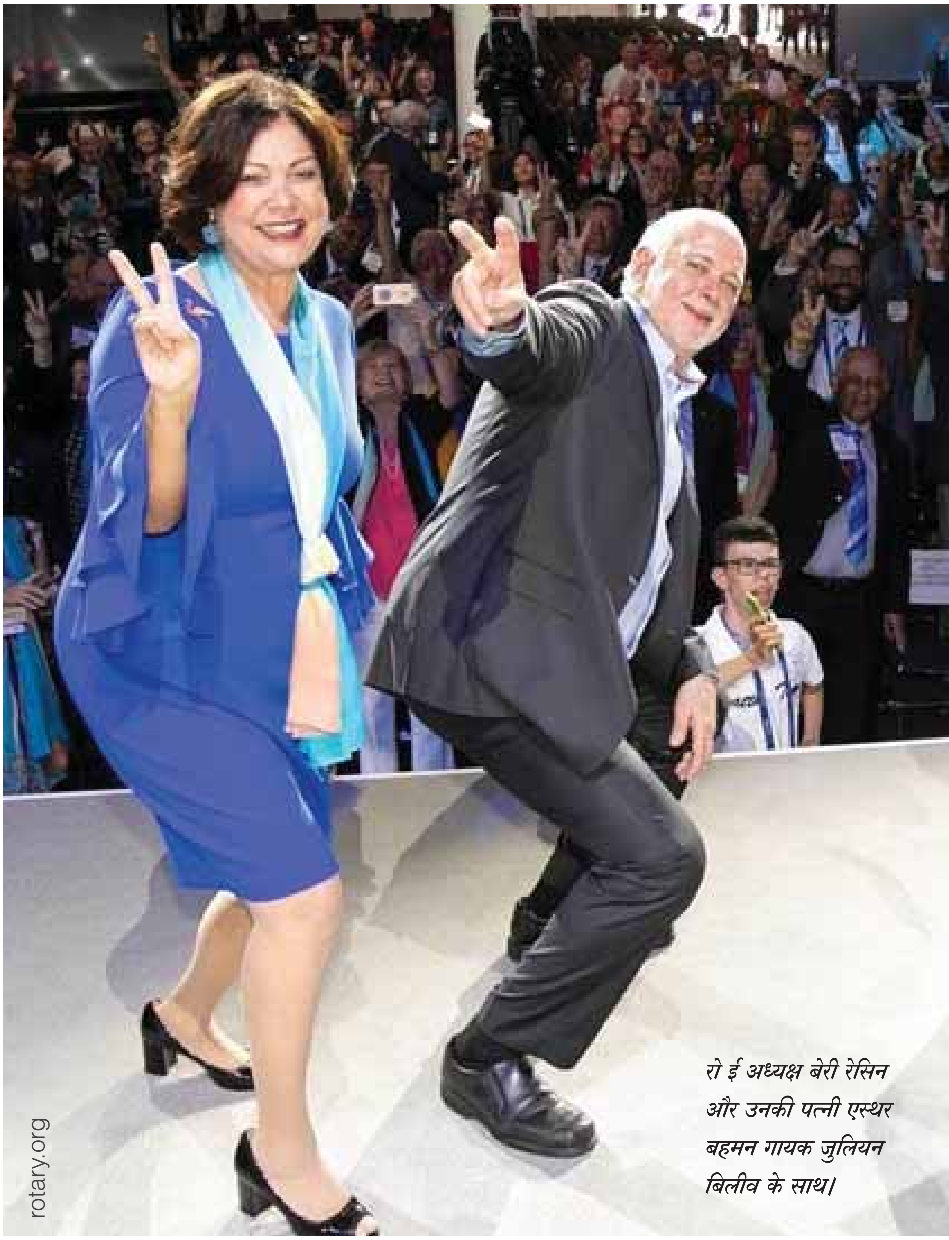
rotary.org

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और उनकी पत्नी एस्थर बहमन गायक जुलियन बिलीव के साथ।

इस सम्मेलन का प्रत्यक्ष एवं प्रच्छन्न संदेश था युवाओं की ताकत एवं ऊर्जा, विशेष रूप से रोटरेक्टरों की।

तो उन्होंने एक स्वयंसेवा शुरू की जिससे आखिरकार शहर भर में मौजूद सामुदायिक केन्द्रों, तम्बू वाले शिविरों और अन्य आश्रयों में रह रहे शरणार्थियों को मदद मिल सकी।

आज उनके स्वयंसेवी संगठन मेडिजिन हिल्फ़्ट (दवाई मदद करती है) के माध्यम से, उन्होंने 100 स्वयंसेवकों को उन लोगों को मुफ्त इलाज प्रदान करने के लिए शामिल किया है जिनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

युवा नेतृत्व

स्पष्ट रूप से रोटरेकटरों की इस सम्मेलन पर छाप थी और पूर्ण सत्रों में से एक सत्र का सम्बोधन मार्केट हार्बोरों, इंग्लैंड, के रोटरेक्ट क्लब के पूर्व अध्यक्ष ऊर्जस्वी क्रिस्टोफर वेल्स कर रहे थे, जिन्होंने अपनी रोटरेक्ट यात्रा की बात करते हुये पलक झपकते ही विशाल मंच के एक छोर से दूसरे छोर तक फिसलकर, झटपट चलकर और उछलकर भीड़ को उत्तेजित किया एवं हँसाया।

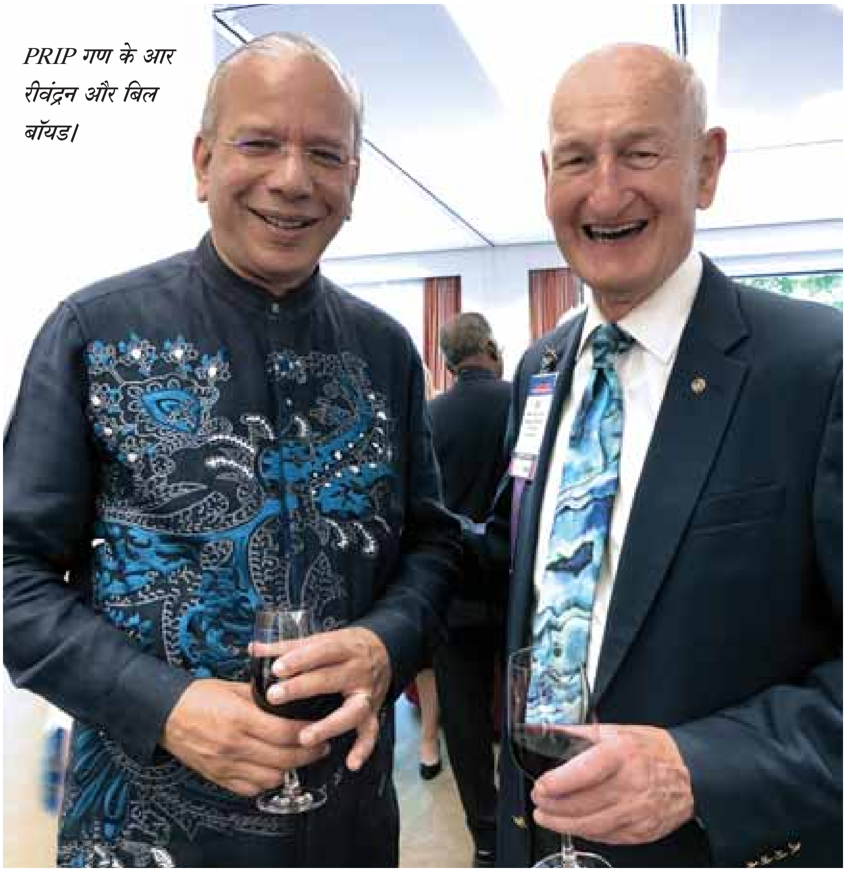

PRIP गण के आर रीवंद्रन और बिल बॉयड।

TRF ट्रस्टी अध्यक्ष ब्रेंडा क्रिसे, टॉम सउर जी एंटवर्प विश्वविद्यालय (बेल्जियम) में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के एसोसिएट प्रोफेसर हैं ,को रोटरी एलुमनी ग्लोबल सर्वीस अवार्ड देते हुए।

उनकी बात सुनकर दर्शकों की हंसी फूट पड़ी जब उन्होंने कहा कि बहुत चिंतन करने के बाद, उन्होंने फैसला किया है कि रोटरी जो करती है वह “dogoodery” है, और उन्होंने उनके क्लब के सदस्यों को ठीक ऐसा ही करने के लिए प्रेरित किया!

सुशील गुप्ता का स्मरण

लेकिन उस संगीत, नृत्य और खुशमिज़ाजी के बीच जिसने हैमबर्ग सम्मेलन में धमाल

बाएं से : PRIP राजेन्द्र साबू, उषा, लोर्ना, PRIP गण बिल बाँयड और कल्याण बेनर्जी।

मचा रखा था, एक मायूसी भी थी, विशेषरूप से भारतीय रोटेरियनों के मध्य जिन्हें बड़े मंच पर अध्यक्ष बैरी रेसिन और आरआईपीई मार्क मलोनी के साथ पीआरआईडी सुशील गुप्ता को ना देख पाने की निराशा को हजम करना पड़ रहा था। कुछ महीने पहले ही अपने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर आरआईपीएन ने पद छोड़ दिया था। लेकिन उनके प्रतिस्थापक, जर्मनी के होल्गर नेक, आकर्षण के केंद्र थे क्योंकि पूर्ण सत्र एवं दक्षिण एशिया अभिग्रहण दोनों में उन्होंने बताया कि कैसे जर्मनी से पहला आरआईपीएन बनने की उनकी खुशी पर अंधकार छा गया था क्योंकि उनके अच्छे मित्र सुशील बीमारी से लड़ रहे थे। सैकड़ों भारतीय रोटेरियनों और अंतर्राष्ट्रीय रोटरी समुदाय में गुप्ता के करीबी मित्रों ने बमुश्किल सहन किया जब नेक ने केंद्रीय सम्मेलन हाल की बड़ी स्क्रीन पर गुप्ता की तस्वीर दिखाई।

हाउस ऑफ फ्रेंडशिप

हैमबर्ग मेसे के सबसे मशहूर स्थानों में से एक था हाउस ऑफ फ्रेंडशिप जो हमेशा रोटेरियनों को अच्छे अवसर प्रदान करता है ताकि वे उनके समुदायों में दिए जाने वाली सेवा को प्रदर्शित कर सकें, दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए साथी रोटेरियनों से मिल सकें और ना केवल नई मित्रता बल्कि अर्थपूर्ण साझेदारियाँ भी गढ़ सके।

हमेशा की तरह रोटरी क्लब मद्रास की वहाँ मौजूदगी थी, और साथ ही पीआरआईडी शेखर मेहता की TEACH परियोजना की भी। इस स्टॉल और ब्रेकआउट सत्र दोनों ने दक्षिण एशिया में साक्षरता की अहमियत पर ज़ोर दिया और समझाया कि स्कूलों को पढ़ने की सुखद जगह बनाने के साथ ही, रोटेरियन बच्चों की शिक्षा,

दक्षिणावर्त :
प्रतिनिधियों द्वारा End Platic Soup, प्लास्टिक के खिलाफ एक लडाई की पहल को बढ़ावा देते हुए का प्रदर्शन।

बिाएं से : *RIDE कमल संघवी, RID जॉन सी मैथ्यूस और मेरी एल्लन मैथ्यूस।*

रो ई कन्वेंशन में प्रतिनिध।

बाएं से : *RIDE भरत पांड्या, माधवी, सोनल और RIDE कमल संघवी।*

RIPE मार्क मार्क मलोनी, उनकी बेटी सुज़ाने ग्रीर के साथ RIDE कमल संघवी, सोनल, RIDE भरत पांड्या और माधवी चित्र में शामिल हैं।

RIPN होल्गर नेक ने PRID सुशील गुप्ता को सम्मेलन में याद किया।

बाएं से : PRID शेखर मेहता, PRIP बिल बॉयड, RIDE भरत पांड्या, माधवी और लोर्ना बॉयड।

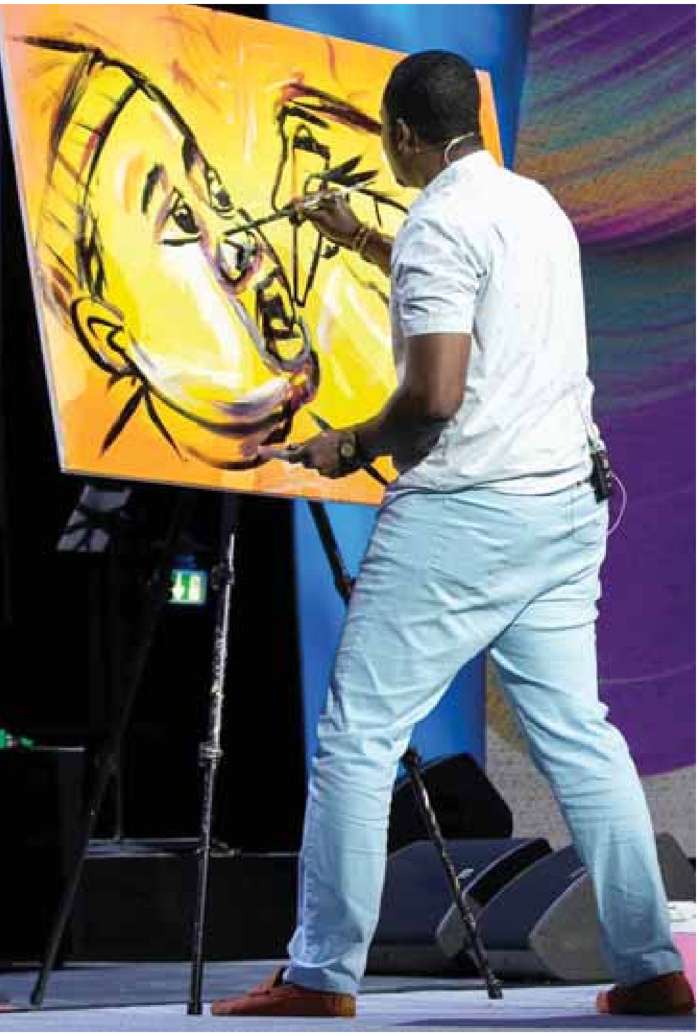

ऊपर : (बाएं से) नयन पटेल, राशी, PRID शेखर मेहता, PRIP कल्याण बेनर्जी और मार्गरेट, रो ई जनरल सचिव जॉन ह्यूको की पत्नी।

बाएं से : चित्रकार जमाल रोले ने 'End Polio' पर बनाई एक लाइव पेंटिंग, समारोह के उद्घाटन पर।

शिक्षकों के प्रशिक्षण और वयस्क साक्षरता के लिए पूरे क्षेत्र में क्या काम कर रहे है।

'End Plastic Soup' वाले एक रोचक स्टॉल ने ध्यान आकर्षित किया और एम्स्टर्डैम से रोटेरियन, विट्ज़िया डी लोहमन, ने रोटेरियनों से पन्नी के कचरे एवं अन्य थैलियों, प्लास्टिक फार्म उपकरण, खिलौने, बोतल, इत्यादि से निर्मित एक बड़ी टोपी को पहनकर धरती माता को पहुँच रहे पर्यावरणीय नुकसान पर अधिक ध्यान देने का अनुरोध करके एक शक्तिशाली निवेदन किया।

सभी की आँखों का आकर्षण

जब सम्मेलन का बैज – जिसके साथ बहुत सी अच्छी चीज़ें मिलती है जैसे हैमबर्ग सार्वजनिक नेटवर्क की मुफ्त यात्रा; हॉप-ऑन-हॉप-ऑफ बस, किसी भी शहर को देखने का एक अच्छा तरीका यदि आप बहुत थके हुये हो और आपके पास पैदल यात्रा करने का समय ना हो, की मुफ्त यात्रा; कुछ संग्रहालयों में मुफ्त प्रवेश – पहने रोटेरयन विस्तृत एवं शानदार हैमबर्ग बन्दरगाह पर मिले, एक तस्वीर ने उन्हें मोहित कर दिया। इस सम्मेलन की टैगलाइन थी 'इन पलो को जी लो,' और उस समय अत्यधिक तस्वीरें खींची गई जब एंड पोलियो का संदेश दिखाती हुई रंगबिरंगी पीले एवं लाल पालों वाली एक नांव कुछ भागीदारों को हैमबर्ग ले गई, और कुछ दिनों तक हैमबर्ग में केंद्रीय बन्दरगाह पर खड़ी रही।

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Subscribe NOW!

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹420/-	₹360/-

(with effect from July 2019)

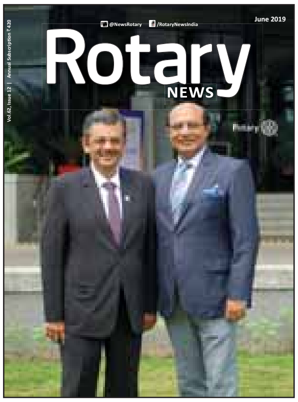

for Rotary News Print Version & e- Version

For the Rotary year 2019 – 2020

As concerned citizens of the world, those of you who are alarmed at the degradation of the environment and slaughter of trees, kindly opt for our e-Version.

Print version ☐ e- Version ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is ₹35 a month.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address, PIN code, Mobile number and e-mail ID. Intimate language preference (English/Hindi/Tamil) against each member's name. Please do not send the Semi-annual Report for address list.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile ....E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "ROTARY NEWS TRUST" is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:
Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Subscription norms

1. Subscription is for the Rotary year (July to June).
2. **It is mandatory for every Rotarian to subscribe to a Rotary magazine.**
3. The annual subscription for print version is ₹420 per member.
4. Subscription for the full year must be sent in July, in the prescribed form.
5. Those joining after July can pay only for the remaining Rotary year at ₹35 an issue.
6. Subscription account of the club with *Rotary News* is a running account and does not cease at the end of June every year.
7. Names of all members, with their complete postal address with **PIN CODE,** mobile number and e-mail ID must be typed and sent along with the form and DD/cheques payable at par.
8. Copies of Semi Annual Report **SHOULD NOT** be sent as address list.
9. Language preference (English, Hindi and Tamil) should be stated alongside member's name.
10. **Members, please ensure that your name is included in the Subcribers' list that your club sends us. Often, names of members who have paid their subscription, are left out from the club list.**
11. Clubs must inform *Rotary News* about reduction in number of members, if any, before or in May. Please help reduce wastage of copies.
12. Clubs are liable to pay for the number of magazines we despatch according to the list available at Rotary News Trust.
13. Unpaid dues of the club will be shown as outstanding against the club. Any payment received subsequently will be adjusted against earlier dues.
14. **Clubs with subscription arrears will be notified to RI and may face possible suspension.**
15. We are in the process of tallying our subscriber list with RI membership from India.
16. If you want to switch to *The Rotarian*, please do so. But inform us **immediately** to avoid receipt of *Rotary News*. Or else your club will have to pay for it.

प्रतिवर्ष रोटेरियन 850 मिलियन डॉलर मूल्य के 45 मिलियन सेवा घंटे के प्रयास करते है

रशीदा भगत

जब रो ई महासचिव जॉन ह्यूको ने घोषणा की कि पहली बार रो ई के पास रोटेरियनों द्वारा सामुदायिक सेवा में लगाए गए स्वयंसेवा घंटों को परिमाणित करने के लिए ठोस संख्या मौजूद है - और यह संख्या एक सामान्य वर्ष में 45 मिलियन घंटों के स्वयंसेवा प्रयासों जितनी बड़ी है - तो हैमबर्ग सम्मेलन में मौजूद हजारों प्रतिनिधियों ने जोरदार तालियाँ बजाई। यह आनुभविक विश्लेषण, जो एक वैश्विक सेवा संगठन द्वारा किया गया प्रथम है, जॉन होपकिंस यूनिवर्सिटी की मदद से रोटेरियन स्वयंसेवकों के प्रभाव को मापने के लिए किया गया था। ''स्वयंसेवा प्रभाव को मापने की यूनिवर्सिटी की सुव्यवस्थित पद्धति एकमात्र ऐसी है जिसे यूएन और आईएलओ ने आधिकारिक तौर पर मान्यता दी है।''

प्राथमिक निष्कर्षों से निकले एक 'सतर्क अनुमान' के मुताबिक रोटेरियनों द्वारा एक सामान्य वर्ष में लगाए जाने वाले 45 मिलियन स्वयंसेवक घंटों का आर्थिक मूल्य 850 मिलियन डॉलर था! ''और इस आंकड़े में वस्तु के रूप में किए गए योगदानों और रोटरी क्लबों एवं रोटरी संस्थान द्वारा प्रति वर्ष इकट्ठा किए जाने वाले योगदान तो शामिल ही नहीं है, जो कि आसानी से इस आंकड़े को दोगुना कर सकते है!''

इसे रोटरी के प्रभाव का ''एक शक्तिशाली प्रदर्शन'' कहते हुये, ह्यूको ने कहा इसने ''हमें एक झलक दिखाई है कि यदि हम भविष्य की अपनी परिकल्पना को पाने की कोशिश करने के लिए अखंडता के साथ नेतृत्व करें तो हम क्या कर सकते है।'' रोटरी के समक्ष चुनौतियाँ बहुत अधिक थी, लेकिन संगठन ऐसे ''नेतृत्वकर्ताओं से भरा हुआ था जो उनके समुदायों में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध थे।''

सवाल यह था कि क्या ''हम एक ऐसी दुनिया में नेतृत्व कर सकते है जहाँ सामाजिक संस्थानों में विश्वास खो चुका है? क्या हम ऐसे समय में नेतृत्व कर सकते है जब सरकारों एवं अंतर्राष्ट्रीय निकायों पर लोगों का रोष चरम तक पहुँच गया हो? इसमें कोई शक नहीं है कि हम कर सकते है।''

रोटरी में नेतृत्व के सार को परिभाषित करते हुये, ह्यूको ने प्रतिनिधियों से कहा एक ''गैरसरकारी संगठन - ना कि सरकारी या संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्था - के साहस के बारे में सोचिए जिसने इतनी बड़ी चुनौती को हाथों में लेकर पोलियो को उन्मूलित करने पर यकीन किया!''

पोलियो पर प्रगति इसलिए हुई क्योंकि रोटेरियनों की एक बड़ी टीम ने मिलकर कदम उठाए। एक अन्य अत्यंत महत्वपूर्ण घटक जो रोटरी के डीएनए का हिस्सा था वह नेतृत्व एवं अखंडता का ''एक विशेष संयोजन था जो हमें कार्यवाही करने वाले एवं चुनौतियों के जवाब में एकजुट होने वाले लोगों के रूप में परिभाषित करता है।''

रोटरी का नेतृत्व अनेक स्तरों पर सुस्पष्ट रहा है; ''1945 में यूएन के चार्टर को तैयार करने में रोटेरियनों की भूमिका से लेकर पोलियो उन्मूलन, यूथ एक्स्चेंज और शांति कार्यक्रमों, हमारी स्थानीय क्लब परियोजनाओं, और हमारे छह ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों तक।''

यह निर्धारित करने का कर्तव्य हर एक रोटेरियन के कंधे पर है कि क्या रोटरी भविष्य में भी नेतृत्व कर सकती है, अतीत के इसके शानदार इतिहास के आधार पर और भविष्य में निर्णायक कदम उठाकर।

यह भी रोटरी के इतिहास में एक विशेष वर्ष है क्योंकि इसकी नई रणनीतिगत योजना का विमोचन होगा, जो रोटरी के भविष्य का खाका प्रस्तुत करेगा। इसने देखा कि कैसे रोटरी को तेजी से बदलती हमारी दुनिया की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित होना एवं बदलना चाहिए, और इसे हमारी सदस्यता की विविध जनसांख्यिकी और रोटरी के आने वाले सदस्यों के अनुरूप तैयार किया गया है। योजना में चार प्राथमिकताएँ है - रोटरी के प्रभाव में वृद्धि, उसकी पहुँच का विस्तार, भागीदारों के कार्यों को बढ़ाना, और अनुकूल बनने की इसकी काबिलियत को सुधारना, हेव्को ने आगे कहा।

रो ई महा सचिव जॉन ह्यूको।

चित्र: रशीदा भगत

अलोहा की भावना

हेंक सार्टिन

आपने सुना होगा कि अलोहा नमस्कार और अलविदा दोनों के लिए हवाईयन शब्द है। वास्तव में, अलोहा एक अधिक समृद्ध शब्द है: इसमें प्रेम, स्नेह, शांति, करुणा और दया सन्निहित है। अलोहा हवाईयन के लिए जीवन का एक तरीका है, एक ऐसा शब्द जो सद्भाव से रहने, धैर्य रखने, सभी के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने और अपने 'ओहाना' - हवाईयन में परिवार को सूचित करने वाला शब्द - के साथ खुशी साझा करने पर जोर देता है। जब आप 6-10 जून 2020, होनोलूलू में आयोजित रोटरी अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगे, तो आप उन मूल्यों को पहली बार अनुभव करेंगे।

सन 1850 ईस्वी में, राजा कामेहामेहा खखख ने आधिकारिक तौर पर होनोलुलु को अपने राज्य की राजधानी घोषित किया, और तब से यह शहर हवाई द्वीप में सरकार का केंद्र रहा है। हवाई द्वीप का सबसे बडा शहर, होनोलुलु एक जीवंत महानगर है, जहाँ अनेक रेस्तरां ताजी लजीज व्यंजनों को पेश करते हैं, और विश्व-स्तरीय खरीदारी और पारंपरिक हवाई संस्कृ ति का अनुभव देते हैं।

शहर और हवाई द्वीप प्राकृ तिक सुंदरता के साथ-साथ लगातार सूर्य की रोशनी प्रदान करते हैं। विश्व-प्रसिद्ध वाइकीकी बीच पर चहलकदमी करें; डायमंड हेड के नाम से प्रसिद्ध लीची क्रेटर से होकर यात्रा करें; या हनुमा खाडी में हरे समुद्री कछुओं के साथ तैरने का आनंद लें। अपने पूरे परिवार के साथ वर्ष 2020 के सम्मेलन में भाग लें और अलोहा की भावना का आनंद उठाएं।

HONOLULU
HAWAII 2020

riconvention.org पर वर्ष 2020 के होनोलूलू सम्मलेन के लिए पंजीयन कराएं

उत्साह के लिए हाई-फाइव

नी हाओ, रोटेरियनों!

मैं रोटरी संस्थान के न्यासियों के अध्यक्ष के रूप में अपनी नई भूमिका के तहत हर माह आपसे संपर्क करने का यह अवसर पाकर बहुत उत्साहित हूँ। जब मैं उन अद्भुत कार्यों की ओर देखता हूँ जो इस वर्ष संस्थान को करना है, तो मैं अचंभित हो जाता हूँ। हम दुनिया पर इतना बड़ा, स्थायी प्रभाव डाल रहे है। निकट भविष्य में, दुनिया से पोलियो का नामोनिशान मिट जाएगा - वो भी आपकी वजह से।

अध्यक्ष की मेरी भूमिका मुझे मेरे द्वारा हाई स्कूल की बास्केटबॉल टीम में निभाई गई भूमिका के समान लगती है। मैं पॉइंट गार्ड था। मेरा काम था कोर्ट पर बॉल को लाना और इस बात को सुनिश्चित करना कि मेरी टीम के साथियों को बॉल तब मिले जब वे खाली हो। उन्हें शॉट मारते देखने से बढ़कर मेरे लिए कोई ख़ुशी नहीं होती थी।

जब हम खेला करते थे उस समय हाई-फाइव नहीं चलता था, लेकिन मुझे हर बास्केट पर हाई-फाइव देने पर ख़ुशी होती। अब मैं वह आपको देने के लिए उत्सुक हूँ। इसके बारे में सोचिये: संस्थान को हाई फाइव देने के लिए आप बहुत कुछ कर सकते है। इसकी शुरुआत मैंने हांग परिवार के सभी पाँच सदस्यों - मेरी पत्नी, तीन बच्चों, और मैं स्वयं - को रोटरी में शामिल करके और साल दर साल संस्थान में दान करके की।

अब, चलिए देखते है कि अगले वर्ष हम सब कितने हाई-फाइव दे सकते है। चाहे आप पाँच अधिक चैक कांटे, पाँच अधिक अनुदान संचयन कार्यक्रमों का आयोजन करें, पाँच नए दानकर्ता ढूंढें, या सादगी से पाँच डॉलर अधिक दे, हर एक हाई-फाइव महत्व रखता है।

इस वर्ष, मैं मेरे सभी सोशल मीडिया एकाउंट्स को दुनिया भर में मेरे द्वारा दिए गए रोटरी संस्थान के हाई-फाइव से भरने जा रहा हूँ और साथ ही मैं उन उदार लोगों की कहानियाँ भी बताऊंगा जो हमें हमारे लक्ष्यों के करीब ला रहे है। फेसबुक (@garyckhuang) पर मुझसे जुड़िये और अपनी कहानियाँ साझा कीजिये। अपने स्वयं के हाई-फाइव को देने में संकोच मत कीजिए।

चलिए अपने लक्ष्यों को हासिल करके आगे बढ़ते रहते है। क्लबों के पास बढ़िया परियोजनाएं है - वे हम पर भरोसा कर रहे है। और दुनिया भर के बच्चे हम पर भरोसा कर रहे है। फिलहाल - आप मुक्त है! शॉट मारिये! चलिए इस वर्ष को संस्थान का अब तक सबसे अच्छा वर्ष बनाएं।

गेरी सी के हुआंग
फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

होल्गर नेक के साथ बातचीत

डेव किंग

जब होल्गर नेक दो साल के समय में पदभार ग्रहण करेंगे तो वह जर्मनी से रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के पहले अध्यक्ष बन जाएंगे। हैमबर्ग में हुये रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डेव किंग ने उनसे बातचीत की।

हैमबर्ग के उत्तर-पूर्व में 40 मिनट की दूरी पर स्थित श्लेसविग-होल्स्टीन के सुंदर नगर रेट्ज़बर्ग में मई की चिलचिलाती दोपहर के पाँच बज रहे थे।

होल्गर नेक उस मनोहर नगर, जो चार झीलों - कचेंसी, स्टेडसी, डोमसी और बड़ी रेट्ज़बर्ग झील - से घिरे एक द्वीप पर बसा हुआ है, में स्थित उनके घर के साफ-सुथरे बगीचे की देखरेख कर रहे थे।

नेक ने याद किया, ''मैं बगीचे में था, कुछ खास नहीं कर रहा था, बस टहल रहा था, नेक ने याद किया। मुझे किसी का कॉल आने की उम्मीद नहीं थी।''

लेकिन फोन एक ऐसी खबर के साथ आया जो उनकी और उनकी पत्नी सुसैन की ज़िंदगी हमेशा के लिए बदलने जा रही थी। खबर कि नेक, पूर्व में एक बेकर जो किसी जमाने में उनके दिन की शुरुआत भोर होते ही किया करते थे, को वर्ष 2020-21 के लिए रोटरी अंतर्राष्ट्रीय का अध्यक्ष चुन लिया गया है।

''यह पूरी तरह आश्चर्य की बात थी क्योंकि घोषणा अगले दिन तक नहीं होने वाली थी। फोन नामांकन समिति के अध्यक्ष माइक मेकगवर्न का था। उन्होंने कहा 'मुझे यह बताते हुये प्रसन्नता हो रही है कि समिति ने आपको 2020-21 के लिए अध्यक्ष चुना है।' ''

''माइक को जवाब देने में मुझे थोड़ा समय लगा। मैं अवाक एवं स्तब्ध था। मुझे इसकी बिलकुल उम्मीद नहीं थी। मैं इस फोन के लिए तैयार नहीं था।''

दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संगठन का नेतृत्व करने का पद तब रिक्त हुआ जब रोटरी क्लब दिल्ली मिडवेस्ट के सुशील गुप्ता ने साल की शुरुआत में स्वास्थ्य कारणों से 2020-21 के लिए अध्यक्ष-निर्वाचित का पद छोड़ने का निश्चय किया।

गुप्ता भारत से चौथे रो ई अध्यक्ष होते, और जर्मनी से पहले अध्यक्ष के लिए, यह असमंजस भरा पल था। नेक ने गुप्ता को यह स्वीकार करते हुये लिखा कि ''अध्यक्ष पद के नामांकन को स्वीकार करने को लेकर उनके मन में संशय था।

लेकिन गुप्ता ने इस बात का आग्रह करते हुये जवाब दिया कि उनके साथी रोटेरियन को चिंता नहीं करना चाहिए, उस पल का आनंद लें, और उन्हें शुभकमनाएँ दी। इससे मेरे लिए यह आसान हो गया क्योंकि मेरे पास सुशील का समर्थन था,'' नेक ने आगे कहा।

वह 27 वर्षों से रोटरी क्लब हेरजोग्टम लोएनबर्ग-मोल्न के एक सदस्य है। पूर्व में वह नेक एंटरप्राइसेस, एक 125-वर्ष पुराने पारिवारिक व्यवसाय, के साझेदार और महाप्रबंधक थे और रियल एस्टेट कंपनी, नेक केजी, चलाते है।

वह 43 वर्षों से सुसैन के साथ विवाहित है; दंपति के कोई बच्चे नहीं है और इतने वर्षों में 43 विद्यार्थियों को अपने घर में ठहराकर वे रोटरी यूथ एक्स्चेंज कार्यक्रम में बहुत अधिक सम्मिलित है।

RIPN होल्गर नेक।

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर के साथ RIPN होल्गर नेक।

''इस बात में कोई संदेह नहीं है कि रोटरी अध्यक्ष बनना नेक और सुसैन के लिए एक जीवन-परिवर्तक पल है।'' वह एक गौरवान्वित जर्मन और यूरोपियन दोनों है, और अचानक से बनाई गई कुछ योजनाएं, जिनमें कुछ रोटरी दौरे शामिल है, असफल हो चुके है।

उनकी थीम की बात करें तो, उसके बारे में एवं उनके अध्यक्षीय वर्ष के लिए एक प्रतीक चिन्ह के बारे में सोचने के लिए उनके पास कुछ महीने है। लेकिन पहले से ही, दो स्पष्ट थीम सामने है। पहली है रोटरी सदस्यता की विविधता का विस्तार करने के लिए अधिक रोटरेक्ट क्लबों को स्थापित करने हेतु वर्तमान रोई अध्यक्ष बैरी रेसिन द्वारा शुरू किए गए कार्यों को जारी रखने की इच्छा।

दूसरी है अधिक युवाओं, एवं महिलाओं, को संगठन से जुड़कर नेतृत्व की भूमिकाओं को निभाने के लिए प्रोत्साहित करना।

उनकी अध्यक्षता के दौरान, छह महिलाएं निदेशक मंडल में सेवाएँ देंगी। जब उनसे इस बात का पूर्वानुमान लगाने के लिए कहा गया कि रोटरी अंतर्राष्ट्रीय को उसकी पहली महिला अध्यक्ष कब मिलेगी, तो उन्होंने बड़ी सफाई से, व्यवहारकुशलता के साथ अपना बचाव किया।

''यह एक बहुत अच्छा सवाल है, और उन सवालों में से एक है जो मैं स्वयं से पूछ रहा हूँ,'' नेक ने उत्तर दिया। ''रोटरी में अधिक महिलाओं को लाना हमारे मूल मंत्रों में से एक है, जो कि बहुत स्पष्ट है, और हमें उन मूल्यों का आदर करना चाहिए।''

रोटरी बोर्ड ने हमें जून 2023 तक रोटरी एवं नेतृत्व के पदों में महिलाओं की संख्या को बढ़ाकर 30 प्रतिशत तक लाने का एक ऊंचा लक्ष्य दिया है। लेकिन यदि हम कुछ हासिल करना चाहते है, तो हमें स्वयं के लिए ऊंचे लक्ष्यों का निर्धारण करना होगा।

''जो मैं कहूँगा वह यह है कि यह नामांकन समिति की ज़िम्मेदारी है कि वह सर्वश्रेष्ठ का चुनाव करें। मैं नहीं जानता कि मेरे बाद अध्यक्ष पद के लिए कौन खड़ा होगा या नामांकन समिति में कौन होगा।''

''मैं नहीं जानता कि मेरा उत्तराधिकारी कौन होगा, लेकिन जो भी है मैं उनसे प्रसन्न हूँ। मेरे उत्तराधिकारी का चुनाव एक लोकतान्त्रिक तरीके से किया जाता है इसलिए यह कहना अनुचित होगा कि यदि मेरा उत्तराधिकारी एक महिला होगी तो अच्छा होगा।''

उन्होंने आगे कहा: ''रोटरी के 1.2 मिलियन लोगों का विश्वास एवं समर्थन पाकर मैं सम्मानित हूँ। अध्यक्ष के रूप में, मेरी योजना रोटरी का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुत करने की है जहाँ सभी पृष्ठभूमियों के लोग स्वयं को हमारी सेवा एवं प्रभाव में प्रतिबिम्बित होते देख सकें।''

''बेशक, रोटरी अध्यक्ष बनने पर मैं उत्साहित हूँ। मेरी पत्नी सुसैन के बिना, कुछ भी काम नहीं करेगा, और आप यह कार्य नहीं कर सकते। लेकिन हम दोनों को इस पल की प्रतीक्षा है, और आगे जो काम है उसके लिए हम ऊर्जा से परिपूर्ण है।''

लेखक रोटरी ग्रेट ब्रिटन और आयरलैंड के संपादक हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

केरल में 1,000 परिवारों के लिए रोटरी घरों का निर्माण

टीम रोटरी न्यूज़

अब कोई भी व्यक्ति केरल के पांच राजस्व मंडलों में 1,000 से अधिक नव-निर्मित घरों पर रोटरी चक्रका चित्र देख सकता हैं, जिसमें रो ई मंडल 3211 शामिल है। मंडल के 139 क्लबों ने एकसाथ मिलकर 316 नए घरों और *स्नेहवीडु* - अनाथों के लिए एक घर उपलब्ध कराने की परियोजना हैं - के अधीन 700 आंशिक रूप से निर्मित घरों का निर्माण कार्य पूरा किया, जो डीजी ई के ल्यूक के मस्तिष्क की उपज है।

इस वृहद आवास परियोजना के सफल समापन के साथ, रोटरी ने केरल सरकार के जीवन मिशन कार्यक्रम को मजबूत किया है, जिसके प्रमुख उद्देश्यों में से एक में 'अनाथों के लिए घर' का निर्माण करना शामिल है।

RID सी भासक्र एक नए घर का उद्घाटन करते हुए। चित्र में DG ई के ल्यूक, PDG गण के एस शशिकुमार, आर रेघुनाथ, जॉन सी नेरोथ, DGE थॉमस वावनिकुनेल और PDG जॉन डैनियल शामिल हैं। माला अति बाएं खड़ी हैं।

एक शानदार शुरुआत

स्नेहवीडु पर पिछले वर्ष जुलाई में आयोजित एक मंडल संगोष्ठी बहुत सफल साबित हुई थी, जिसमें करीब 1,000 रोटेरियन ने भाग लिया था। ''उसी दिन, केरल के राज्य वित्त मंत्री टी एम थॉमस इस्साक द्वारा दस परिवारों को नवनिर्मित रोटरी घरों की चाभी सौंपी गई,'' परियोजना के अध्यक्ष बाबूमन कहते है। रोटेरियन के सहयोग और सीएसआर के उदार आर्थिक मदद से, 500 घरों के प्रारंभिक लक्ष्य को संशोधित कर 1,000 इकाइयों के निर्माण का लक्ष्य साधा गया था।

पीआरआईडी सी भास्कर ने अपनी अर्धांगिनी माला के साथ कुछ महीने पहले ही तीन नए घरों का उद्घाटन किया था।

स्नेहवीडु परियोजना को पीडीजीएस के एस शशिकुमार, के पी रामचंद्रन नायर, एसोसिएट गवर्नर एम अजीत कुमार और मंडल महासचिव एन शाइन कुमार के सहयोग के साथ बाबूमोन के नेतृत्व में एक प्रतिबद्ध टीम द्वारा निष्पादित किया गया। ■

DG ल्यूक और परियोजना अध्यक्ष के बाबुमोन, एक लाभार्थी को घर सौंपते हुए।

कोडगु में निर्मित घरों को लाभार्थियों को सौंपा गया

टीम रोटरी न्यूज़

पिछले वर्ष केरल एवं कर्नाटक में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान, ''कर्नाटक के कोडगु जिले में भूस्खलन के कारण 3,500 हेक्टेयर क्षेत्र में तबाही मची, जिससे 2,500 किमी की सड़कों को नुकसान हुआ और 1,000 से अधिक परिवार बेघर हो गए क्योंकि उनके घर तबाह हो गए थे,'' पीडीजी के रवि अप्पाजी, रोई मंडल 3181, कहते है।

डीजी पी रोहिनाथ, और अप्पाजी, जिन्हें कोडगु के पुनर्निर्माण का परियोजना अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, और DRFC पीडीजी के कृष्णा शेट्टी के नेतृत्व में, मंडल 3181 के रोटेरियन बेघरों के लिए घरों का निर्माण करने हेतु आगे आये। PRIP कल्याण बेनर्जी और रो ई निदेशक सी भास्कर की मदद से, हमने हैबिटैट फॉर ह्यूमैनिटी इंडिया के साथ पहले चरण में ₹5 लाख प्रति घर की लागत से 25 घरों का निर्माण करने हेतु एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया। परियोजना की कुल लागत ₹1.26 करोड़ है, वह कहते है।

DG रोहिनाथ (बाएं से चौथे) और PDG रवि अप्पाजी (दाएं से दूसरे) की उपस्थिति में PRIP कल्याण बेनर्जी दो बाढ़ पीड़ित परिवारों को घर सौंपते हुए।

पहले चरण के लिए, भूस्वामित्व वाले 25 लाभार्थियों का चयन मदिकेरी से 12 किमी दूर स्थित मदापुर गाँव से किया गया, क्योंकि बारिश से वहाँ अत्यधिक नुकसान हुआ था। 14 फरवरी को भूमि पूजा हुई, 28 मार्च को निर्माण शुरू हुआ और 18 जून को, सिर्फ तीन महीनों बाद, घर तैयार हो गए थे और PRIP कल्याण बेनर्जी द्वारा उन्हें लाभार्थियों को सौंप दिया गया।

घरों को लाभार्थियों को समर्पित करते हुए, बैनर्जी ने बढ़िया काम करने एवं एक और मंजिल खड़ी करने लायक मजबूत नींव के साथ मकानों का निर्माण करने के लिए रोटेरियनों की प्रशंसा की। उन्होंने हैबिटैट फॉर ह्यूमैनिटी इंडिया का धन्यवाद किया और बाढ़-पीड़ितों के लिए अधिक घरों के निर्माण में उनकी मदद एवं समर्थन करने का वादा किया। ''एक घर परिवार को हमेशा आशा, स्थिरता और सांत्वना प्रदान करता है, और सुनिश्चित करता है कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित लोग अपने जीवन में आगे बढ़ सके,'' वह कहते है।

डीजी रोहिनाथ, पीडीजी अप्पाजी, पीडीजी कृष्णा शेट्टी, रो ई मंडल 3182 के डीजी अभिनन्दन शेट्टी, हैबिटैट के एमडी राजन सेमुअल, डीजीई जोसफ मैथ्यू, DGN एम रंगनाथ भाट और रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के अध्यक्ष डी रविशंकर कार्यक्रम में मौजूद थे। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

कर्नाटक के रोटेरियन पृथ्वी को हरा-भरा बनाने का समर्थन करते हैं

वी मुत्तुकुमारन

भारत दुनिया में खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी केवल तभी बन सकता है यदि हम ज़मीन, नदी एवं हवा जैसे प्राकृतिक तत्वों की प्राकृतिक गुणवत्ता को पूर्व रूप में ला सके। भारतीय उपमहाद्वीप की ज़मीन की प्रति घन फीट मिट्टी में 10,000 सूक्ष्म जीव होने के कारण यह दुनिया में सबसे उपजाऊ है, ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरू जग्गी वासुदेव ने बेंगलुरु में रो ई मंडल 3190 के वार्षिक कार्यक्रम इंटर-सिटी जनरल फोरम (ICGF) को सम्बोधित करते हुए कहा।

उन्होंने औपचारिक रूप से कर्नाटक के कोलार और चिक्काबल्लापुर ज़िलों में तीन वर्षों में चरणबद्ध कार्यक्रम के तहत एक करोड़ पौधे लगाने की महत्वाकांक्षी परियोजना *कोटी नाटी* का शुभारंभ किया।

समय आ गया है कि हम अपनी पारिस्थितिक समस्याओं का निवारण करें और यदि हम मानवता को ऊर्जावान एवं रचनात्मक रूप से व्यस्त रखना चाहते है, तो हमें धरती माता को पुनः स्वस्थ करना होगा। यदि वर्तमान संकट को काबू में नहीं किया गया, तो भारत की 40 प्रतिशत भूमि में 2 प्रतिशत से कम जैविक तत्व रह जाएंगे जिससे कि मिट्टी बंजर हो जाएगी, सद्गुरु ने कहा। देश भर में चलाए गए *रैली फॉर रिवर्स* अभियान के माध्यम से जागरूकता फैलाने में मिली सफलता का हवाला देते हुए, ईशा के संस्थापक ने कहा, ''रोकबांध या संग्रहण टंकी बनाने के बजाय नदी के किनारों और नदी की घाटी के किनारे पेड़ लगाकर नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए इसे एक दशक की कार्यवाही होना चाहिए। इस संदर्भ में, मिट्टी एवं

बाएं से : रोटरी क्लब राजमहल विलास अध्यक्ष राजाराम कृष्णमूर्ति, कोटी नाटी परियोजना संरक्षक के अमरनारायना, रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड्स अध्यक्ष डी रविशंकर, इशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव, अनिता हरि, DG सुरेश हरि, DGE समीर हरियानी और DGND फ़ज़ल महमूद।

एक बड़ी वनरोपण परियोजना

वनरोपण परियोजना में कर्नाटक सरकार द्वारा दिये जा रहे समर्थन के साथ, ग्राम पंचायतों के अधिकार क्षेत्र में पौधारोपण के लिए MNREGA कोष उनके माध्यम से भेजा जाएगा, परियोजना सलाहकार के अमरनारायण ने कहा। इस परियोजना के लिए प्रारम्भिक धन के लिए दी पाओला दकोजू रविशंकर फ़ाउंडेशन ने 1 करोड़ दिये है।

राज्य के हसीरु संरक्षण कार्यक्रम का टैग *कोटी नाटी* तक भी विस्तारित होगा और इस आधिकारिक योजना से धन निकाला जाएगा। क्लबों एवं रोटेरियनों से मिलने वाले दानों के अलावा, हम सीएसआर कोषों का भी उपयोग कर रहे है, रोटेरियन नील माइकल जोसफ ने कहा। आगे, उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी भागीरथी ट्रैवल्स उदारतापूर्वक सहयोग करेगी और दो जिलों में *कोटी नाटी* के लॉजिस्टिक्स हिस्से का प्रबंधन करेगी।

जुलाई 2020 तक एक करोड़ पौधों के रौपे जाने की उम्मीद है। रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्डस ने पौधारोपण मुहिम के लिए ज़िला मजिस्ट्रेट कार्यालयों, ग्राम पंचायतों और वन विभाग को मना लिया है। ''साल भर चलने वाले प्री-लाँच अभियान के दौरान, हमने किसानों, मंडल अधिकारियों को नियुक्त किया और जागरूकता फैलाने के लिए ग्रामीणों को पुस्तिकाएँ एवं पर्चे बांटे,'' उन्होंने कहा।

पहाड़ियों को हरा-भरा बनाने पर, ''हम भारतीय वायुसेना के चॉपर, या ग्लाइडर या ड्रोन्स द्वारा दो जिलों में फैले हुये बंजर पहाड़ों पर बीज गेंद बरसाएँगे,'' डी रविशंकर ने कहा। चूंकि एक बीज गेंद की ₹1 है, दस करोड़ बीज गेंदों की ₹10 करोड़ होगी, और ''बीज गेंदों को फैलाने का खर्च भी हम वहन करेंगे। दो जिलों में एक करोड़ पौधों को रौपने के बाद, हम ऐसा ही तुमकुर और चमराजनगर जिलों में करेंगे,'' उन्होंने कहा।

सूखती नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए भारत के 34-35 प्रतिशत भूभाग में हरित आवरण होना चाहिए। ईशा फाउंडेशन ने नीति आयोग से एक 76-पन्ने की सिफ़ारिश की है जिसे नदियों के नवीनीकरण हेतु अग्रसक्रिय कदम उठाने के लिए सभी राज्यों में प्रसारित किया जा रहा है।''

उन्होंने ध्यान दिलाया कि केवल 4 प्रतिशत नदियाँ ही हिमालय ग्लेशियर से निकलती है और बाकि देश के भीतर से निकलती है।

कावेरी कॉलिंग

सद्गुरू ने रोटरी से *कावेरी कॉलिंग* आंदोलन में भाग लेने का आग्रह किया जिसे वह इस वर्ष सितंबर में आरम्भ करेंगे। ''इस विशाल जलश्रोत को पोषित करने वाली सहायक नदियों को मजबूत बनाकर एवं रक्षित करके सूख चुकी कावेरी घाटी के कम से कम 34 प्रतिशत हिस्से को पुनर्जीवित करने के इस विशाल अभियान से जुड़ने हेतु तमिल नाडू एवं कर्नाटक दोनों की सरकारें राज़ी हो गई है,'' सद्गुरू ने कहा।

ड्रेयर टू ड्रीम विषय वस्तु पर अपने संबोधन में, रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड्स के अध्यक्ष रविशंकर दकोजू ने कहा कि *कोटी नाटी* (एक करोड़ पौधारोपण) के दो घटक है - दो चरणों में दो जिलों में एक करोड़ पौधों का पौधारोपण और ईस्टर्न घाट्स की बंजर पहाड़ियों पर ₹10 करोड़ बीज गेंदों का वितरण ताकि पूर्ण रूप से सूख चुकी पाँच नदियों को पुनर्जीवित किया जा सके। ''हमारे सामने खड़ी हरित चुनौतियों - जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और प्लास्टिक संकट - से निपटने के लिए कोटी नाटी सही इलाज होगा।''

उन्होंने कहा कि क्लब कन्याकुमारी से वाघा सीमा तक रैली फॉर पीस अभियान पर भी काम कर

सद्गुरु जग्गी वासुदेवन कोटी नाटी परियोजना का लॉन्च करते हुए। चित्र में रोटेरियन रविशंकर और DG सुरेश हरि शामिल हैं।

रहा है जिसकी शुरुआत इस वर्ष सितंबर-अक्टूबर में बेहतर भारत-पाक संबंधों को बनाने के उद्देश्य से होगी।

कोटी नाटी के परियोजना सलाहकार के अमरनारायण, एक पूर्व आईएएस अफसर, ने कहा कि दो जिलों में 1.5 लाख एकड़ भूमि पर रौपे जाने के लिए 36 लाख पौधे तैयार है और इससे 313 ग्राम पंचायतों के 40,000 किसान लाभान्वित होंगे। ''इन पौधों को 15 जुलाई तक मानसून के प्रारंभ होने से पूर्व रौपा जाएगा। दूसरे चरण में, इसी प्रकार बचे हुए 64 लाख पौधे रौपे जायेंगे।''

दोनों जिलों के किसानों के मध्य सिफारिश, जागरूकता और प्रचार मुहिमों के माध्यम से एक 14-माह का अभियान चलाया गया था। ''हमें चिक्काबल्लापुर के किसानों से 20 लाख आवेदन मिले है और हमें कोलार के किसानों से भी आवेदन मिल रहे है क्योंकि वे *कोटी नाटी* का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक है,'' परियोजना सलाहकार ने कहा। सरकारी भूमियों, इमारतों के परिसरों, कार्यालयों, स्कूलों, संस्थानों और सड़क एवं कब्रिस्तानों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण किया जायेगा।

डीजी ने ICGF प्रमुख की पीठ थपथपाई

सामुदायिक सेवा रोटरी की धड़कन है और इस गोष्ठी ने 80 प्रदर्शनियों एवं रंगमंच पर 15 स्टालों के माध्यम से मंडल के क्लबों की परियोजनाओं एवं गतिविधियों को प्रदर्शित एवं प्रसारित करने के लिए बहुत अच्छा काम किया है, डीजी सुरेश हरी ने कहा। इस विशाल कार्यक्रम, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में पंजीकरण हुए, के आयोजन में की गई मेहनत के लिए उन्होंने ICGF समिति अध्यक्ष महादेव डम्बल और मंडल सामुदायिक सेवा निदेशक बी के भास्कर का विशेष जिक्र किया।

मंडल की परियोजनाओं को गिनाते हुए, भास्कर ने कहा, इस वर्ष हमने रक्त दान शिविरों एवं स्वास्थ्य शिविरों की संख्या में एक बड़ा उछाल देखा है। हमने 45,000 यूनिट रक्त इकठ्ठा किया है जो बेंगलुरु की जरूरत का 30 प्रतिशत पूरा करते है। चाहे वह हैप्पी स्कूल हो, शौचालय खंडों का निर्माण हो, आंगनवाड़ी में सहायता देना हो या स्कूलों का पुनर्निर्माण करना हो, मंडल के क्लब प्रदर्शन को एक नए स्तर तक ले गए है, उन्होंने कहा। अब तक, जयदेव अस्पताल में बच्चों के लिए 50,000 नेत्र शिविरों का आयोजन, मोतियाबिंद की 1,000 से अधिक सर्जरियाँ, 5,000 से अधिक डायलिसिस प्रक्रियाएँ और 10,000 बाल हृदय सर्जरियाँ की गई है।

डीजीई डॉक्टर समीर हरियानी ने शपथ ली जो प्रतिनिधियों द्वारा दोहराई गई कि प्रत्येक रोटेरियन आस-पास के इलाकों में 100 पौधे लगाकर धरती माता का परिपोषण करेंगे और उन्होंने दुनिया के सभी इलाकों में *कोटी नाटी* को पहुँचाने का प्रण लिया।

पीडीजी डॉक्टर एस. नागेंद्र ने भारतीय क्लबों द्वारा अफ्रीका में किए गए चिकित्सीय मिशनों पर बात की। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व रोटरी के छह ध्यानाकर्षण क्षेत्रों पर तीन समानांतर सत्र हुये। रोटरी क्लब राजमहल विलास की मेजबानी में हुई इस संगोष्ठी में 1,500 प्रतिनधि आए और मंडल के 100 क्लबों ने इसमें हिस्सा लिया। क्लब अध्यक्ष राजाराम कृष्णमूर्ति ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

भावनगर में एक ई-लाइब्रेरी

टीम रोटरी न्यूज़

राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बैंकों और रेलवे में सरकारी और अन्य नौकरियों के लिए आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों की मदद करने के लिए, रोटरी क्लब भावनगर, रो ई मंडल 3060, ने शहर के हृदयस्थली में एक ई-लाइब्रेरी स्थापित की है। रोटरी डॉ रमणिकलाल जे मेहता ई-लाइब्रेरी में 60 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है और यह पूरी तरह से वातानुकूलित है। कंप्यूटर से लैस यह स्थान असीमित अध्ययन सामग्री को डाउनलोड करने और परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र भरने के लिए इंटरनेट का मुफ्त उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है। लाइब्रेरी में एक प्रिंटर और स्कैनर भी उपलब्ध है। लाइब्रेरी में 75 प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अध्ययन सामग्री सहित 1,200 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।

क्लब के अध्यक्ष मनोज कोठारी कहते हैं, ''एक ई-लाइब्रेरी स्थापित करना हमारे क्लब की चितप्रतीक्षित इच्छा थी। यह स्वपन तब जाकर साकार हुआ जब हमें अपने सदस्य डॉ पंकज आर मेहता और उनके परिवार से दान प्राप्त हुआ।'' योग्य लाइब्रेरियन छात्रों की मदद करते हैं। इसके अलावे, युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करने के लिए मॉक टेस्ट और अंग्रेजी व्याकरण की कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। अभी 700 छात्र पुस्तकालय के पंजीकृत सदस्य हैं। कोठारी जी कहते है, ''हमें खुशी है कि लाइब्रेरी का इस्तेमाल करने वाले करीब 50 छात्रों को सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त संगठनों में नौकरी मिली है।'' ■

नन्हें दिलों का उपचार

तबरु हार्ट फंड प्रोजेक्ट की चेयरमैन एनी ग्रेस कालैमति (बाएं) के साथ छोटा प्रगदीश्वरन और उसके माता पिता।

रोटरी क्लब ऑफ मद्रास चेन्ना पटना, रो ई मंडल 3232, और चेन्नई के एमएमएम अस्पताल के सहयोग से, निर्धन तबके के परिवारों के बच्चों में दिल की बीमारियों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराता है। दो दशकों से इस सेवा कार्य में निरंतर योगदान करते रहने वाले उन रोटेरियन की उदारता की वजह से अभी तक लगभग 200 बच्चों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया है। प्रतिवर्ष सात बच्चों की पहचान की जाती है और उनकी सर्जरी मुफ्त की जाती है।

सोलह महीने का प्रागदेश्वरन चौथा बच्चा था जिसका ऑपरेशन इस रोटरी वर्ष के मई किया गया। ■

उनके वर्ष के लिए डीजीई तैयार होते हैं

जयश्री

जयश्री

बाएं से : DGE की बैठक में RIDE भरत पांड्या, PRID शेखर मेहता और PRIP कल्याण बेनर्जी।

जून में चेन्नई में नवनिर्वाचित डीजीयों के लिए एक एक-दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ नेतृत्वकर्ता - रो ई निदेशक सी भास्कर, RIDE भरत पंड्या और RIDE कमल संघवी, टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी, PRIP कल्याण बेनर्जी और PRID शेखर मेहता और PRID वाय पी दास - ने सदस्यता वृद्धि, प्रबंधन एवं चुनावी मुद्दे, साक्षरता और हाल ही में संपन्न हुई विधान परिषद में पास किये गए नए अध्यादेशों जैसे पहलुओं पर उन्हें संबोधित किया। बैठक में नवनिर्वाचित मंडल नेतृत्वकर्ता करीब से वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं के साथ विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर पाए।

''आप जो कहें उसे करें भी। आपके कार्यों से आपका दल प्रेरित होना चाहिए ताकि सभी गतिविधियों में वे श्रेष्ठ हो सकें,'' RIDE संघवी ने कहा और फरवरी 2020 में रोई अध्यक्ष मार्क मालोनी की मौजूदगी में होने वाले शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाने हेतु कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिए उन्होंने मंडल नेतृत्वकर्ताओं से आग्रह किया।

दोनों नवनिर्वाचित निदेशकों ने प्रतिनिधियों से बड़े सपने देखने और उनके संबंधित समुदायों में बड़ी एवं दीर्घकालिक परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु प्रेरित किया। ''लोग रोटरी की तरफ अत्यंत विश्वास के साथ देखते है और उम्मीद करते है कि हम रोटेरियन उनकी चुनौतियों का समाधान खोजेंगे और यह हमारे ऊपर है कि हम उनके विश्वास को कायम रखें और उनकी उम्मीदों पर खरे उतरें। हम में से हर एक रोटरी का चेहरा है,'' RIDE पंड्या ने कहा।

नेतृत्व के गुणों पर बात करते हुए RID भास्कर ने कहा कि मंडल दल जिसमें क्लब अध्यक्ष एवं सचिव शामिल है के लिए गवर्नर प्रेरणास्त्रोत है और ''आप सबसे नजदीकी सोपान है जिसका आदर आपका दल करता है। इसलिए अपने शब्दों एवं कर्मों में सचेत रहिये। उन्हें प्रेरित कीजिये ताकि वे उनकी सोच से बढ़कर परिणाम दे सकें।''

टीआरएफ न्यासी वाहनवटी ने मंडल नेतृत्वकर्ताओं से आग्रह किया कि वे मंडल अनुदानों को उद्देश्यपूर्ण ढंग से खर्च करें और पैसे को जमा करके ना रखें क्योंकि ''लम्बे समय में इससे किसी का भला नहीं होगा। पैसा रो ई मंडल द्वारा आपके लिए अर्थपूर्ण परियोजनाओं के निष्पादन हेतु स्वीकृत किया गया है। इसलिए लगन के साथ इसका इस्तेमाल कीजिये और उस उद्देश्य हेतु जिसके लिए इसे खर्च किया जाना है।''

PRID दास, रोटरी भारत राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण एवं जागरूकता समिति के अध्यक्ष, ने गवर्नरों को टीबी और उसकी शीघ्र जांच एवं इलाज के प्रति रोटेरियनों, लोगों एवं स्थानीय डॉक्टरों को जागरूक करने के लिए राज़ी किया। स्वास्थ्य शिविरों में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारी की जाँच एवं जागरूकता सत्र शामिल हो सकते है, उन्होंने कहा और साथ ही मंडलों को मंडल टीबी समन्वयकों को नियुक्त करने का सुझाव दिया। एक रिपोर्ट की चर्चा करते हुए जिसके अनुसार 75 प्रतिशत भारतीय मधुमेह, रक्तचाप और मोटापे जैसी गैर-संचारी बीमारियों से मरते है, उन्होंने कहा, अब ''समय आ गया है कि एक 'स्टॉप एनसीडी' परियोजना के माध्यम से रोटरी ऐसे मुद्दों को संबोधित करें,'' जिसपर डॉक्टर पंड्या ने आगे कहा कि मंडल 'एक चम्मच कम' परियोजना को प्रोत्साहित कर सकते है जिसका उद्देश्य शक्कर एवं नमक की मात्रा को कम करना है जो एनसीडी के उत्प्रेरक है।

RISAO से जतिंदर सिंह ने सदस्यता एवं चुनाव पर बात की। PRIP बेनर्जी ने रोटरी भारत साक्षरता मिशन की उत्पत्ति का परिज्ञान दिया और उसके अध्यक्ष शेखर मेहता ने TEACH के विभिन्न पहलुओं को समझाया और गवर्नरों से अन्य क्षेत्रों के साथ बाल विकास एवं वयस्क साक्षरता पर ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह किया। RILM द्वारा हासिल की गई विभिन्न उपलब्धियों से उन्होंने प्रतिनिधियों को अवगत कराया और इनर व्हील क्लबों के जबर्दस्त समर्थन के लिए उनकी प्रशंसा की। ■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोई की पेशेवर टूलकिट

युवा पेशेवरों को आकर्षित करने हेतु रोटेरियनों की मदद करने के लिए रोई ने एक टूलकिट तैयार की है। यह टूलकिट आपकी मदद करेगी:

उभरते हुए नेतृत्वकर्ताओं को साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने में; रोटरी क्लबों से जुड़ने के लिए रास्तों को खोजने में, स्थानीय मीडिया में उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करने में और युवा दर्शकों से जुड़ने के लिए सामाजिक मीडिया का इस्तेमाल करने में; भावी सदस्यों, जिनमें युवा पेशेवर शामिल है, के लिए उनके क्लब को आकर्षक एवं अभिलषित बनाने हेतु अवसरों की खोज करने में; भावी सदस्यों, नए सदस्यों और वर्तमान सदस्यों के साथ जुड़ने के तरीके खोजने में; सदस्यों का क्लब अनुभव सकारात्मक बना रहे इस बात को सुनिश्चित करके उन्हें स्थायी मूल्य प्रदान करने में।

यह रो ई की वेबसाइट पर उपलब्ध है: *www.rotary.org/engaging-younger-professionals-toolkit*

ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में परिवर्तन

अप्रैल में, वैश्विक अनुदान के पात्रता मापदंड, अतिरिक्त परियोजना प्रकारों, एवं पर्यावरण पर केन्द्रित गतिविधियों पर बेहतर स्पष्टता देने के लिए न्यासियों ने वर्तमान छह क्षेत्रों को रखते हुए केवल तीन नामों में संशोधन किया है ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में बदलाव 1 जुलाई से प्रभावी होंगे।(एक तारक चिन्ह द्वारा दर्शाया गया है)। संशोधित क्षेत्रों के नाम है:

- शांति निर्माण और संघर्ष निवारण*
- रोग की रोकथाम एवं उपचार
- पानी, सफाई एवं स्वच्छता*
- मातृ एवं बाल स्वास्थ्य
- बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता
- सामुदायिक आर्थिक विकास*

My Rotary पर उपलब्ध है। अधिक स्पष्टीकरण के लिए *grantsrotary.org* या *aofrotary.org* पर संपर्क कीजिये।

रोई विनिमय दर - संशोधित नीति

1 जुलाई, 2019 से, रोटरी विनिमय दरें हर माह की पहली तारीख की प्रचलित बाज़ार दर पर आधारित होंगी। इसे अब पहले से नहीं भेजा जाएगा। रोटरी विनिमय दर को *https://my.rotary.org/en/exchange-rates* पर देखा जा सकता है।

सीएसआर गतिविधियों में नए क्षेत्रों का समावेश

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने सीएसआर गतिविधियों में नए क्षेत्रों के समावेश, जो 30-05-2019 से प्रभावी होंगे, के संदर्भ में कंपनी अधिनियम, 2013, की अनुसूची तखख में किये गए संशोधन की अधिसूचना दी है। संशोधन में आपदा प्रबंधन, जिसमें राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियाँ शामिल है, को सीएसआर गतिविधियों में शामिल किया गया है। इस संशोधन से पूर्व, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के अतिरिक्त किसी भी आपदा प्रबंधन/राहत गतिविधियों के लिए किये गए योगदान खासतौर से इस अनुसूची में शामिल नहीं थे। ■

ADVT

Want weight loss

without protien powder, without tablets, without Juice and honey, with out even exercise.

Here comes DR. Sheban MBBS.,DCH, post graduated from India's most reputed Madras medical college. ... We give your own home made food based, Balanced diet chart.

We make lean and overweight diabetes patients to STOP diabetic medicines .. gradually, by giving a Balanced diet chart.

If you lose weight benefits for hormone problems, Pcod, menstural problems, more hair in face in girls, pimples, having no babies, thyroid problems, high bad cholesterol, high BP, fatty liver, gallstones, knee joint pain, high blood sugar, hair loss, constipation, male sex problems, childhood obesity, migraine .... can be benefitted.

Palliyady... weight loss clinic.

Click red Subscribe button in youtube .. DR.Sheban clinic.
Like us at Facebook .. DR.Sheban weight reduction clinic
To know more, whatsapp us : +91 9443487004

अनिवार्यता से लेकर रोटरी का आनंद लेने तक

रवि धोत्रे,

भंडारण वस्तु निर्माता

रोटरी क्लब पूना नॉर्थ, रो ई मंडल 3131

वर्ष 1990 में मुझे रोटेरियन धारव, जो उस वक्त जीएसआर थे, द्वारा एक रोटरी सदस्य बनने के लिए मजबूर किया गया। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। वह अब इस दुनिया में नहीं है,'' रवि धोत्रे कहते है। आपको रोटरी कब से अच्छी लगने लगी, मैंने पूछा। उसके दो साल बाद ''जब मैं अध्यक्ष बना लेकिन सबसे अभिलषित पल 2014-15 में आया जब मैंने टाटा टेक्नालजीस के साथ ई-अध्ययन के लिए तत्कालीन रोई अध्यक्ष गैरी हुआंग की मौजूदगी में 10 करोड़ का एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया।''

इस वर्ष उनकी योजनाओं में शामिल है 100 हैप्पी स्कूलों का निर्माण, 1,000 गायों, स्कूलों में 1,500 ई-शिक्षण किटों का दान और पुणे में रोटरी अस्पताल की स्थापना। सदस्यता पर, धोत्रे कम से कम 900 नए सदस्यों को शामिल करने और 15 नए क्लबों की स्थापना करने को लेकर आश्वस्त है। ''हमारे पास 1,000 से अधिक महिला रोटेरियन है और मुझे यह बताते हुये बहुत गर्व हो रहा है कि मेरे वर्ष के दौरान 30 महिलाएं उनके क्लबों का नेतृत्व करेंगी और 30 सहायक गवर्नरों में से, आठ महिलाएं होंगी।''

डीजी टीआरएफ़ के लिए 1.5 मिलियन डॉलर इकट्ठा करने और दो एकेएस सदस्यों एवं 100 प्रमुख दानकर्ताओं को शामिल करने की योजना बना रहे है। वह रोटेरियनों के परिवार से ताल्लुक रखते है, उनकी पत्नी जयश्री, बेटे और बहू रोटरी सदस्य है। वह गर्व के साथ कहते है, ''मेरे परिवार में पाँच पूर्व अध्यक्ष है।''

आपके गवर्नरों से मिलें

जयश्री

उनका ध्यान रोटरेक्ट को प्रोत्साहित करने पर है

रमेश बी एन

चार्टर्ड अकाउंटेंट, रोटरी क्लब हसन, रो ई मंडल 3182

रमेश ने मंडल के सभी 85 क्लबों को सुझाव दिया है कि वर्ष के दौरान प्रत्येक क्लब एक रोटरेक्ट क्लब की स्थापना करें। वह पाँच चिन्हक परियोजनाओं को लागू करना चाहते है - 100 स्कूलों में ई-शिक्षण सुविधाओं का प्रायोजन, धरती को हरा-भरा बनाने के लिए दो लाख बीज गेंदों का वितरण, नई माताओं के मध्य स्तनपान को प्रोत्साहन, एक लाख युवाओं को लाभ पहुंचाने के लिए कैरियर मार्गदर्शन शिविर और मंडल भर में कौशल विकास कार्यक्रम। ''उपरोक्त सभी परियोजनाओं के लिए हमारी सीएसआर साझेदारी है,'' वह कहते है।

इन परियोजनाओं के अलावा, रमेश स्कूली बच्चों के मध्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने एवं अधिक संख्या में विनएस कार्यक्रमों को लागू करने के लिए उत्सुक है।

वह सदस्यता, जो वर्तमान में 3,200 है, को 10 प्रतिशत से बढ़ाना चाहते है और टीआरएफ़ योगदान का उनका लक्ष्य 200,000 डॉलर इकट्ठा करने का है। क्षेत्र में कर्नाटक के ग्रामीण पट्टी के हिस्से आते है इसलिए यहाँ के लोगों से अधिक की उम्मीद नहीं की जा सकती, वह कहते है।

रमेश उनके रोटेरियन दोस्तों से प्रेरित होकर 1981 में एक रोटेरियन बने। उनके पुत्र, वी. आर. अश्विन, रोटरी क्लब बैंगलोर, रोई मंडल 3190, के एक सदस्य है।

महिला सशक्तिकरण का समर्थन

जी चन्द्रमोहन

ऑटोमोबाइल पार्ट्स निर्माता, रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ-वेस्ट, रो ई मंडल 3232

वह ''पिंक ऑटो'' परियोजना को लेकर उत्तेजित है जो सुविधाओं से वंचित महिलाओं को सशक्त बनाएगी। ''हम महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना चाहते है क्योंकि पुरुषों द्वारा शराब पर पैसा बर्बाद करने के कारण, पूरा परिवार भुगतता है। हम महिलाओं को ऑटोरिक्शा चलाना सिखाएँगे, उन्हें लाइसेन्स दिलवाएँगे और गाड़ी खरीदने में उनकी मदद करेंगे। फिर उनकी बारी आएगी,'' गर्व के साथ वह कहते है।

सम्मेलन में जाने के लिए लालायित, चंद्रमोहन ने इस परियोजना पर प्रतिनिधियों के साथ हाल ही में सम्पन्न हुये हैमबर्ग सम्मेलन में लाभकारी ढंग से चर्चा की है। महिला चालकों के लिए ऑटोरिक्शा के निधीयन हेतु क्लब या तो प्रत्यक्ष रूप से या ब्याज-मुक्त सूक्ष्म-ऋण योजनाओं के माध्यम से आगे आ रहे है।

परियोजना जन-संपर्क का एक अच्छा अभ्यास भी है क्योंकि गुलाबी रंग से पुते हुये ऑटो पर रोटरी का चक्र होगा। ओला और उबर की तर्ज पर उनकी एक एप लाँच करने की भी योजना है ताकि आने-जाने वाले आसानी से गाड़ियों को बुला सकें।

पूजा स्थलों पर चिकित्सीय शिविरों का आयोजन और ग्रामीण क्षेत्रों में साल भर में कम से कम 20 मासिक शिविरों का आयोजन मंडल के लिए उनकी अन्य केन्द्रित योजनाएँ है।

टीआरएफ़ के लिए गवर्नर का लक्ष्य 1.5 मिलियन डॉलर इकट्ठा करने का है, जिसमें से मैं पोलियो कोष के लिए 1 मिलियन डॉलर इकट्ठा करने का प्रस्ताव देता हूँ। एक अभियान के माध्यम से उनकी ऐसा करने की योजना है - पोलियो पर अंतिम हमले हेतु 2 बूंद के लिए 2 डॉलर।

सदस्यता पर, चंद्रमोहन वर्तमान 5,000 रोटेरियनों की संख्या में अतिरिक्त 1,200 नए सदस्यों को जोड़ना चाहते है जिनमें 250 महिला रोटेरियन भी शामिल है। वह प्रसन्न है कि 120 अध्यक्षों में से, 22 महिलाएं है। 1993 में रोटरी से जुड़ने पर, वह कहते है कि वह सामाजिक कार्य के लिए एक अच्छे मातहत नहीं थे। ''लेकिन रोटरी ने मुझे मानवता की देखभाल करना सिखाया और आज मैं एक अक्षय निधि दानकर्ता हूँ और संस्थान में 35,000 डॉलर का योगदान दे चुका हूँ।''

एक इंटरेक्टर से एक मंडल नेतृत्वकर्ता तक

ज़मीर पाशा

सर्जन, रोटरी क्लब त्रिचिरापल्ली मिडटाउन, रो ई मंडल 3000

वर्ष 1969 में 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने एक इंटरेक्ट क्लब के अध्यक्ष के रूप में सेवा दी थी, उसके बाद मदुरै मेडिकल कॉलेज के रोटरेकटर के रूप में, जिसके बाद वह त्रिची में एक रोटेरियन बने। ''लेकिन मैं एक 'उत्कृष्ट' रोटेरियन था'' ज़मीर पाशा हँसते है, जैसा कि वह समझाते है, ''मैं बमुश्किल भारत में रहता था, अधिकांश समय आगे की पढ़ाई के लिए दूर विदेश में, और 2010 में, जब मैं ज्यूरिख में सो रहा था, मुझे मेरे क्लब से यह बताने के लिए फोन आया कि मुझे अगले वर्ष के लिए अध्यक्ष चुन लिया गया है।''

पाशा ने एक विचार साझा किया है जो ''सदस्यों के अवरोधन का खयाल रखेगा।'' उन्होंने रोटेरियनों के लिए एक कोष की योजना बनाई है जहाँ पर प्रत्येक व्यक्ति कुछ राशि का योगदान करेगा जिसे रोटेरियन की मौत के बाद उसके परिवार को दिया जाएगा। ''ऐसी आपदा आने के बाद शुरुआती खर्चों को पूरा करने के लिए यह धन बहुत काम आएगा। इस कार्यक्रम हेतु पात्र होने के लिए उन्हें कम से कम पाँच सालों से एक सदस्य होना पड़ेगा,'' वह कहते है।

अपने वर्ष के दौरान कार्यान्वित करने के लिए उन्होंने 10 परियोजनाओं की योजना बनाई है। उनमें से पहली है पूरे मंडल में एक विशाल रक्त दान मुहिम। ''एक डॉक्टर होने के नाते मैं, किसी और से अधिक, इसकी कीमत समझता हूँ।''

सदस्यता के लिए उनका लक्ष्य 5,500 की वर्तमान संख्या को 10 प्रतिशत से बढ़ाना है और 450 महिला रोटेरियन की वर्तमान टीम में 50 अधिक महिलाओं को जोड़ना है। उन्हें महिला सदस्यों पर गर्व है। वे जीवंत है और सक्रिय रूप से WinS, RILM के TEACH पहलुओं और किशोरियों के मध्य मासिक धर्म प्रबंधन के नए उपाय, मेन्स्ट्रूअल कप, को प्रोत्साहित कर रही है, वह कहते है।

टीआरएफ़ के लिए उनका लक्ष्य 2.05 मिलियन डॉलर इकट्ठा करने का है।

उनकी प्राथमिकता जल स्त्रोतों को सुधारने की है

एस शेख सलीम

शिक्षाविद, रोटरी क्लब कौरतल्लाम सेंट्रल, रो ई मंडल 3212

रोटरी के वैज्ञानिक नियोजन और प्रबंधन ने 2002 में उन्हें एक रोटेरियन बनने के लिए पर्याप्त रूप से आकर्षित किया और जल्द ही वह एक मिलान अनुदान संयोजक के रूप में सेवा देकर उत्तेजित थी। ''मैं संगठन से तब सम्मोहित हो गई जब ऐसी ही एक परियोजना में हमने 119 स्कूलों के 70,000 बच्चों की जांच की,'' शेख सलीम कहते है। इस वर्ष उनका ध्यान WinS परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर और ₹30 लाख के मंडल अनुदानों की मदद से जल स्त्रोतों को सुधारने पर होगा और साथ ही एक वैश्विक अनुदान की मदद से पूरे मंडल में डायलिसिस केन्द्रों को स्थापित करने की भी योजना है।

सेव दी चिल्ड्रेन कार्यक्रम के माध्यम से सीएचडी के साथ 1,000 बच्चों तक पहुँचना एक अन्य चिन्हक परियोजना होगी और 2013 से चल रही एक अन्य चालू परियोजना, जिसका नाम *गोल्डन हार्ट्स* है, अपोलो चिल्ड्रेन ट्रस्ट के साथ सहयोग में की जा रही है।

मंडल के बड़े से नारे - जानिए, रोटरी को सीखिये, रोटरी से प्यार कीजिये, रोटरी को साझा कीजिये, रोटरी का आनंद लीजिये और रोटरी का उत्सव मनाइए - के साथ सलीम का रोटरी को रोटेरियनों तक ले जाने का और उनमें संगठन के प्रति एक जुनून पैदा करने का इरादा है।

उनकी मंडल की सदस्यता को 10 प्रतिशत से बढ़ाने की और 6-8 नए क्लब शुरू करने की योजना है।

वह टीआरएफ़ के लिए 330,000 डॉलर इकट्ठा करने को लेकर आश्वस्त है।

चित्र: के विश्वनाथन; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब बॉम्बे के 90 वर्षों के उपलक्ष्य में पुस्तक का विमोचन

पुस्तक लोकार्पण समारोह में आदित्य बिड़ला सेंटर फार कम्युनिटी इनिशिएटिव्स की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला, PRIP कल्याण बेनर्जी, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी के साथ DG शशि शर्मा और रोटरी क्लब बाम्बे के अध्यक्ष विजय जटिया।

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी के संस्थापक पॉल हैरिस के शब्दों से प्रेरित होकर, जिन्होंने ''बेहतर रोटरी पुस्तक'' की अहमियत पर जोर दिया, रोटरी क्लब बॉम्बे ने 90 वर्षों के इतिहास को ड्डूए लिविंग लिगेसीफ के रूप में चित्रित करते हुए एक पुस्तक तैयार की है। आदित्य बिड़ला सामुदायिक पहल और ग्रामीण विकास केंद्र के अध्यक्ष राजश्री बिड़ला द्वारा महाराष्ट्र के गवर्नर सी विद्यासागर राव की अध्यक्षता में एक शानदार कार्यक्रम में इस पुस्तक का विमोचन किया गया।

क्लब के अध्यक्ष विजय जाटिया ने कहा कि वह सात वर्षों तक एक रोटेरियन है और रोटरी से जुड़ने के बाद उनका जीवन ''परिवर्तित'' हो गया है। पीआरआईपी कल्याण बनर्जी और रो ई मंडल 3141 डीजी शशि शर्मा ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। बैठक में रोटरी की दुनिया की झलक देने वाली एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। ■

गरिमा का उपहार

PDG चिन्नदुराई अब्दुल्ला (दाएं से छठे) और रोटरी क्लब तिरुनलवेली के अध्यक्ष पी चोक्कलिंगम लाभार्थीयों के साथ।

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली मंडल के पद्ममदाई गाँव के एमजीआर नगर के निवासी अब खुश हैं क्योंकि रोटरी क्लब टिननेवेल्ली, रो ई मंडल 3212, ने 38 घरों में से प्रत्येक घर को उपहार के रूप में सिंगल पिट वाला शौचालय प्रदान किया है। क्लब के टीआरएफ अनुदान अध्यक्ष पी सत्येशकुमार मुस्कराते हुए कहते है कि लगभग 70 घरों वाला कॉलोनी अब खुले में शौच के कलंक से मुक्त है। यह गाँव *कोरई* घास (सरकंडे के पौधे) से बुने हुए अपने लचीले और नरम चटाई के लिए प्रसिद्ध है।

लैक्रोस ला-वैली, लैक्रोस डाउनटाउन, रो ई मंडल 6250 और टीआरएफ के रोटरी क्लबों सहित एक वैश्विक अनुदान के सहयोग से कुल 40,458 डॉलर की लागत वाली यह परियोजना सफलतापूर्वक निष्पादित की गई।

पीडीजी डॉ चिन्नादुरई अब्दुल्ला ने लाभार्थी परिवारों को शौचालय सुविधा आवंटित किया और सरकारी मेडिकल कॉलेज, तिरुनेलवेली के संसाधन कर्मियों ने गाँव-वासियों को अपने शौचालयों के रखरखाव करने और खुले में शौच के स्वास्थ्य खतरों के बारे में बताया।

पिछले वर्ष क्लब ने शौचालय ब्लॉक और हैंडवाश स्टेशनों का निर्माण किया था, और कॉलोनी से सटे 125 वर्ष पुराने रामाशियर स्कूल में एक सैनिटरी नैपकिन इंसीनेरेटर स्थापित किया। इन सुविधाओं से लगभग 500 लड़के और 250 लडकियाँ लाभान्वित हो रही हैं। सत्येशकुमार कहते हैं, ''पिछले साल हमारे क्लब के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह एक स्मरणीय परियोजनाओं में से एक थी।'' उस समय भी क्लब को इन्हीं अंतरराष्ट्रीय साझेदारों का समर्थन प्राप्त था और ''सोंड्रा और रोजर लेग्रैंड, जिन्होंने स्कूल में सुविधाओं के उद्घाटन के लिए परियोजना स्थल का दौरा किया था, इतने प्रभावित थे कि अमेरिका लौटने पर उन्होंने एक निधि-एकत्र करने के कार्यक्रम का आयोजन किया।'' ■

रोटरी ने एक नए ऑपरेशन थियेटर स्थापित किया

टीम रोटरी न्यूज़

एक बार फिर से रोटरी फाउंडेशन का जादू रोटरी क्लब फरीदाबाद, रो ई मंडल 3011 के साथ अपना जलवा बिखेर रहा है, और उन्होंने एक वैश्विक अनुदान परियोजना के माध्यम से एक साथ मिलकर हरियाणा में भगोला में सत्य साई संजीवनी अस्पताल में गरीब बच्चों के उपचार के लिए एक ऑपरेशन थिएटर और कार्डिएक आईसीयू स्थापित किया है।

इस स्वास्थ्य देखभाल परियोजना के लिए क्लब ने रोटरी क्लब फोर्ट वायने, यूएस, रो ई मंडल 6540 के साथ सहयोग किया है। ओटी और आईसीयू का उद्घाटन डीजी विनय भाटिया और आईपीडीजी रवि चौधरी ने पीडीजी विनोद बंसल, सुधीर मंगला, डॉ एन सुब्रमण्यन, डीजीई सुरेश भसीन और डीजीएन संजीव राय मेहरा की उपस्थिति में किया।

अस्पताल, जो पहले एक दिन में केवल 2-3 बच्चों का उपचार करने में सक्षम था, अब अधिक से अधिक बच्चों का उपचार करने में समर्थ होगा।

परियोजना की कुल लागत 413,068 डॉलर थी, जिसमें से क्लब ने 78,750 डॉलर का योगदान दिया, जबकि शेष राशि उसके वैश्विक भागीदार और टीआरएफ की ओर से दी गई। परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए पीपी राजेश मेंदीरत्ता और आईपीपी तजेंद्र भारद्वाज के प्रयासों की भूरी-भूरी सराहना की गई।

PDG विनय भाटिया, अस्पताल में एक बच्ची के साथ बातचीत करते हुए।

इस अस्पताल की एक अनूठी विशेषता यह है कि यहाँ कोई बिलिंग काउंटर नहीं है क्योंकि सर्जरी नि:शुल्क की जाती है और यहाँ तक कि मरीज के परिचारकों को मुफ्त भोजन और आवास उपलब्ध कराया जाता है। अस्पताल के अध्यक्ष सी श्रीनिवास ने रोटरी को इस शानदार कार्य के लिए धन्यवाद दिया। ■

एक श्मशान को हरित आवरण प्राप्त हुआ

नीलगिरी जिला कलेक्टर इनोसेंट दिव्या एक पौधा लगाती हुई।

रोटरी क्लब नीलगिरी, रो ई मंडल 3202 के रोटेरियन ने हाल ही में वेलिंगटन के श्मशान परिसर में एक हरित अभियान का आयोजन किया था। *स्वर्ग भूमि* नामक एक एलपीजी शवदाह गृह का निर्माण क्लब द्वारा वर्ष 2005 में सदस्यों के उदार योगदान से करवाया गया था। क्लब के अध्यक्ष तिन्नी कोराह ने कहा कि पौधारोपण अभियान ₹30 लाख की लागत से किए गए जीर्णोद्धार कार्य का हिस्सा था। उन्नत सुंदरता में चमकीले फूलों के पौधों के साथ बाड़ और भूदृश्य निर्माण शामिल था।

पुनर्विकास कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों में नीलगिरी के जिलाधीश इनोसेंट दिव्या, अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा और मद्रास रेजिमेंटल सेंटर के रक्षा अधिकारी शामिल थे। लिडलॉ मेमोरियल स्कूल, केट्टी वैली, श्रीमती बुलमोर मैट्रिकुलेशन स्कूल और सेंट मैरी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, कुन्नूर के इंटेरेक्टर इस अवसर पर उपस्थित थे और उनके अध्यक्षों ने भी एक-एक पौधा लगाया। डॉ टी एस छाबड़ा जिन्होंने रोटरी में 50 वर्ष पूरे किए हैं और भूतपूर्व रोटेरियन चंदन राजू बेटन, जो 2000 के दशक की शुरुआत में पूरी परियोजना की प्रेरणा थे, कुछ अन्य प्रतिनिधि थे, जो इस अवसर पर उपस्थित थे। ■

मापुसा रोटरी ने किया रोबोटिक आर्म फिटमेंट शिविर का आयोजन

वी मुत्तुकुमारन

रोबोटिक आर्म शिविर के माध्यम से आठ लाभार्थियों को बायोनिक हाथ प्रदान करने के अपने प्रथम प्रयास की सफलता से रोटरी क्लब मापुसा, रो ई मंडल 3170, अत्यंत प्रसन्न है। ''वे उनके परिवार में अकेले कमानेवाले है। इस विशिष्ट प्रयास की शुरुआत क्लब के 22 वर्ष पुराने जयपुर लिम्ब फिटमेंट कार्यक्रम से हुई जो पैर से अपाहिज लोगों की सेवा कर रहा है,'' क्लब अध्यक्ष अजय गोपीनाथ मेनन कहते है।

डीजी रविकिरण कुलकर्णी और एजी प्रकाश पिलंकर ने रोटरी क्लब पंजिम के बाद गोवा के दूसरे सबसे पुराने क्लब के 54वें चार्टर दिवस के उपलक्ष्य में 8 मई को रोबोटिक आर्म शिविर का उद्घाटन किया था। ''इस वैश्विक अनुदान परियोजना के लिए हमने सरकारी चिकित्सीय महाविद्यालय के ओर्थो और प्लास्टिक सर्जरी विभागों के साथ साझेदारी की है। उन्होंने ऐसे 28 लाभार्थियों की पहचान की जिन्हें फिटमेंट की सख्त जरूरत थी,'' मेनन ने कहा।

एलएन4 कृत्रिम अंग, जो मूल रूप से पकड़ बनाने वाला यांत्रिक उपकरण है, के विपरीत जर्मन कंपनी ओट्टोबॉक द्वारा दिये जाने वाले रोबोटिक हाथ में एक कंप्यूटर सेन्सर है जो दिमाग के साथ संयोजन में मांसपेशी तंत्र द्वारा प्रसारित की जाने वाली उत्तेजना को संसाधित करता है ताकि वह केंद्रीय तंत्रिका तंत्र द्वारा दिये गए निर्देशों के अनुरूप काम कर सके। ''रोबोटिक हाथ की मदद से सभी प्रकार के हाथों की गतिविधियां की जा सकती है। लाभार्थियों के ऊपरी हाथों की विशेष जरूरतों के आधार पर प्रत्येक फिटमेंट को विशेष रूप से निर्मित किया जाता है।'' मुंबई से जर्मन कंपनी के दो अधिकारी शिविर के लिए आए थे और उन्होंने लाभार्थियों के ऊपरी हाथों के माप लिए थे और मूल फ़र्म से कृत्रिम अंग आने के बाद, उन्हें इसके इस्तेमाल के लिए दो हफ्तों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक कृत्रिम अंग की ₹3.25 लाख की लागत के साथ, क्लब ने उसके अंतर्राष्ट्रीय साझेदार रोटरी क्लब फ्रांसिस्को बेल्टराओ, ब्राज़ील, रोई मंडल 4640, के साथ एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से ₹ 26 लाख (37,500 डॉलर) इकट्ठा किए। हमारी तरफ से, क्लब ने उसके सदस्यों के योगदानों के माध्यम से 14,750 डॉलर जुटाए थे।

22 वर्षों से क्लब द्वारा बंबोलिम स्थित रुग्णाश्रय केंद्र में चलाये जा रहे जयपुर लिम्ब फिटमेंट कार्यक्रम से अब तक पैर से अपाहिज 1,600 लोग लाभान्वित हुये है।

हर साल कम से कम 30-40 जरूरतमन्द लोगों की मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी की जा रही है। इसके अलावा, विभिन्न बीमारियों को ठीक करने के लिए क्लब हर माह एक सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन करता है। ■

DG रविकिरन कुलकर्णी (बीच में) और रोटरी क्लब मापुसा के अध्यक्ष अजय मेनन लाभार्थीयों के साथ।

Apply yourself

The following committees are searching for qualified candidates for openings in 2020–21. All committees correspond via email, teleconference, or webinars as needed, and some also involve at least one mandatory in-person meeting per year. To be considered for committee membership or to recommend someone for an appointment, visit *on.rotary.org/application 2019*.

Applicants must be registered on My Rotary at *rotary.org/myrotary* and their My Rotary profile should include current contact details. Candidates may apply for only one committee. The application deadline is **August 12**.

Committee	Function	Prerequisites	Commitment
Communications	Advises the Rotary International Board on communication with key audiences	Professional background and experience in a communications-related field	One three-year term; multiple conference calls; annual meeting in Evanston
Finance	Advises the Board on Rotary's finances, including budgets, investment policy and sustainability measures	Professionals in finance; nonprofit experience preferred. Candidates must have experience in matters at the club and district levels	One three-year term; two meetings per year in Evanston
Leadership Development and Training	Advises the Board on Rotary's leadership training programme for Rotarians, clubs and districts with special emphasis on training for DGs.	Must have significant training or education experience with a preference for leadership development	One three-year term; annual meeting in Evanston
Operations Review	Monitors the effectiveness, efficiency and implementation of operations and all internal systems; advises the Executive Committee on compensation matters; and performs other oversight functions as requested by the Board	Experience in management, leadership development, or finance and good knowledge of Rotary's operations. Appointments will be limited to PRIDs.	One six-year term; typically meets in Evanston twice a year
Rotaract	Advises the Board on Rotaract; develops the Rotaract Pre-convention programme	Rotarians with experience as Rotaract/Interact mentor, adviser or district chair. Rotaract alumni are strong candidates. **Rotaractors:** Leadership at the club, district or international level. Candidates must have served as DRR, organised projects or attended a Rotaract Preconvention. Age restrictions may apply.	**Rotarians:** One three-year term; annual meeting in Evanston **Rotaractors:** One one-year term; one meeting in Evanston
Strategic Planning	Reviews Rotary's strategic plan and associated measures; advises leadership on other matters of long-term significance	10+ years of experience in strategy development, monitoring and implementation, and strong understanding of RI and Foundation programmes.	One four-year term; up to four meetings in Evanston.

@The Rotarian

जीवन के उतार-चढ़ावों को जारी रहने दीजिए

जयश्री

जयपुर के सी के बिड़ला अस्पताल में जन्मजात हृदय विकार से पीडित तीन बच्चों को सफल उपचार के बाद उन्हें नया जीवन मिला। उनके परिवार इतना निर्धन हैं कि वे उपचार का व्यय वहन करने में सक्षम नहीं है। रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर, रो ई मंडल 3054 के चार्टर सदस्य, रोटेरियन नरेंद्र मल माथुर के रूप में रोटरी उनके बचाव में आगे आया।

नरेंद्र मल माथुर (बीच में) बाल रोगियों और उनके परिवार वालों के साथ। चित्र में पूर्व अध्यक्ष पी सी सांघी, क्लब अध्यक्ष डॉ प्रभा लुहाडिया और सचिव राजेंद्र तिवारी भी शामिल हैं।

माथुर ने इस वर्ष जनवरी में मंडल द्वारा आयोजित सीएसआर सेमिनार में डीजी नीरज सोगानी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि प्रत्येक वर्ष 4-5 जरूरतमंद मरीजों के लिए पेडियेट्रिक कार्डियक सर्जरी को प्रायोजित किया जा सके।

प्रत्येक बच्चे के लिए ₹4 लाख की उपचार व्यय को माथुर जी द्वारा उपलब्ध कराया जाता है, जो स्वयं दो कार्डियक सर्जरी करवा चुके है। उन्होंने कहा कि ''इन सर्जरी के बाद मैं जीवित बच गया हूँ, जो इस बात का संकेत है कि भगवान मुझे यहाँ कुछ विशेष उद्देश्यों को पूरा करने के लिए देखना चाहते हैं और वह उद्देश्य छोटे बच्चों की जान बचाना है,'' और आगे कहते हैं कि इसी बात ने उन्हें उदारतापूर्वक बच्चों के उपचार का व्यय वहन करने के लिए प्रेरित किया है और ''रोटरी ने मुझे ऐसा करने के लिए मंच प्रदान किया।''

दो बार सेवा विस्तार मिलने के बाद, राजस्थान सरकार के ऊर्जा विभाग, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पदान लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में माथुर तीन वर्ष पहले सेवानिवृत्त हुए। वर्ष 2016 में उनकी पत्नी का निधन हो गया, और अब वे अपने बेटे के साथ रह रहे हैं, जबकि उनकी दो बेटियां क्रमशः सूरत और जोधपुर में रहती हैं। ''अब मेरे पास कोई जिम्मेदारी नहीं है और मैं इस कारण से अपनी कमाई खर्च करने के लिए स्वतंत्र हूँ। एक बच्चे को जीवित और स्वस्थ देखने की खुशी से बढ़कर और क्या हो सकता है,'' वह मुस्कुराते हुए कहते है।

अस्पताल में सीएचडी के साथ बच्चों का उपचार करने वाले कार्डियक सर्जन डॉ आलोक माथुर ने भी इस परोपकारी कार्य के लिए अपना पारिश्रमिक माफ कर दिया है। जब वे उपचार की जरूरत वाले बच्चे की पहचान करते है, तो वे मदद के लिए तुरंत माथुर से संपर्क करते है।

कलब के उपाध्यक्ष माथुर जी कहते है कि ''स्कूली बच्चों के बीच स्कूल बैग और स्टेशनरी को वितरित करने या रक्तदान शिविरों के आयोजन से परे, रोटरी ने बडी परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए कमर कस लिया है। अब समय आ गया जब हमें बडी परियोजनाओं को निष्पादित करना शुरू करना चाहिए और जयपुर रोटेरियन के पास ऐसा करने के लिए साधन उपलब्ध है।'' ■

शब्दों की दुनिया

शब्दों के खेल अच्छी दवा होतें है

संध्या राव

कैसे वर्ग-पहेली हल करने का जूनून मेरी माँ के लिए उत्तम चिकित्सा साबित हुआ

मुझे नहीं पता क्यों, मेरी माँ ने मुझसे कुछ माह पूर्व कहा, 'मैं वर्ग-पहलियों की दीवानी हूँ। मैं स्वयं को रोक नहीं पाती हूँ।' '' स्पष्टीकरण के माध्यम से अधिक, और अधिक वर्ग-पहलियों की किताबों के लिए यह उनका अनुरोध था। पिछले कुछ महीनों में मैं उनके लिए पहले ही सभी निकटतम किताब की दुकानों पर छापे मार चुकी हूँ। ''मुझे शब्द खोज किताबें भी पसंद है, उन्होंने कहा। मुझे शब्द खेल पसंद है।''

उनके 85वें जन्मदिन के ठीक तीन हफ़्तों बाद अम्मा चल बसी। उनके सबसे पसंदीदा उपहार के लिए किताबों की दुकानों की अंधाधुंध तलाशी लेते हुए, मैंने हमारे स्थानीय ओडिसी में शब्द खोज किताबों का एक बड़ा संग्रह खोज लिया। जब 1 मई की सुबह मैंने उन किताबों को उपहारस्वरूप उन्हें दिया, तो उनकी मुस्कान देखने लायक थी। वह उन शब्दों से भी अधिक खुश थी जिन्हें वह प्यार करती थी। उनकी कुर्सी के समीप रखी मेज़ पर लगे वस्तुओं के ढेर के मध्य जगह बनाने के बाद उन्होंने तुरंत ही उन किताबों को बाद में हल करने के लिए रख दिया।

और ठीक इसी तरह से बहुत से लोग उनके जाने के बाद उन्हें याद करते है, खास तौर से वे जिनसे उनकी पहचान पिछले कुछ वर्षों में हुई थी। एक बड़े परिवार की देखभाल करने एवं खाना पकाने की जिम्मेदारी से अंततः मुक्त होने के बाद, वह उनके पसंदीदा शौक के लिए समय दे सकती थी। वह बड़े से, मरून रंग के सोफे पर वर्ग-पहेली या शब्द-खोज का एक पन्ना लिए आराम से बैठा करती थी। यही छवि लोगों के दिमाग में अंकित है: पढ़ती हुई, वर्ग-पहेलियाँ हल करती हुई एक प्यारी लेकिन कमज़ोर औरत की और यदि वहाँ से गुज़रते समय या उनसे मिलने आने के दौरान लोगों की नज़रे उनसे मिलती, तो वह उन्हें गर्मजोशी भरी एक मुस्कान देती थी।

एक वर्ष पूर्व, मैं एक डॉक्टर-मित्र से टकराई जिससे मैं काफी सालों से नहीं मिली थी। जब मैंने उसे अम्मा के पार्किंसंस और उनके शौक के बारे में बताया, उसने कहा, ''यह सबसे अच्छा है। सबसे अच्छी दवा।'' निश्चित रूप से, उनका शरीर कमज़ोर होने पर भी, उनका दिमाग तेज एवं सक्रिय रहा। वर्ग-पहेलियाँ हल करना उनके दिमाग के लिए बढ़िया था। असल में, उनके एकमात्र अभिलषित उपहार, किताबों, के अलावा वह चार अलग-अलग अख़बारों की पहेलियाँ भी हल करती थी। बेशक, यह दिमाग के लिए काफी अच्छी कसरत है।

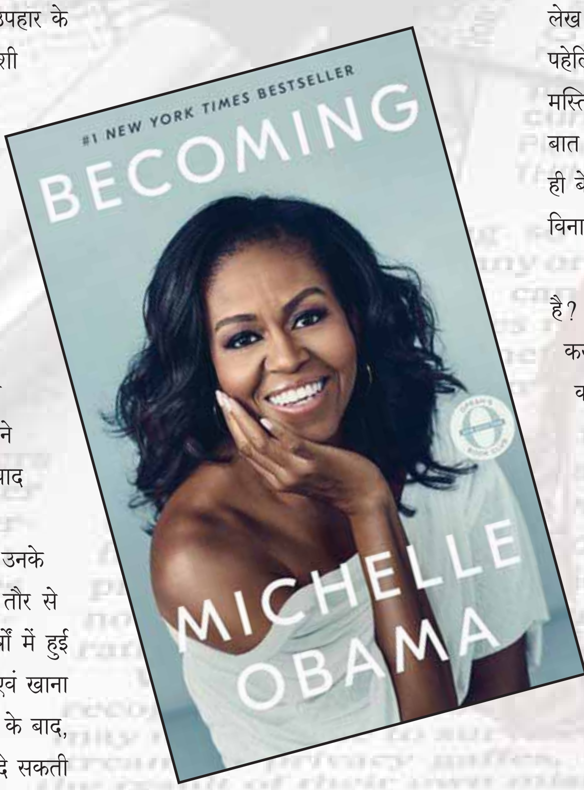

हाल ही में मुझे *लाइफ़हैक* पर संयोग से एक लेख मिला जिसमें सुमैया कबीर लिखती है कि वर्ग-पहेलियों को हल करने से वृद्ध लोगों की स्मृति एवं मस्तिष्क की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। अम्मा इस बात का उत्तम प्रमाण थी। उनके इस शौक के कारण ही बेशक एक लम्बे समय तक वह इस बीमारी के विनाशों से बची रही।

वर्ग पहेलियाँ हल करना कैसे मददगार होता है? कबीर के अनुसंधान कुछ स्पष्टीकरण प्रदान करते है। उदाहरण के लिए, भूलने की बीमारी को ले लीजिये। कबीर कहती है कि अल्झाइमर्स एसोसिएशन के अनुसार, ''दिमाग को सक्रिय एवं तेज रखने के लिए रोजाना वर्ग-पहेलियाँ हल करना एक महत्वपूर्ण तरीका है।'' अगर वृद्ध जन समान विचारधारा रखने वाले लोगों के साथ मेल-मिलाप कर पाते हो, तो यह और भी अच्छा है: समूह में एक साथ हल करने से संबंध तो अच्छे होते ही है, साथ ही यह सोचने एवं बातचीत के लिए भी अच्छा होता है।

इसके साथ ही, अकेले युवा ही नहीं है जो अपने शब्दकोश को बढ़ाते है; हम अपनी पूरी ज़िंदगी ऐसा करते है। इसके अलावा, यह गतिविधि ध्यान केन्द्रित करने में मदद करती है और आप अपनी अन्य समस्याओं को भूल जाते है। मैंने मेरी माँ को ऐसा करते देखा है और मैं इसका आश्वासन दे सकती हूँ। वह तब तक नहीं रुकती थी जब तक कि उन्हें जवाब नहीं मिल जाता था: कई बार वह मुझसे पूछती थी - ऐसा नहीं था कि उससे उन्हें मदद मिलती थी! - लेकिन कई बार जवाब अचानक से सामने आ जाता था। यह उनके लिए उपलब्धि के पल होते थे।

समस्याओं की बात करें तो, वर्ग-पहेलियाँ हल करने से दरअसल दिमाग को स्पष्ट रूप से सोचने में मदद मिलती है। और जीवन में आने वाले अनेक मुद्दों को यदि हमें सुलझाना है तो हमें ऐसा ही करने की जरूरत होती है। जैसा कि कबीर बहुत अच्छी तरह कहती है, यदि आप एक पहेली के पैटर्न को समझ सकते है, तो आप आसानी से जीवन के पैटर्न्स को भी समझ सकते है।

सबसे महत्वपूर्ण, यह बोरियत से निपटने का एक मज़ेदार तरीका है। मेरा यकीन मानिए, यह वृद्धावस्था की सबसे बड़ी चुनौती है। जैसा कि मेरी दादी और मेरी माँ समय-समय पर कहा करती थी: आप जीवन में कोई भी चीज़ को व्यवस्थित कर सकते हो लेकिन अपने बुढ़ापे में समय काटना बहुत कठिन होता है। मेरी माँ उनकी सास के अवलोकन से प्रभावित हुई और उससे मदद मिली। शब्द पहेलियाँ हल करने के अलावा, वह पढ़ती भी थी। वास्तव में, वह बहुत ही उद्विग्न थी: ''मैंने इसे पूरा कर लिया है, मुझे पढ़ने के लिए एक और किताब दो, एक और किताब दो!''

हाल ही में उन्होंने कौन सी किताबें पढ़ी थी? खैर, उन्होंने मिशेल ओबामा की *बिकमिंग* पढ़ी थी, हाँ! उन्हें चित्रा बैनर्जी दिवाकरुणी द्वारा लिखित *द फॉरेस्ट ऑफ एन्चैन्ट्मन्ट्स* पसंद थी। हमेशा से महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने वाली, उपन्यास में वाल्मीकि की *रामायण* पर सीता के सवालों से अम्मा सम्बद्ध हुई। उन्हें वह किताबें पढ़ने में मुश्किल होती थी जो हार्डकवर वाली एवं मोटी होती थी, और इस मामले में, दोनों ही किताबें ऐसी थी।

लेकिन इस वजह से वह उन किताबों को पढ़ने से नहीं रुकी। *बिकमिंग* में एक तीसरा मुद्दा भी था: उसके अक्षर बारीक थे। हालांकि, लोग एवं उनकी ज़िंदगियों के बारे में जानने की अम्मा की स्वाभाविक जिज्ञासा ने इस बाधा को पार करने में उनकी मदद की। उन्हें ट्विंकल खन्ना की *मिसेज़ फनीबोन्स* भी पसंद आई और मोनी मोहसीन द्वारा *द डायरी ऑफ अ सोशल बटरफ़्लाइ* और *रिटर्न ऑफ द बटरफ़्लाइ* में पाकिस्तानी उच्च समाज और राजनीति के मज़ाकिया अवलोकन पर उन्होंने खूब ठहाके लगाए।

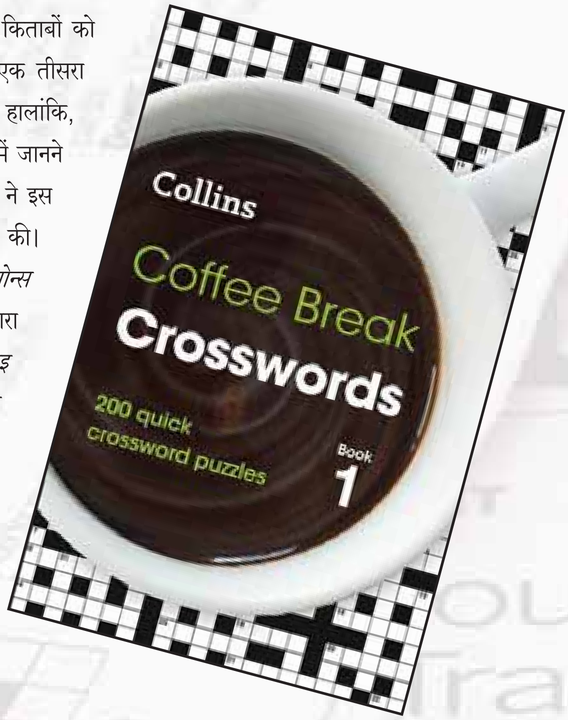

बात यह है कि, अम्मा को किताबों से, पढ़ने एवं वर्ग-पहेलियाँ हल करने से जो प्यार था उसके कारण उनका दिल बहलाने की आवश्यकता नहीं होती थी। बेशक, जब लोग, खास तौर से वे जिनके साथ वह आनंदित महसूस करती थी, उनसे मिलने आते थे तो उन्हें बहुत अच्छा लगता था। परंतु जैसे-जैसे उनकी श्रवण शक्ति क्षीण हुई, उन्होंने अपने शौक में ही सांत्वना ढूंढ ली। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि वह कभी अनमनी या बेचैन नहीं हुई: वह होती थी, कभी-कभी। परंतु किताबों एवं वर्ग-पहेलियों ने उन मुश्किल घड़ियों को पार करने में उनकी मदद की। अम्मा द्वारा मुझे सिखायी गई यह एक बड़ी सीख है, जो रोटरी न्यूज़ के पाठकों के साथ साझा करने के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

पढ़ने के साथ एक सुखद रिश्ता बनाने एवं शौक में रुचि पैदा करने के लिए कभी देर नहीं होती। कुछ को सूडोकू पसंद होता है, कुछ को संगीत, और कुछ को ट्रेन के मॉडल बनाना पसंद होता है। चाहे जो कुछ भी हो, जब शरीर कमजोर हो जाता है और उँगलियाँ काँपना शुरू कर देती है, तब भी अपने दिमाग को सक्रिय रखना संभव होता है और जितनी जल्दी हम उस दिशा में आगे बढ़ते है, उतना ही बेहतर वह स्वयं के लिए एवं हमारे आसपास के लोगों के लिए होता है। आखिरकार, भले ही लोग आपके हाथ-पैर चलाने में आपकी मदद कर सकते हो, परंतु कोई भी आपके लिए आपके दिमाग को नहीं चला सकता। काफी हद तक, हमें स्वयं ही अपने दिमाग की कसरत करनी पड़ती है।

जब तक अम्मा हमारे बीच थी तब मैं अम्मा की किसी भी शब्द चुनौतियों को आजमाने के लिए आकर्षित नहीं हुई। लेकिन उनके जाने के बाद, मैंने यह देखने के लिए एक बड़ी, मोटी, पीले रंग की वर्ग-पहेली की किताब उठाई कि अम्मा आखिर करती क्या थी। वह बहुत कठिन था। वास्तव में, जिस आसानी से उन्होंने सुराग ढूँढे थे मैं उसके आधे भी हल नहीं कर सकी। मैंने एक सरल संग्रह समझकर वह किताब उठाई थी। लेकिन फिर, मैं उनके आगे कुछ भी नहीं थी। अब मैं उन शब्द खोजों को हल करने का प्रयास करूंगी जिन्हें हल करने का समय उन्हें दुर्भाग्य से नहीं मिला। शायद इसके बेहतर परिणाम मिलेंगे,पर मुझे पक्का यकीन नहीं है। फिर भी, देर आए दुरुस्त आए! इसलिए, कल के अखबार में वर्ग-पहेली या सूडोकू पर नज़र डालें। शुरुआत करें। यह एक बेहतर जीवन की शुरुआत का संकेत देगा।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गति

रोटरी क्लब चिदंबरम - रो ई मंडल 2981

पड़ोस में एक पौधारोपण मुहिम चलाने के अलावा, ₹34,000 की लागत से लगभग 100 लाभार्थियों को खेती के उपकरण, स्कूल बैग और कॉपियाँ प्रदान की गई जिसने रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि की।

रो ई मंडल - 3000

डीजी आर वी एन कानन ने मंडल के सभी क्लबों को सौर लैंप वितरित किये जो उनके द्वारा गोद लिए गए हैप्पी विलेजेस में स्थापित किये जाएंगे। मंडल अनुदान के माध्यम से संभव हुई इस 146,000 डॉलर की परियोजना से लगभग 130 गाँव लाभान्वित होते है। इस अवसर पर PRID सी भास्कर मौजूद थे।

रोटरी क्लब वलसाड - रो ई मंडल 3060

एक दो दिवसीय युवा संगोष्ठी में 400 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता रही जो विभिन्न क्षेत्रों से आए वक्ताओं एवं अनुदेशकों से प्रेरित थे। सह-अध्यक्ष महेश भानुशाली और रोटेरियन निराली गज्जर ने कार्यक्रम का आयोजन करने में परियोजना अध्यक्ष दीपेश शाह की सहायता की थी। सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गए।

रोटरी क्लब कोटा राउंड टाउन - रो ई मंडल 3054

एक सामान्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न बीमारियों के लिए बुजुर्गों की जांच की गई। परामर्श के बाद मुफ्त दवाइयां प्रदान की गई।

विधियाँ

रोटरी क्लब पंचकुला - रो ई मंडल 3080

पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों के परिवार जनों को पंजाब के आनंदपुर साहिब और मोगा में एवं हिमाचल प्रदेश के काँगड़ा में ₹1 लाख के चेक प्रदान किये गए। यह भाव-प्रदर्शन उन जवानों को सलाम करने के लिए किया गया था जिन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था।

रोटरी क्लब बरेली मेट्रो - रो ई मंडल 3110

इस रोटरी वर्ष के लिए क्लब ने मूंदिया अहमद नगर गाँव में उसका सातवां स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। 2002 से, यहाँ पर नियमित शिविरों को आयोजन किया जा रहा है जिससे ग्रामीण लाभान्वित हो रहे है।

रोटरी क्लब कल्याण टाइगर्स - रो ई मंडल 3142

पड़ोस की एक कॉलोनी में रहने वाले यौनकर्मियों के बच्चों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। रोटेरियनों ने बच्चों को खाने की चीज़ों के अलावा, दवाइयां, प्रोटीन फूड, साबुन एवं तेल वितरित किये।

रोटरी क्लब भद्राचलम - रो ई मंडल 3150

गर्मी की तपन से बचने के लिए रोटेरियनों ने 10,000 आगंतुकों एवं पर्यटकों को छाछ के पाउच वितरित किये। इस भाव से एक प्रभाव पड़ा और स्थानीय लोगों के मध्य रोटरी की छवि में वृद्धि हुई।

रोटरी क्लब लखनऊ ख़ास - रो ई मंडल 3120

पिछले तीन वर्षों से अलीगंज के शिव मंदिर में चलाई जा रही वयस्क एवं बाल शिक्षा परियोजना में लगभग 50 महिलाएं साक्षर हो गई है। एक विशेष समारोह में सभी लाभार्थियों को सम्मानित किया गया।

मंडल गति

रोटरी क्लब कारवार - रो ई मंडल 3170

रोटरी क्लब कारवार सीसाइड, अंकोला, अंकोला रूरल, गोकर्ण, कुमता, होन्नावर और भटकल के रोटेरियनों के साथ क्लब के सदस्यों ने लोगों के मध्य पोलियो टीकाकरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 150-किमी की एक बाइक रैली निकाली। तीस रोटेरियन और एन्स ने कारवार से प्रस्थान किया और तटीय कर्नाटक के सुन्दर परिदृश्यों से गुज़रते हुए रोटरी का सन्देश प्रसारित किया।

रोटरी क्लब अम्बालपदी - रो ई मंडल 3182

उडुपी रेलवे स्टेशन पर एक यात्री शरण स्थान की स्थापना की गई। रेलवे के क्षेत्रीय प्रबंधक बालासाहेब बी. निकम ने ₹1.3 लाख की लागत से निर्मित इस सुविधा का उद्घाटन किया। डीजीएन राजाराम भाट, एजी सुब्बन्ना पाई और मंडल के सार्वजनिक छवि अध्यक्ष एलन वी. लुईस इस अवसर पर मौजूद थे।

रोटरी क्लब कोयम्बटूर कॉस्मोपॉलिटन - रो ई मंडल 3201

सरवनमपट्टी गाँव के पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल और सेल्लप्पानाइकेनपलायम गाँव के गवर्नमेंट हाई स्कूल में दो स्मार्ट कक्षाओं का उद्घाटन किया गया। इस डिजिटल कक्षा से दोनों स्कूलों के 580 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित होंगे जिससे उनके शैक्षणिक अनुभव में वृद्धि होगी।

रोटरी क्लब पर्लसिटी टूटीकोरिन - रो ई मंडल 3212

डीजी के. राजगोपालन ने पीडीजी जो विल्लावरयार और अन्य रोटेरियनों की उपस्थिति में तंजावुर ज़िले के पट्टुक्कोट्टई में गाजा चक्रवात के पीड़ितों के लिए ₹8 लाख की राहत सामाग्री ले जाने वाले वाहन को हरी झंडी दिखाई। जनता एवं व्यापारियों से नकदी एवं वस्तुओं दोनों में राहत सामग्री एकत्रित की गई।

रोटरी क्लब वेल्लोर मिडटाउन - रो ई मंडल 3231

क्लब सदस्यों ने एक अनाथालय का दौरा किया और सहवासियों को उपहार दिए। उन्होंने बच्चों को खेल खिलाये एवं भोजन कराया।

विधियाँ

रोटरी क्लब चेन्नई भारती - रो ई मंडल 3232

WinS परियोजना के अंतर्गत डीजी बाबू पेरम ने मीनक्षी स्कूल, अन्ना नगर वेस्ट, में छात्राओं के लिए एक शौचालय खंड का उद्घाटन किया। रोटरी क्लब मद्रास कोरोमंडल के नेतृत्व में 400 लड़कियों को लाभान्वित करने वाली इस सुविधा का निर्माण एक वैश्विक अनुदान परियोजना के अंतर्गत किया गया।

रोटरी क्लब सिलीगुड़ी सेंट्रल - रो ई मंडल 3240

एक जल संयंत्र की स्थापना शहर के बीचोंबीच गंगानगरी में उस पार्क के निकट की गई जिसका नवीनीकरण क्लब द्वारा पिछले वर्ष किया गया था। परियोजना की लागत ₹3 लाख है और इस सुविधा से लगभग 1,500 लोग लाभान्वित हुये है।

रोटरी क्लब बिहारशरीफ - रो ई मंडल 3250

मिशन 1 लाख परियोजना के अंतर्गत, रोटेरियन विभिन्न गांवों में पौधारोपण कर रहे है और पौधे वितरित कर रहे है एवं लोगों को जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दों पर जागरूक कर रहे है। अब तक 90,000 से अधिक पौधे रौपे जा चुके है।

रोटरी क्लब जबलपुर - रो ई मंडल 3261

सूचना एवं प्रसारण अधिकारियों की सहायता से एक आदिवासी ग्राम नवरगवां में कल्याण एवं विकास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर से 800 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

रोटरी क्लब बेलूर - रो ई मंडल 3291

रोटेरियन परिवारों के छह विद्यार्थियों को स्कूल बोर्ड परीक्षाओं में उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए डीजी मुकुल सिन्हा द्वारा सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेताओं को स्मृतिचिन्ह प्रदान किये गए।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

कसरत में शरीर और मन

शीला नम्बियार

फिटनेस उद्योग में नया प्रचलित शब्द है 'मन-शरीर' कसरत। इसमें मुख्य रूप से योग, पलाटीस, ताई ची, कुई गोंग इत्यादि शामिल होते है जिनमें मन-शरीर संबंध सुस्पष्ट होता है। निर्देशों को श्वसन की ओर निर्देशित किया जाता है और साँस एवं हरकतों के मध्य एक बहुत ही सुविचारित संपर्क स्थापित किया जाता है। ध्यान गतिविधियों के सचेतन पर होता है। तंदरुस्ती के अन्य रूप इस संबंध को इतना अधिक स्पष्ट करते हुए नज़र नहीं आते है। हालाँकि इस गलत अवकलन से ऐसा प्रतीत होता है जैसे तंदरुस्ती के अन्य सभी रूपों (जैसे दौड़ना, एरोबिक नृत्य, शक्ति प्रशिक्षण) में दिमाग की आवश्यकता नहीं होती है। यह पूर्णतः असत्य है। कसरत के हर एक रूप को मन-शरीर की गतिविधि होना चाहिए।

तंदरुस्ती में मुख्य भूमिका दिमाग की होती है। संकल्प, संज्ञान, अभिप्रेरण, अटलता और समर्पण। वे गुण जिनके बिना एक व्यक्ति अपनी तंदरुस्ती की दिनचर्या पर दिन-प्रतिदिन कायम रहने की आशा नहीं कर सकता। ऐसा प्रतीत हो सकता है मानो शारीरिक तंदरुस्ती केवल एक भौतिक व्यवधान है। लेकिन वास्तव में यह पूरी तरह ''शारीरिक'' नहीं है, है क्या? इसे पूरा करने में फिर एक व्यक्ति का दिमाग ही जिम्मेदार होता है। वह दिमाग ही होता है जो किसी व्यायाम पर सकारात्मक रूप से प्रतिक्रिया देता है, मिजाज को अच्छा बनाता है, विचारों में स्पष्टता लाता है और आपकी इंद्रियों को जागृत करता है।

वजन प्रशिक्षण - उदाहरण के लिए शक्ति प्रशिक्षण एक विचारहीन गतिविधि नहीं हो सकती जिसे एक व्यक्ति जिम में अपने दोस्त के साथ जोशपूर्ण बातचीत करते हुये कर सके। आप कितना वजन उठा रहे है, गतिविधियों के हिसाब से श्वसन की लय एवं स्वरूप (उदाहरण के लिए मेहनत करते समय सांस छोड़ना), किस मांसपेशी के लिए कसरत की जा रही है। फिर कैसे यह मन-शरीर कसरत नहीं हुई? यदि वजन उठाते समय कोई व्यक्ति सचेत नहीं होता है तो चोटिल होने की संभावना बहुत अधिक होती है।

सांस जीवन का सार है, ज़ाहिर है, लेकिन मैं अक्सर जिम जाने वालों के चेहरों को नीला होते हुए देखती हूँ क्योंकि वे सांस रोककर जबरदस्ती कोई गतिविधि करते है और इस बात पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते कि उनका शरीर उनसे क्या कह रहा है। विनाशकारी! यहाँ तक कि अनुभवी कसरत करने वालो एवं प्रशिक्षकों को भी वजन के साथ प्रशिक्षण करने के दौरान उनके सांस लेने के तरीके के बारे में स्मरण कराये जाने की निरंतर आवश्यकता होती है। अपने धड़ को संतुलित, रीढ़ सीधी और दोनों पैरों पर शरीर का वजन बराबर रूप से डालने पर ध्यान दें। इस बात पर ध्यान दें कि आप क्या करने के लिए अपने शरीर को बाध्य कर रहे है। जवाब में वह आपसे क्या कह रहा है उसे सुने। मांसपेशियां बनाते समय, उन अंतिम कुछ दोहरावों को पूरा करना जब आपकी मांसपेशियां आपसे रुकने की याचना कर रही हो, केवल सही मानसिक दृष्टिकोण से ही संभव है।

का संबंध

कार्डियो - यद्यपि कुछ लोग उनके कार्डियो का आनंद उठाते है, फिर भी बहुत से लोगों को यह अत्यंत नीरस और/या कठिन लगता है। आप गतिविधि में मज़ा डालकर अपने दिमाग को इसका आनंद उठाने के लिए बहका सकते है। यदि आप दौड़ने नहीं जा सकते या क्रॉस ट्रेनर का इस्तेमाल नहीं कर सकते, तो क्यों ना नई कार्डियो कक्षाओं को आज़माए जिसमें रोमांच बढ़ाने वाला संगीत एवं अन्य व्यायाम होते है, जिससे कोई भी व्यक्ति किये गए वास्तविक कार्य को भूल जाता है।

यहाँ कुछ तरीके है जिनसे एक कार्डियो दिनचर्या के दौरान आपका दिमाग प्रयोग में आएगा-

– एक कक्षा में कोरियोग्राफ़ी को याद करने के लिए एकाग्रचित्त मन की आवश्यकता होती है।
– जटिल कक्षाओं के दौरान आपको सतर्क एवं सचेत रहने की जरूरत होती है।
– आखिर के कुछ मिनटों में स्वयं को आगे बढ़ाने या किसी दिनचर्या के चुनौतीपूर्ण चरण को पूरा करने के लिए 'इच्छाशक्ति' लगती है, जो कि दिमाग का एक कार्य है।

जब आप कोरियोग्राफी और संगीत के साथ एक जटिल एरोबिक/स्टेप/किक-बॉक्सिंग कक्षा में जाते है तो दिमाग को स्मृति पर ध्यान केन्द्रित करना, सीखना और प्रतिबद्ध होना पड़ता है। हाँ आपका दिमाग काम कर रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है। ऐसे विद्यार्थी है जो कसम खायेंगे कि उन्हें नाचना नहीं आता, वे धीमे है और उन्हें संगीत का कोई ज्ञान नहीं है। जैसे-तैसे, अभ्यास से, उनका शरीर एक नई प्रकार की गतिविधि के लिए अनुकूल होना सीखता है। व्यायाम करने के दौरान निकलने वाला ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रोपिक फैक्टर (बीडीएनएफ) तंत्रिका विकास और वृद्धि में सहायक होता है। कसरत करने के दौरान निकलने वाले एंडोर्फिन्स दिमाग की कार्यिकी में बदलाव करते है जिससे एक व्यक्ति अधिक ङ्गउदारफ सकारात्मक और अच्छे मिजाज़ वाला बनता है।

शोधकर्ताओं (क्रेमर, एरिक्सन और कोलकोम्ब, 2006, एवं हिलमैन और वैन प्रेग 2008) ने पाया कि नियमित कसरत करने से दिमाग में नए रास्ते, नई कोशिकाएं (न्यूरोजेनेसिस) बनती है एवं रक्त संचार (वैस्कुलारिटी) बेहतर होता है जिससे कि संज्ञान, बहु कार्यण और तो और संदिग्धता से निपटने के कौशल भी बेहतर होते है। नियमित कसरत करने से निर्णय लेने की काबिलियत, समस्या सुलझाने की क्षमता, रचनात्मकता और कार्य स्मृति बेहतर होती है। ये कार्य सामान्य रूप से उम्र बढ़ने के साथ क्षीण होते जाते है। इसलिए नियमित कसरत करने से इस क्षय को रोका जा सकता है और गुणवत्तापूर्ण जीवन का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

कसरत को प्रभावी रूप से करने के लिए दिमाग का इस्तेमाल किया जाता है और बदले में कसरत दिमाग के कार्यों को बेहतर बनाती है। सभी प्रकार की तंदरुस्ती की गतिविधियों में मन-शरीर संबंध होता है। यह अधिक स्पष्ट तब होता है जब एक व्यक्ति चालू गतिविधि पर ध्यान केन्द्रित करता है। जब एक व्यक्ति सीखने और समझने के लिए तैयार होता है; और जब एक व्यक्ति सतर्क एवं सचेत होता है।

लेखिका एक जीवन शैली चिकित्सक है। संपर्क करने के लिए sheelanambiar@gmail.com पर ईमेल करें।
www.drsheelanambiar.com
एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	:	1,222,446
Clubs	:	35,776
Districts	:	538
*Rotaractors	:	168,300
Clubs	:	10,150
*Interactors	:	558,578
Clubs	:	24,286
RCC	:	10,521

**Estimated*

As on June 14, 2019

Membership Summary

As on June 1, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	113	4,545	224	42	233	210
2982	68	2,878	171	69	117	54
3000	127	4,947	552	233	690	203
3011	79	3,323	749	47	118	25
3012	85	3,376	919	58	133	56
3020	78	3,799	225	57	467	349
3030	88	4,622	627	85	327	209
3040	96	2,094	240	33	138	143
3053	69	2,754	547	11	59	96
3054	127	5,789	1,119	81	327	475
3060	100	4,115	584	59	128	139
3070	103	2,882	345	49	164	58
3080	77	3,136	318	86	227	110
3090	76	2,016	65	36	39	122
3100	70	1,662	120	12	80	146
3110	113	3,824	339	30	53	104
3120	74	3,163	427	32	63	52
3131	129	5,114	1,272	98	317	90
3132	97	3,623	448	40	219	155
3141	90	5,023	1,407	113	274	86
3142	93	3,159	697	79	205	64
3150	98	3,471	380	63	252	110
3160	71	2,402	164	28	48	82
3170	124	5,291	669	61	354	165
3181	73	3,009	365	57	276	115
3182	83	3,141	256	32	283	97
3190	131	4,780	687	127	372	53
3201	141	5,216	371	98	141	49
3202	129	4,779	281	79	450	47
3211	139	4,411	302	8	98	129
3212	98	3,950	337	97	300	142
3231	76	2,987	345	53	220	354
3232	107	4,282	859	118	353	83
3240	87	2,909	411	51	190	179
3250	97	3,695	690	65	221	179
3261	70	2,562	353	11	113	43
3262	90	3,276	432	39	79	77
3291	145	3,636	740	85	141	607
India Total	**3,711**	**139,641**	**19,037**	**2,422**	**8,269**	**5,457**
3220	66	1,799	300	78	212	73
3271	80	1,404	278	56	19	18
3272	161	2,843	366	51	40	40
3281	204	5,457	891	224	95	192
3282	143	4,003	430	130	50	44
3292	117	4,360	721	123	134	113
S Asia Total	**4,482**	**159,507**	**22,023**	**3,084**	**8,819**	**5,937**

Source: RI South Asia Office

On the racks

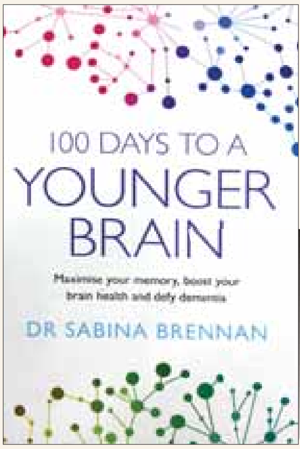

100 Days to a Younger Brain

Author : **Sabina Brennan**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **298; ₹499**

The aim of living a brain-healthy life is not just to reduce the risk of dementia and other serious health issues but also to improve the quality of your life and brain performance NOW. The author, Sabina Brennan, provides all the essential information you need to make informed choices everyday about your sleeping, eating and lifestyle habits that will benefit all aspects of your life from work to relationships and help you achieve your personal goals.

This motivating book proves you don't need to understand complicated neuroscience in order to look after your brain. Do at least one small thing every day to radically improve your brain health.

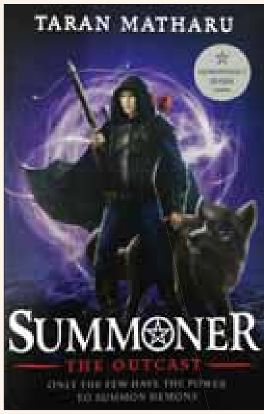

Summoner – The outcast

Author : **Taran Matharu**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **408; ₹399**

Enter an immersive world where the chosen few have the ability to summon demons...

In this thriller written by Taran Matharu, Arcturus is an ordinary orphaned stable boy when he discovers that he has the ability to summon demons from another world.

He is sent to *Vocans* Academy where the lost arts of summoning, spell craft and demonology are taught to the noble children of the Empire. As the first commoner gifted with this ability, his discovery challenges the nobility and the powers that be and Arcturus soon makes enemies. With no one but his demon Sacharissa by his side, Arcturus must prove himself as a worthy Summoner...

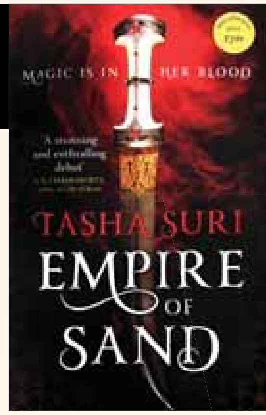

Empire of Sand

Author : **Tasha Suri**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **432; ₹399**

Empire of Sand is Tasha Suri's captivating, Mughal India-inspired debut fantasy. This novel revolves around Mehr, who lives in a world where she is only half accepted.

It is the tale of the *Amrithi* who are outcasts. Nomads who worship desert spirits, they are coveted and persecuted throughout the Empire for the power in their blood. Mehr is the illegitimate daughter of an imperial *Ambhan* governor and an exiled *Amrithi* mother she can barely remember, but whose face and magic she has inherited. The *Ambhans* conquer and destroy the *Amrithi* nomads, and as a woman with parents from both the worlds, she struggles to find her place as a worshipper of the old *Amrithi* gods and traditions. When the Emperor's mystics take note of her *Amrithi* powers, they force her into a marriage with one of their own, and Mehr becomes a very important pawn in a deadly game of men, gods, and demons.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S

नमक तस्करी और डाक बंगलें

टीसीए श्रीनिवास राघवन

पढ़ने का शौकीन होने के कारण मैं लगातार नए लेखकों की तलाश में रहता हूँ। इसलिए हाल ही में मैंने रॉय मोक्सहम नामक एक व्यक्ति की खोज की। 2002 में, उन्होंने झाड़ियों के बाड़े के ऊपर एक किताब लिखी थी। हाँ, झाड़ियों से निर्मित बाड़े पर। किताब का शीर्षक उचित रूप से दी ग्रेट हेज ऑफ इंडिया है। कोई ऐसी किताब क्यों लिखेगा? खैर, ऐसा प्रतीत होता है कि 19वीं सदी के उत्तरार्ध में अँग्रेजी लुटेरों, जो तब भारत पर शासन करते थे, ने ब्रिटिश इंडिया और भारतीय राज्यों के मध्य नमक की तस्करी को रोकने के लिए 2,300 मील लंबे झाड़ियों के बाड़े का निर्माण किया था। तस्करी इसलिए होती थी क्योंकि ब्रिटिश इंडिया में ब्रिटिश करों के कारण नमक, यदि अधिक नहीं, तो कम से कम पाँच गुना महंगा था। कई स्थानों पर झाड़ियाँ बीस फीट गहरी और उतनी ही ऊंची थी।

किताब में भारत के नमक करों के इतिहास का एक विस्तृत विवरण भी मौजूद है। इसकी शुरुआत चन्द्रगुप्त मौर्य के समय से हुई थी।

1994 में एक दिन, मोक्सहम ने संयोग से लंबे समय से भुला दी गई इस चीज़ का अंश खोज लिया। इस बात में रुचि जागने पर कि कोई कैसे ऐसा सोच सकता है, उन्होंने यह जानने का फैसला किया कि क्या उसका कोई हिस्सा अभी भी बाकी है। इसलिए 1996 में वह भारत आए और तब तक वापस आते रहे जब तक कि पाँच साल बाद यूपी में कहीं उनको वह नहीं मिल गया। इस किताब में उन्होंने उनके साहसिक कारनामों का भी वर्णन किया है, जिसमें एक किस्सा शामिल है जहाँ एक नदी के किनारे डुबकी लगाते समय उनके पास एक मगरमच्छ आ गया था।

मोक्सहम कहते है, बात यह है कि इन करों का किसी ने तब तक विरोध नहीं किया जब तक कि ईस्ट इंडिया कंपनी के लोभी अपराधियों ने इस दर को सौ-गुना तक नहीं बढ़ा दिया। और चूंकि वह प्राप्तियों - वर्ष 1760 से लगभग 100 वर्षों में कुछ बिलियन पाउंड - से अपनी जेबें भर रहे थे इसलिए ब्रिटिश गवर्नमेंट, जिसने 1860 से ब्रिटिश इंडिया अपने अधिकार में ले लिया था, ने झाड़ियों की दीवार बनाने का फैसला किया क्योंकि असली दीवार बनाने के पैसे नहीं थे। कस्टम विभाग - जो हमेशा की तरह ही भ्रष्ट था - ने झाड़ियों की दीवार बनाई, जिसमें बीच-बीच में पहरा देने के लिए मीनारें और छोटे किले थे। इसके अवशेष ही मोक्सहम ने खोजे थे।

यह सनकी विचार केवल एक दशक तक चला, 1879 से 1890 तक जब इसे त्याग दिया गया। जिस व्यक्ति ने इसे वाकई में प्रभावी बनाया वह और कोई नहीं बल्कि कॉंग्रेस पार्टी के संस्थापक एलन ओक्टेवियन ह्यूम थे। अपने चरम पर यह मुल्तान से लेकर बिहार तक फैली हुई थी। यह अद्भुत है कि यूपी के कुछ ग्रामीणों को 120 साल बाद भी वह याद है जब मोक्सहम उनसे मिले। उन्होंने कहा कि वह परमट लेन (पर्मिट लेन) के नाम से जानी जाती थी और उन्हें उसके पास ले गए। मोक्सहम कहते है कि उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई कि छह वर्षों की खोज आखिरकार सफल हो गई। पुराने ब्रिटिश कस्टम नक्शों की तलाश में उन्होंने अनेक कष्टों का सामना किया था।

लेकिन अँग्रेजी पागलपन के ऐसे बहुत से उदाहरण मौजूद है। अब इसे पागलपन कहा जा रहा है लेकिन किसी स्वयं-सेवी उद्देश्य के बिना ऐसा कभी भी नहीं किया जाता था। उदाहरण के लिए, पूरे भारत में दूरस्थ एवं मनोहर जगहों पर बनाए गए सर्किट हाउस और डाक बंगलों का भी एक गुप्त उद्देश्य था, जब मेमसाहब दूर इंग्लैंड में होती थी तो अवैध सम्बन्धों के लिए इनका उपयोग किया जाता था। मुझे बताया गया कि आज भी उसी उद्देश्य के लिए इनका उपयोग किया जाता है। सर्किट हाउस उच्च पद वालों के लिए होते थे और घने जंगलों के बीच बने डाक बंगले निम्न पद वालों के लिए होते थे।

इन सब बातों को और चटपटा बनाते हुये कुछ ऐसे सर्किट हाउस और डाक बंगले थे जिनमें भूत-प्रेत का साया था, जैसा कि भोपाल के पास मिसरोद के डाक बंगले में है। ऐसा प्रतीत होता है किसी मिस रोड - मिसरोद, समझ आया? - ने किसी अंग्रेज़ द्वारा दिल तोड़े जाने पर वहाँ आत्महत्या कर ली थी। जबलपुर के पास भी एक सर्किट हाउस है जहाँ पर क्रिसमस के दिन एक अँग्रेज का भूत आता है। निरे अकेलेपन में रहने के कारण उसने आत्महत्या कर ली थी।

कुछ साल पहले राज बाबू के रिसॉर्ट्स पर रजिता भार्गव की एक किताब में इनमें से बहुत सी बातों को शामिल किया गया था। मोक्सहम के झाड़ियों के बाड़े की तरह ही, उन्होंने भी यह पता लगाने का निश्चय किया कि ये चीज़ें क्या थी। दुर्भाग्य से, अब यह किताब छपना बंद हो गई है और मुझे इसका नाम याद नहीं आ रहा है।

ब्रिटिश पागलपन के संदर्भ में, मुझे एक अन्य किताब का जिक्र अवश्य करना चाहिए जो मैंने कुछ वर्ष पूर्व पढ़ी थी। वह एनी डी कोर्सी द्वारा लिखित *द फिशिंग फ्लीट* है। यह उन अधेड़ उम्र की अंग्रेज़ महिलाओं के वार्षिक आगमन के बारे में है जो एक पति की तलाश में भारत आती थी। यह उस दौर के बारे में एक दिलचस्प किताब है। ■

संक्षेप में

इन्स्टाग्राम मतदान के बाद आत्महत्या

मलेशिया में एक 16-वर्षीय लड़की ने स्वयं को मार लिया, इन्स्टाग्राम पर एक पोल को पोस्ट करने के बाद जिसमें उसने फालोअर से पूछा था ''बेहद ज़रूरी, मैं क्या चुनु मौत/ज़िंदगी।'' 69 प्रतिशत लोगों द्वारा ''मौत'' को चुने जाने के बाद, उसने आत्महत्या कर ली। एक वकील का कहना है कि जिसने उसकी मौत के पक्ष में मतदान किया था उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी करार दिया जा सकता है।

लड़कों के लिए गृहस्थी के सबक

कोलेजिया मोंटेकेस्तेलो, एक स्पेनिश कॉलेज, ने होम इकोनॉमिक्स नामक एक अनिवार्य विषय शुरू किया है, जिसके माध्यम से लड़कों को खाना बनाना, कपड़े धोना, स्त्री करना और अपना पलंग तैयार करना सिखाया जाता है। इस कदम का उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और लड़कों को इस बात का एहसास कराना है कि घरेलू काम करना 'लड़कियों की चीज़' नहीं है। कॉलेज को उम्मीद है कि विद्यार्थी पूरी तरह से आत्मनिर्भर होंगे और बिना किसी बाहरी मदद के स्वयं की और अपने रहने के स्थान का ध्यान रख पाएंगे

गेमिंग विकार को 'बीमारी' घोषित किया जायेगा

विश्व स्वास्थ संगठन ने विश्व स्वास्थ्य सभा में 'गेमिंग डिसऑर्डर' को एक बीमारी घोषित किया है, जिसकी व्याख्या व्यवहार के एक ऐसे पैटर्न के रूप में की गई है जिसमें गेमिंग पर नियंत्रण क्षीण होता है, और अन्य गतिविधियों से अधिक गेमिंग को इस हद तक अधिक प्राथमिकता दी जाती है कि अन्य रुचियों एवं दैनिक गतिविधियों से अधिक गेमिंग प्रधान हो जाती है।फ यह 1 जनवरी, 2022 से प्रभावी होगा।

सबसे लम्बा शादी का घूंघट

जब पिछले वर्ष सायप्रस की मारिया परस्केवा की शादी हुई, तो उसने एक अलग किस्म का कीर्तिमान कायम किया... सबसे लम्बा शादी का घूंघट पहनने का जो उसके बचपन का सपना था। कभी समाप्त ना होने वाले 6,962.6 मीटर (22,843 फीट से अधिक), या 63.5 फुटबॉल के मैदान जितने लम्बे लैस वाले घूंघट को गिनीज़ वर्ल्ड रिकार्ड्स में जगह मिली।

फिलीपींस ने हरियाली और स्नातक को जोड़ा

फिलीपींस के एक नए कानून के अनुसार स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को स्नातक होने के लिए कम से कम दस पौधे लगाने होंगे। विधेयक को लागू करने का कार्यभार उच्च शिक्षा विभाग का होगा। पौधों की प्रजातियाँ क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और जलवायु के अनुरूप होना चाहिए और पौधारोपण संरक्षित क्षेत्रों, परित्यक्त खनन स्थलों, मैनग्रोव और सैन्य सीमाओं में किया जाना होगा। पिछली सदी के दौरान देश के वन आवरण गिरकर 20 प्रतिशत हो गए है और उचित रूप से कार्यान्वित होने पर, इस पहल के परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 175 मिलियन पेड़ लगाए जाएंगे।

जयश्री और करण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month

ADVT

Rotary District 3012 | BE THE INSPIRATION R.I. THEME 2018-19

ROTARY DISTRICT 3012 GLOBAL GRANT PROJECT

आरोग्य

MOBILE MAMMOGRAPHY VAN

Inauguration & Flag-Off by Dr. SUBHASH JAIN AKS

DISTRICT GOVERNOR 2018-19, R.I. DISTRICT 3012, in the Presence of **Dignitaries & District Team Members** on Saturday, **8th June 2019** at **Sharda Hospital,** Gautam Budh Nagar

DR. SUBHASH JAIN AKS
District Governor 2018-19